Globe
GLOBE INTERNATIONAL CARRIERS LTD.
Formerly known as Globe International Carriers Pvt. Ltd.

Regd. Office: 301-306,Prakash Deep Complex, Near Mayank Trade Centre, Station Road,Jaipur- 302006
Tel: 0141- 2361794, 2368794, 4083700 (10 lines)
Email: info@gicl.co | Website: www.gicl.co
CIN: L60232RJ2010PLC031380

Date: 17/03/2025

To,
National Stock Exchange of India Ltd. (NSE Ltd.)
Exchange Plaza, 05th Floor,
Bandra Kurla complex, Bandra (E) Mumbai — 400051

NSE Scrip Code – GICL

Subject: Filling of Corrigendum to Notice pursuant to the upcoming EGM of Globe International Carriers Limited ("Company")

Dear Sir/Madam,

We are submitting herewith copies of Corrigendum published in connection with **upcoming EGM of Globe International Carriers Limited**. It has been published in the following newspapers:

1. Financial Express - English Daily (all editions);
2. Business Remedies – Regional Language (Jaipur edition).

We are submitting the e-clipping copies of the said newspapers.

Kindly take this in your records.

Thanks & Regards,

FOR GLOBE INTERNATIONAL CARRIERS LIMITED

SUBHASH AGRAWAL
Digitally signed by SUBHASH AGRAWAL
Date: 2025.03.17 10:57:49 +05'30'

Name: Subhash Agrawal
Designation: Managing Director

महान आश्चर्य है कि व्यक्ति दो के चुनाव में धर्म को नहीं पाप को अधिक चुनता है: महास्थविर शांति मुनि

जयपुर ▪ दिल्ली से प्रकाशित

बिज़नेस रेमेडीज

वर्ष : 12 | अंक : 62 भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत **व्यापार एवं विकास की आवाज** मूल्य : 3 रुपए | पेज : 8 | दैनिक | www.businessremedies.com

जयपुर। रविवार 16 मार्च, 2025

इसरो ने 10 वर्षों में विदेशी सैटेलाइट लॉन्च से 439 मिलियन डॉलर कमाए: जितेंद्र सिंह

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली(आईएएनएस)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया है कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पिछले 10 वर्षों में विदेशी सैटेलाइट लॉन्च से 439 मिलियन डॉलर का राजस्व अर्जित किया है। लोकसभा में एक लिखित उत्तर में सिंह ने कहा, 'जनवरी 2015 से दिसंबर 2024 तक, कुल 393 विदेशी सैटेलाइट और 3 भारतीय कस्टमर सैटेलाइट को वाणिज्यिक आधार पर इसरो के पीएसएलवी, एलवीएम3 और एसएसएलवी लॉन्च वाहनों पर लॉन्च किया गया है।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसी अवधि के दौरान विदेशी सैटेलाइट की लॉन्चिंग से सरकार द्वारा उत्पन्न विदेशी मुद्रा राजस्व लगभग 143 मिलियन डॉलर और 272 मिलियन यूरो है। वर्तमान विनिमय दरों के अनुसार, 272 मिलियन यूरो 296 मिलियन डॉलर के बराबर हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 2014 से भारत ने 34 देशों के सैटेलाइट लॉन्च किए हैं। कुल विदेशी सैटेलाइट में से अमेरिका की 232 सैटेलाइट हैं, जो कि सबसे अधिक है। दूसरे देशों में यूके की 83, सिंगापुर की 19, कनाडा की 8, कोरिया की 5, लक्जमबर्ग की 4, इटली की 4, जर्मनी की 3, बेल्जियम की 3, फिनलैंड की 3, फ्रांस की 3, स्विट्जरलैंड की 2, नीदरलैंड की 2, जापान की 2, इजरायल की 2, स्पेन की 2, ऑस्ट्रेलिया की 1, संयुक्त अरब अमीरात की 1 और ऑस्ट्रिया की 1 सैटेलाइट है। केंद्रीय मंत्री ने संसद को 61 देशों में विदेशी अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ इसरो के सहयोग की भी जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'वर्तमान में, 61 देशों और पांच बहुपक्षीय निकायों के साथ अंतरिक्ष सहयोग दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। सहयोग के प्रमुख क्षेत्र सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग, सैटेलाइट नेविगेशन, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, स्पेस साइंस और प्लैनेटरी एक्सप्लोरेशन और क्षमता निर्माण हैं।' इसरो ने नासा के साथ एक जॉइंट सैटेलाइट मिशन के लिए साझेदारी की है, जिसका नाम 'निसार (नासा इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार)' है, जो अभी अपने एडवांस स्टेज पर है।

महंगाई कम होने से आरबीआई अगले महीने ब्याज दरों में कर सकती है कटौती: एचएसबीसी

HSBC Global Research

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली/आईएएनएस)। खुदरा महंगाई दर फरवरी में 3.6 प्रतिशत पर आने के बाद मार्च में यह आरबीआई के लक्ष्य 4 प्रतिशत से नीचे रहने की उम्मीद है, जिसके कारण केंद्रीय बैंक अगली मौद्रिक नीति में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। यह जानकारी एचएसबीसी रिसर्च की रिपोर्ट में दी गई। एचएसबीसी रिसर्च ने कहा, 'आरबीआई ने पहले ही रेपो रेट में कटौती का चक्र शुरू कर दिया है और अप्रैल की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में 25 आधार अंकों की कटौती की संभावना है, जिससे रेपो रेट घटकर 6 प्रतिशत हो जाएगी।' रिपोर्ट में कहा गया है, 'वर्तमान में, मार्च तिमाही की महंगाई दर इस तिमाही के लिए आरबीआई के पूर्वानुमान से कम चल रही है। साथ ही सर्दियों की फसल की बुआई अच्छी रही है, अगले कुछ हफ्तों में तापमान महत्वपूर्ण है क्योंकि गेहूं की फसल अपने अनाज भरने के चरण में है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य पदार्थों की महंगाई में कमी फरवरी के लगातार दूसरे महीने जारी रही। इसका कारण सब्जी, दालें और अंडा, मछली और मांस की कीमतों में गिरावट थी। हालांकि, इस दौरान अनाज, चीनी और फलों की कीमतें बढ़ी हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि फरवरी के दौरान गोल्ड की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण मुख्य महंगाई, जिसमें खाद्य और ईंधन के सामान शामिल नहीं हैं, सभी प्रकार से बढ़ गई है। हालांकि, गोल्ड को छोड़कर, मुख्य महंगाई दर भी वार्षिक रूप से 4 प्रतिशत के निशान से नीचे बनी हुई है। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि अक्टूबर से डॉलर के मुकाबले रुपये में 4 प्रतिशत की गिरावट हुई है। हालांकि, ब्रेंट क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल पर बने रहने की उम्मीद है। इन सभी को देखते हुए वित्त वर्ष 26 में मुख्य महंगाई दर औसत 4 प्रतिशत रह सकती है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बीते महीने रेपो रेट को 25 आधार अंक घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया था, जो कि पहले 6.5 प्रतिशत थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि महंगाई में कमी आ रही है और यह आरबीआई के लक्ष्य 4 प्रतिशत के अनुरूप है।

भारत के व्यापार में 2024 की चौथी तिमाही में हुई शानदार वृद्धि : यूएन रिपोर्ट

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली(आईएएनएस)। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की अंतिम तिमाही में भारत के व्यापार में मजबूत वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि 2024 में वैश्विक व्यापार में शानदार वृद्धि हुई, जबकि कई विकसित देशों की आर्थिक गतिविधियों में गिरावट आई। हालांकि, भारत ने औसत से बेहतर प्रदर्शन करते हुए आयात और निर्यात दोनों में वृद्धि दर्ज करवाई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में वैश्विक व्यापार में लगभग 1.2 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि हुई, जो 33 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई। यह वृद्धि सेवा व्यापार में 9 प्रतिशत और माल व्यापार में 2 प्रतिशत की वृद्धि की वजह से देखी गई। भारत की व्यापार गति 2024 की चौथी तिमाही में मजबूत रही, जिसमें माल और सेवा व्यापार में सकारात्मक वृद्धि देखी गई। देश ने पिछली तिमाही की तुलना में 2024 की अंतिम तिमाही में माल के आयात में 8 प्रतिशत तिमाही वृद्धि दर्ज की। वार्षिक आधार पर, माल आयात में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। देश के माल निर्यात में भी तिमाही आधार पर 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि वार्षिक निर्यात में 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत के लिए सेवा व्यापार वृद्धि का एक प्रमुख क्षेत्र बना रहा। 2024 की चौथी तिमाही में, देश ने सेवा आयात में 7 प्रतिशत तिमाही वृद्धि और वार्षिक आधार पर 10 प्रतिशत की वृद्धि देखी। सेवा निर्यात में भी तिमाही आधार पर 3 प्रतिशत और वार्षिक आधार पर 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि आईटी और व्यावसायिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में भारत के मजबूत प्रदर्शन को दर्शाती है। हालांकि, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि आने वाले महीनों में वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी हो सकती है। 2025 की शुरुआत में, कंटेनर शिपिंग की मांग में गिरावट आई है, जो कमजोर वैश्विक व्यापार का संकेत देती है।

शिपिंग लागतों को ट्रैक करने वाले शंघाई कंटेनराइज्ड फ्रेट इंडेक्स में गिरावट आई है, जो दुनिया भर में माल की मांग में कमी का संकेत देती है। इसके अलावा, बाल्टिक ड्राई इंडेक्स 2024 के स्तर से कम बना हुआ है। यह इंडेक्स कोयले और लौह अयस्क जैसे कच्चे माल के लिए शिपिंग दरों को मापता है। रिपोर्ट में बढ़ते व्यापार असंतुलन पर भी प्रकाश डाला गया है।

'आरबीआई' को सेंट्रल बैंकिंग, लंदन ने डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन अवार्ड 2025 के लिए चुना

बिजनेस रेमेडीज/मुंबई (आईएएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक को सेंट्रल बैंकिंग, लंदन द्वारा डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। आरबीआई को 'प्रवाह' और 'सारथी' डिजीटल पहल के लिए चुना गया है। इससे केंद्रीय बैंक में पेपर का इस्तेमाल कम हुआ है। सेंट्रल बैंकिंग ने एक प्रेस बयान में कहा कि ये दोनों पहल इस काम के लिए महत्वपूर्ण रही हैं। सारथी पहल के साथ आरबीआई के सभी इंटरनल वर्कफ्लो डिजिटल हो गए हैं। जनवरी 2023 में लाइव होने वाली इस पहल के साथ कर्मचारियों को डॉक्यूमेंट्स को सुरक्षित रूप से स्टोर और शेयर करने की सुविधा मिली। साथ ही रिकॉर्ड मैनेजमेंट में भी सुधार हुआ। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन का दूसरा चरण मई 2024 में 'प्रवाह' के रूप में शुरू किया गया, जिसने एक्सटर्नल यूजर्स के लिए आरबीआई को विनियामक आवेदन प्रस्तुत करने के लिए एक डिजिटल माध्यम बनाया।

'भारतमाला परियोजना' के तहत देश में 19,826 किलोमीटर राजमार्ग निर्माण का काम हुआ पूरा

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली(आईएएनएस)। लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, भारतमाला परियोजना के तहत देश में 26,425 किलोमीटर राजमार्ग निर्माण के कॉन्ट्रैक्ट दिए गए हैं, जिनमें से अब तक 19,826 किलोमीटर राजमार्ग निर्माण का काम पूरा हो चुका है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने निचले सदन को एक लिखित उत्तर में बताया कि भारतमाला परियोजना का उद्देश्य देश में लॉजिस्टिक्स दक्षता और कनेक्टिविटी में सुधार करना है। परियोजना का उद्देश्य आदिवासी, पिछड़े और वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना, राजमार्गों पर दुर्घटनाओं को कम करना और सुरक्षित परिवहन नेटवर्क स्थापित करना है।

इस साल फरवरी तक, 6,669 किलोमीटर लंबे हाई स्पीड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर आवंटित किए जा चुके हैं, जिनमें से 4,610 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि राजमार्ग निर्माण में ऑटोमेटेड और इंटेलिजेंट मशीन-एडेड कंस्ट्रक्शन (एआई-एमसी), एलआईडीएआर और ड्रोन-आधारित एनालिटिक्स जैसी कई स्मार्ट तकनीकों को अपनाया जा रहा है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई पिछले 10 वर्षों में 60 प्रतिशत बढ़ गई है, जो 2014 में 91,287 किलोमीटर से 2024 में 146,195 किलोमीटर हो गई है, जिससे यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क बन गया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भारतमाला परियोजना के हिस्से के रूप में लगभग 46,000 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ 35 मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) का एक नेटवर्क बनाने की योजना बनाई है, जो एक बार चालू होने के बाद लगभग 700 मिलियन टन कार्गो को संभालने में सक्षम होगा। इसमें से 15 प्राथमिकता वाले स्थानों पर एमएमएलपी को लगभग 22,000 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ बनाया जाएगा। बयान में आगे बताया गया है कि कुछ मामलों में, एमएमएलपी को सागरमाला परियोजना के तहत अंतर्देशीय जलमार्ग टर्मिनलों के साथ मिलकर विकसित किया जा रहा है ताकि पारंपरिक रोड़-बेस्ड मूवमेंट की तुलना में इनलैंड कार्गो मूवमेंट की लागत को और कम किया जा सके।

केंद्र ने वित्त वर्ष 2024-25 में राज्य उपभोक्ता कल्याण कोष के लिए 32.68 करोड़ रुपये किए जारी

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली (आईएएनएस)। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जानकारी दी कि केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में राज्य उपभोक्ता कल्याण (कॉर्पस) कोष के लिए 32.68 करोड़ रुपये जारी किए हैं। हर साल 15 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 'उपभोक्ता अधिकारों' और 'संरक्षण' को बनाए रखने की जरूरत को याद दिलाता है। यह दिन सभी उपभोक्ताओं के मूल अधिकारों को बढ़ावा देने और उनके अधिकारों के सम्मान और संरक्षण को प्रोत्साहित करने के रूप में मनाया जाता है।

मंत्रालय ने कहा, 'वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, केंद्र सरकार की ओर से अलग-अलग राज्यों को उनके राज्य उपभोक्ता कल्याण (कॉर्पस) कोष की स्थापना और वृद्धि के लिए 32.68 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।' इसमें कहा गया है कि इस अवधि के दौरान, 24 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश ने उपभोक्ता कल्याण (कॉर्पस) कोष की स्थापना की है। इसके अलावा, सरकार ने कहा कि इसका उद्देश्य एक सुरक्षित, पारदर्शी और उपभोक्ता-अनुकूल अर्थव्यवस्था बनाना है। मंत्रालय ने कहा, 'जैसा कि भारत विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 2025 मना रहा है, हमारा ध्यान एक सुरक्षित, अधिक पारदर्शी और उपभोक्ता-अनुकूल अर्थव्यवस्था सुनिश्चित करने पर है।' उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने, शिकायतों के समाधान की व्यवस्था को मजबूत करने और एक पारदर्शी और निष्पक्ष बाजार सुनिश्चित करने के लिए उपभोक्ता मामलों के विभाग ने कई नई पहल और नीतियां शुरू की हैं। मंत्रालय ने कहा, '2024 में ई-कॉमर्स रेगुलेशन, डिजिटल कंज्यूमर प्रोटेक्शन, उत्पाद सुरक्षा मानकों और सस्टेनेबल कंजंप्शन पहलों में सुधार के साथ कई बड़े विकास कार्य किए गए।' विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पहली बार 1983 में मनाया गया था। यह दिन 15 मार्च, 1962 को अमेरिकी कांग्रेस को राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के संबोधन की याद दिलाता है, जहां वे औपचारिक रूप से उपभोक्ता अधिकारों को मान्यता देने वाले पहले ग्लोबल लीडर बने थे। इस वर्ष का विषय 'स्थायी जीवन शैली के लिए एक उचित बदलाव' है।

सिल्वर ईटीएफ का एयूएम महज 3 साल में 13,500 करोड़ रुपये के पार हुआ : रिपोर्ट

बिजनेस रेमेडीज/मुंबई(आईएएनएस)। पिछले तीन वर्षों में सिल्वर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) को लेकर निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी 2025 तक ईटीएफ प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) 13,500 करोड़ रुपये को पार कर गई। जीरोधा फंड हाउस द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों से पता चलता है कि वर्तमान में भारतीय बाजार में 12 सिल्वर ईटीएफ हैं, जिनमें छह लाख से अधिक इंवेस्टर फोलियो हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा नवंबर 2021 में परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों को ईटीएफ लॉन्च करने की अनुमति दिए जाने के बाद से भारत में कीमती धातु के ईटीएफ में शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। जीरोधा फंड हाउस के सीबीओ वैभव जालान ने कहा, 'सिल्वर ईटीएफ के बढ़ते लेनदेन की मात्रा निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाती है।' उन्होंने कहा कि ये ईटीएफ फिजिकल चांदी के ऑनरशिप का विकल्प प्रदान करते हैं। साथ ही स्टोरेज, सिक्योरिटी और बीमा से जुड़ी चिंताओं को दूर करते हुए चांदी की कीमत को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हैं। रुचि में यह उछाल निवेश विकल्प के रूप में चांदी की बढ़ती मांग को दर्शाता है। निवेशक तेजी से अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने के तरीकों की तलाश कर रहे हैं, और सिल्वर ईटीएफ इस कीमती धातु के संपर्क में आने का एक सुविधाजनक और परेशानी मुक्त तरीका प्रदान करते हैं।

भारत का सॉफ्टवेयर और आईटी सर्विस निर्यात 2023-24 में 200 बिलियन डॉलर तक पहुंचा : ईएससी रिपोर्ट

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली(आईएएनएस)। भारत का सॉफ्टवेयर और आईटी सर्विस निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में लगातार बढ़ता रहेगा और 200 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। हाल ही में जारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईएससी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह पिछले वर्ष दर्ज किए गए 193 बिलियन डॉलर से 3.63 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह स्थिर वृद्धि इस क्षेत्र की फ्लेक्सिबिलिटी और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती है। रिपोर्ट भारत भर में सॉफ्टवेयर निर्यात में क्षेत्रीय योगदान पर भी प्रकाश डालती है। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी क्षेत्र सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना हुआ है, जिसका योगदान 131.1 बिलियन डॉलर है, जो कुल निर्यात का लगभग 65.55 प्रतिशत है। पश्चिमी क्षेत्र 34.1 बिलियन डॉलर (17.05 प्रतिशत) के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि उत्तरी क्षेत्र 30.78 बिलियन डॉलर (15.39 प्रतिशत) का योगदान देता है। पूर्वी क्षेत्र का योगदान सबसे कम है, जिसकी हिस्सेदारी 4.02 बिलियन डॉलर (2.01 प्रतिशत) है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री ने शानदार वृद्धि दर्ज की है, जिसने अपने कुशल वर्कफोर्स, लागत लाभ और अनुकूल कारोबारी माहौल के कारण प्रमुख वैश्विक कंपनियों को आकर्षित किया है। एआई, मशीन लर्निंग और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी नई टेक्नोलॉजी का आना ग्लोबल डिजिटल लीडर के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत कर रहा है। ईएससी के चेयरमैन वीर सागर ने कहा, 'भारत का कुशल प्रबंधकीय और तकनीकी कार्यबल वैश्विक मानकों को पूरा कर रहा है, खासकर आईटी क्षेत्र में, जो देश को दुनिया के आउटसोर्सिंग हब में बदल रहा है।' उन्होंने कहा कि आईटी सॉफ्टवेयर और सर्विस, सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास और बीपीओ सेवाओं में वृद्धि इस ट्रेंड की एक प्रमुख वजह है।

चालू वित्त वर्ष में रेलवे की माल ढुलाई बढ़कर 1,465 मीट्रिक टन हुई

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली(आईएएनएस)। भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2024-25 के 11 महीनों में अब तक 1,465.371 मीट्रिक टन (एमटी) माल ढुलाई की है, जो वित्त वर्ष 2023-24 के पूरे 12 महीनों में 1,443.166 मीट्रिक टन से अधिक है। यह जानकारी रेल मंत्रालय द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों से मिली है। भारतीय रेलवे ने 2027 तक 3,000 एमटी माल ढुलाई का लक्ष्य रखा है।

मंत्रालय ने कहा, 'भारतीय रेलवे 3,000 मीट्रिक टन माल ढुलाई के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है, वित्त वर्ष 2024-25 में 2 मार्च तक 1,465.371 मीट्रिक टन माल ढुलाई दर्ज हुई है।' माल ढुलाई भारतीय रेलवे की रीढ़ बनी हुई है, जो इसके राजस्व में लगभग 65 प्रतिशत का योगदान देती है। कोयला, लौह अयस्क और सीमेंट माल ढुलाई, माल ढुलाई संचालन के माध्यम से राजस्व का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। पिछले 11 वर्षों में मालगाड़ियों और यात्री गाड़ियों की आवाजाही में वृद्धि हुई है, देश भर में 34,000 किलोमीटर से अधिक नई रेल पटरियां बिछाई गई हैं। डेडिकेटेड फेट कॉरिडोर (डीएफसी) के विकास के साथ मालगाड़ियों की गति भी बढ़ गई है।

जनवरी के दौरान मालगाड़ी परिचालन में डीएफसी ने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया, जिसने भारत के लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन में एक नया मानक स्थापित किया। मंत्रालय के अनुसार, 2025 के पहले महीने में डीएफसी पटरियों पर प्रतिदिन औसतन 391 ट्रेनें चलाई गईं। जबकि ईस्टर्न डेडिकेटेड फेट कॉरिडोर (ईडीएफसी) ने प्रतिदिन औसतन 209 ट्रेनें चलाईं, वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) ने प्रतिदिन औसतन 182 ट्रेनें चलाईं। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि यह उपलब्धि निर्बाध और कुशल माल परिवहन के लिए डीएफसी पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाती है, जो औद्योगिक और आर्थिक विकास के लिए रीढ़ की हड्डी के रूप में इसकी भूमिका को मजबूत करती है। पूर्व मध्य रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे से 100 प्रतिशत माल यातायात को ईडीएफसी में डायवर्ट कर, फ्रेट कॉरिडोर ने आस-पास के क्षेत्रीय रेलवे को राहत प्रदान की और मार्गों पर महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों के सुचारू संचालन को सक्षम बनाया। महा-कुंभ मेले के दौरान प्रयागराज मंडल को सहयोग देने में डीएफसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे यात्री और मालगाड़ियों दोनों की सुचारू और कुशल आवाजाही सुनिश्चित हुई। अधिक यात्री और मालगाड़ियां चलाने की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारतीय रेलवे के लिए लोकोमोटिव उत्पादन में भी तेजी आई है।

राजस्थान में 73% ग्रामीण महिला उद्यमी अपनी मासिक आय का एक हिस्सा लगातार बचाती हैं

हक़दर्शक और डीबीएस बैंक इंडिया का सर्वेक्षण

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। डीबीएस बैंक इंडिया ने हकदर्शक के साथ मिलकर भारत के गांवों में महिला उद्यमियों की अभिलाषाओं, चुनौतियों और वित्तीय व्यवहार पर एक व्यापक रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट, 2025 के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले जारी की गई है, और यह 2024 में डीबीएस बैंक इंडिया द्वारा शुरू किए गए 'वुमन एंड फाइनेंस' अध्ययन पर आधारित है। इसमें तीन रिपोर्ट्स शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं और फाइनेंस को लेकर उनके नजरिये से संबंधित अनोखी जानकारी देती है।

पहले दो रिपोर्ट्स में शहरी भारत की महिलाओं के बारे में जानकारी दी गई थी, जिसमें उनकी बचत और निवेश की आदतों, कॉरियर की पसंद और नौकरी में उन्हें आने वाली चुनौतियों पर फोकस किया गया था। तीसरी रिपोर्ट भारतीय महानगरों में महिला उद्यमियों पर केंद्रित थी, जिसमें उन मुख्य क्षेत्रों की पहचान की गई थी जहां उन्हें व्यापार को सक्षम बनाने के लिए समर्थन और अवसरों की आवश्यकता होती है।

हकदर्शक द्वारा किये गये वर्तमान अध्ययन में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के ग्रामीण जिलों में 411 महिला उद्यमियों का सर्वे किया गया, जिनमें से 402 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की सदस्य थीं। इसे पांच फोकस ग्रुप डिस्कशन (एफजीडी) से प्राप्त गुणात्मक जानकारी से सपोर्ट मिला, और इससे उनके अनुभवों समझने में काफी मदद मिली।

वित्तीय निर्णय लेने की प्रक्रियाः सर्वे में पता चला है कि गांवों में रहने वाली महिला उद्यमियों के व्यवहार में काफी बदलाव हो रहा है और वे वित्तीय स्वतंत्रता का रुख कर रही हैं। 18% महिलाएं अकेले, जबकि 47% अपने पति के साथ मिलकर वित्तीय निर्णय लेती हैं। 24% ने कहा कि उनके पति ही सारे वित्तीय निर्णय लेते हैं, और बाकी 11% अपने परिवार के सदस्यों से सलाह लेती हैं। यह दिखवाता है कि प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी पारंपरिक नियम बने हुए हैं।

समझदारी भरी बचत की आदतेंः लगभग 90% महिलाएं अपनी आय का कुछ हिस्सा जरूर बचाती हैं। इनमें से 57% अपनी मासिक आय का 20% से कम बचाती हैं, जबकि 33% महिलाएं 20% से 50% के बीच बचाती हैं। 5% अपनी आय का 50% से ज्यादा बचाती हैं, जबकि बाकी महिलाओं को यह नहीं पता कि वे कितना बचाती हैं, इससे उन्हें फाइनेंस से जुड़ी जानकारियां देने और योजना बनाने की जरूरत का पता चलता है। बचत करने वालों में से, 56% बैंक में जमा करते हैं, 39% स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की बचत योजनाओं में भाग लेते हैं, और 18% बिना निवेश किए अपने पास कैश रखते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) और रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी), और सोने में निवेश ज्यादा कॉमन नहीं है, केवल 11% और 5% महिलाएं इन तरीकों को चुनती हैं। लगभग 64% महिलाएं अपने व्यवसाय के मुनाफे को फिर से अपने व्यवसाय में लगाती हैं, जो व्यवसाय के विस्तार और विकास की ओर मजबूत रुझान दिखाता है।

बैंकिंग प्राथमिकताएंः सर्वे में शामिल ग्रामीण महिला उद्यमी बैंकिंग के पारंपरिक तरीकों को पसंद करती हैं। 89% महिलाएं आमने-सामने बैंकिंग को पसंद करती हैं, जो डिजिटल सेवाओं की बढ़ती उपलब्धता के बावजूद पारंपरिक चैनलों पर उनकी निर्भरता को दर्शाता है। 99% महिलाओं के पास बैंक खाता होने के बावजूद, केवल 38% अपने व्यवसाय के लिए डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करती हैं। इन डिजिटल उपयोगकर्ताओं में से, 70% केवल यूपीआई का उपयोग करती हैं, 20% यूपीआई के साथ मोबाइल या इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करती हैं, और 10% केवल मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग या अन्य डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करती हैं। ये आंकड़ें डिजिटल वित्तीय जानकारी और इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने का एक बड़ा अवसर दिखाते हैं, जिससे ग्रामीण उद्यमी डिजिटल बैंकिंग के लाभों का पूरी तरह से उपयोग कर सकें।

ऋण की सुविधाओं तक पहुंचः सर्वे के अनुसार, 36% ग्रामीण महिला उद्यमियों ने अपनी निजी बचत से बिजनेस शुरू किया, जबकि 25% ने लोन पर भरोसा किया। इसके अलावा, 29% ने अपनी बचत को लोन के साथ मिलाकर या परिवार और दोस्तों से उधार लेकर, औपचारिक और अनौपचारिक दोनों वित्तीय स्रोतों का उपयोग किया। विशेष रूप से, इनमें से 9% महिलाओं के लिए, परिवार और दोस्त फंडिंग का प्राथमिक स्रोत थे, जो छोटे व्यवसायों का समर्थन करने में सोशल नेटवर्क की भूमिका पर जोर देते हैं। लगभग 80% ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और/या दूसरी लेंडिंग चैनलों के संयोजन के माध्यम से धन प्राप्त किया, जबकि 43% केवल एसएचजी से लोन पर निर्भर थे। 15% उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्होंने सरकारी ऋण योजनाओं का उपयोग किया है। ये निष्कर्ष ग्रामीण महिला उद्यमियों के बीच इन योजनाओं की पहुंच और जागरूकता को बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं।

विकास की आकांक्षाएंः अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए, ग्रामीण उद्यमी उद्योग और सरकार (72%) से समर्थन, डिजिटलीकरण में सहायता (39%), व्यावसायिक मार्गदर्शन (35%) और नेटवर्किंग के अवसरों (32%) की तलाश करती हैं। फोकस समूहों ने उत्तरदाताओं के बीच सामुदायिक विकास के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता का खुलासा किया, जिन्होंने अपने गांवों में अन्य महिलाओं के लिए नौकरियां पैदा करने की आकांक्षा व्यक्त की।

डीबीएस बैंक इंडिया के ग्रुप स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग एंड कम्युनिकेशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर और हेड अज़मत हबीबुल्ला ने कहा कि 2024 के विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, ग्रामीण भारत में महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों में 22 से 27 मिलियन लोग काम करते हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में उनके महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है। इन उद्यमियों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों को समझना और उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक सहायता की पहचान करना आवश्यक है। 'वुमन एंड फाइनेंस' सीरीज़ में हमारी नई रिपोर्ट महिला उद्यमिता में तेजी लाने और विकास की बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए अहम सूचना प्रदान करती है। हमें हकदर्शक के सहयोग से इस रिपोर्ट को लॉन्च करने पर गर्व है। यह उद्देश्य से चलने वाला एक संगठन है जो इस क्षेत्र के लिए सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और सभी की वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बढ़ाता है।

हकदर्शक के को-फाउंडर और सीईओ अनिकेत डोएगर ने कहा कि हकदर्शक में, हम ग्रामीण महिला उद्यमियों के साथ मिलकर काम करते हैं और उनकी समस्याओं को समझते हैं। हम सिर्फ उन्हें वित्तीय सेवाओं और योजनाओं तक पहुंचने में मदद नहीं करते, बल्कि उनकी वित्तीय समझ, कौशल और आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। इन मुश्किलों को समझते हुए, हमने डीबीएस बैंक इंडिया के साथ मिलकर 'वुमन एंड फाइनेंस' सीरीज़ के तहत इस विषय पर एक विस्तृत अध्ययन किया है। हमारा मकसद महत्वपूर्ण बातचीत को बढ़ावा देना और जानकारी की कमी को दूर करने वाले समाधान बनाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इन महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच मिले, जिससे एक बेहतर अर्थव्यवस्था बन सके।

DBS Live more, Bank less

BUSINESS

न्यूज ब्रीफ

हूमड़ समाज का ढूंढोत्सव एवं होली मिलन समारोह आयोजित

बिजनेस रेमेडीज़/उदयपुर। श्री दशा जैन हूमड़ समाज की ओर से गायरियावास स्थित हूमड़ समाज भवन में ढूंढोत्सव एवं होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह अध्यक्ष सुन्दरलाल डागरिया ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील टाली ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदम प्रकाश जैन, विशिष्ठ अतिथि अमित धनावत थे। कार्यक्रम में सागवाड़ा के समाजसेवी पवन कुमार गोपाड़िया को समाज गौरव व नितिन सागोटिया को युवा गौरव अलंकरण से सम्मानित किया गया। समाज सेठ देवेन्द्र छापिया ने नवजात बच्चों के दीर्घ एवं उज्जवल भविष्य की कामना के साथ ही परम्परा के अनुसार बच्चों का ढूंढोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न कराया। समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवीलाल जावरिया व महामंत्री कन्हैयालाल सागोटिया एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

उदयपुर में तुमको मेरी कसम का धमाकेदार प्रीमियर आज

बिजनेस रेमेडीज़/उदयपुर। सपने वही देखते हैं, जो उन्हें सच करने का जज्बा रखते है और ऐसे ही एक हकीकत बन चुके सपने की कहानी लेकर आ रही है इंदिरा इंटरप्राइजेज की बहुप्रतीक्षित फिल्म तुमको मेरी कसम। 21 मार्च को वर्ल्डवाइड रिलीज से पहले इस फिल्म का शाही प्रीमियर 16 मार्च को उदयपुर के सेलिब्रेशन मॉल स्थित पीवीआर सिनेमा में होगा, जहां बॉलीवुड की कई नामी हस्तियां इस अवसर पर मौजूद रह कर कार्यक्रम में चार चांद लगायेगी। राजस्थान की शाही हवाओं में जब सिनेमा का तड़का लगेगा, तो धमाका बहुत बड़ा होगा। प्रीमियर के दौरान अनुपम खेर, अदा शर्मा और विक्रम भट्ट एक साथ स्टेज पर होंगे। बॉलीवुड के दिग्गज अनुपम खेर, ईश्वाक सिंह, अदा शर्मा, ईशा देओल, सुशांत सिंह और वीर मुर्डिया भी इस ग्रैंड प्रीमियर का हिस्सा बनेंगे। इन सितारों से मिलने का मौका हर सिनेप्रेमी के लिए एक सुनहरा अवसर होगा।

शांतिसागर के जीवन चरित्र पर प्रश्नोत्तरी एवं भव्य महाआरती आज

उदयपुर। श्री मेवा? जैन युवा संस्थान द्वारा आयोजित प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जन्मकल्याणक महोत्सव प्रथमेश 2025 के कार्य मों की श्रृंखला में रविवार 16 मार्च को कई कार्यक्रम होंगे। संरक्षक पारस सिंघवी ने बताया कि चरित्र चक्रवर्ती आचार्य 108 श्री शांतिसागर महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी महोत्सव को समर्पित इस कार्यक्रम में उदयपुर नगर में संचालित सभी जैन पाठशालाओं से 500 से अधिक विद्यार्थी एवं 50 से अधिक शिक्षक उपस्थिति रहेंगे। संस्थान के अध्यक्ष निर्मल मालवी ने बताया कि कार्यक्रम में आचार्य 108 शांतिसागर के जीवन पर प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम रखा गया हैं। प्रातः कालीन कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से नेमीनाथ दिंगबर जैन मंदिर सेक्टर-3 में आयोजित होंगे।

शीतलनाथ जैन मन्दिर प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

बिजनेस रेमेडीज़/उदयपुर। आर्ची पीस पार्क जैन मंदिर वर्किंग कमेटी की ओर से आर्ची पीस पार्क में स्थापित किये गये शीतलनाथ जैन मन्दिर का प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न हुआ। महोत्सव के दौरान आयोजित की गयी आरती का लाभ समाजसेवी सुशील बांठिया, सरला बांठिया, विशाल,हर्षा, आशीष,ममता,सिद्धी, पुलकित, कुणाल, कार्तिक,रिद्धी एवं बांठिया परिवार ने लिया। प्रतिष्ठा के लाभार्थी तोरण विधि गजराज पर आसीन होकर मन्दिर पंहुचे। तत्पश्चात शांति स्नात्र पूजा की गई। कार्य म के दौरान विभिन्न प्रकार की बोलियां बोली गई।

महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ राजसखी मेला

बिजनेस रेमेडीज़/भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिले में आयोजित सात दिवसीय राजीविका राजसखी मेला 2025 का समापन हुआ। इस मेले का आयोजन महिला सशक्तिकरण, आजीविका संवर्द्धन और स्व-सहायता समूहों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से किया गया था। समापन समारोह में जिले के कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने इस आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त जिला कलैक्टर प्रतिभा देवठिया मौजूद रहीं। उनके साथ ही कोषाध्यक्ष टीना रोलानिया, लोक अभियोजक रघुनंदन सिंह कानावत, गोपाल डाड, भगवान सिंह राणावत, सुनील पारीक, स्वीटी लालवानी, जिला परियोजना प्रबंधक नागेंद्र तोलंबिया, प्रदेश अध्यक्ष कार्मिक संगठन अमित जोशी और जिला प्रबंधक राजीविका रामप्रसाद शर्मा भी समारोह में उपस्थित रहे। समापन दिवस पर विभिन्न खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें महिलाओं की भागीदारी उत्साहजनक रही। कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आसिंद और बदनोर की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के बीच खेला गया, जिसमें बदनोर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। इसके अलावा, संगीत कुर्सी प्रतियोगिता में दोनों ब्लॉकों की महिलाओं ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। सात दिनों तक चले इस मेले के दौरान आयोजित कबड्डी लीग, मटका दौड़, संगीत कुर्सी और अन्य प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया। संगीत कला केंद्र से कुमकुम तिवारी और अंशी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य की प्रस्तुति दी।

मेले के सफल आयोजन में राजीविका के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके अथक प्रयासों के कारण यह कार्य म सफल हो पाया। समापन समारोह में सभी कर्मचारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया और उनके योगदान की सराहना की गई। समारोह में विभिन्न वक्ताओं ने महिलाओं के उत्थान और उनके अधिकारों को लेकर अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि प्रतिभा देवठिया ने विभिन्न महिला योजनाओं की जानकारी दी और महिलाओं को इनका अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। लोक अभियोजक रघुनंदन सिंह कानावत ने महिला उत्पी?न और उसके रोकथाम से जु? कानूनों पर विस्तार से चर्चा की, जिससे महिलाओं में जागरूकता ब? सके। प्रदेश अध्यक्ष अमित जोशी ने राजीविका की भूमिका और इसकी महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह संगठन किस प्रकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। यह मेला महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्ति करण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हुआ। मेला संयोजक गोविन्द सिंह ने बताया कि इस मेले में 30 लाख से अधिक का व्यापार महिलाओं ने किया।

पारीक महिला प्रकोष्ठ जयपुर ने अपना घर आश्रम की महिलाओं के साथ खेली होली

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। राजा पार्क स्थित अपना घर आश्रम में पारीक महिला प्रकोष्ठ जयपुर की महिलाओं ने यहां रहने वाली विमंदित, अपने घर से बेगानी, और बीमार महिलाओं को खुशी तथा संगीत के साथ मानसिक शांति देने के उद्देश्य से पारीक महासभा जयपुरके अध्यक्ष के के पारीक के संरक्षण में फाग उत्सव का रंगारंग कार्यक्रम रखा।

महिला प्रकोष्ठ सचिव सुमन पारीक ने बताया अपना घर आश्रम सचिव अनुजा लालवानी और खुशबू की मौजूदगी में होली के गीतों के साथ यहां महिलाओं को नृत्य सिखाया गया और फूलों और अबीर, गुलाल के साथ होली खेली गई।

महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा कल्पना पुरोहित के अनुसार फाग के गीतों के साथ महिलाओं को खेल भी खिलाएं गए और हर्षोल्लास के साथ होली की पूर्व संध्या पर धमाल किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर सीमा जोशी, मिताली, प्रतिभा, प्रीति, बरखा शर्मा, नीलिमा, रतन, खुशबू, आरती, और समाज के गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे। रंगारंग कार्यक्रम का समापन आरती और प्रसादी के साथ हुआ।

होलिका दहन के साथ रंगों व मस्ती से सरोबार हुआ वंडर सीमेंट

बिजनेस रेमेडीज़/निम्बाहेड़ा। रंगोत्सव होली पर वंडर सीमेंट लिमिटेड, निम्बाहेड़ा में यूनिट हेड नितिन जैन एवं वंडर यूफोरिया लेडीज क्लब की अध्यक्षा अरुणा जैन द्वारा विधि-विधान के साथ होलिका दहन किया गया। इस दौरान जैन ने सांस्कृतिक विरासत के रंगोत्सव के त्यौहार पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए आने वाले दिनों में सभी के लिए अपार सफलता एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान आर.के.नगरवासियों ने संगीत की धुनों पर रंग, मस्ती एवं नृत्य के साथ होलिका दहन एवं धुलंडी का उत्सव मनाया।

धुलंडी के अवसर पर कंपनी के क्लब गार्डन में आयोजित उत्सव में यूनिट हेड सहित कम्पनी के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, कर्मचारीगण एवं पाटनी पब्लिक स्कूल स्टॉफतथा आर.के. नगर वासियों के लिए भव्य आयोजन रखे गए, जिसमें रस्सा कस्सी जैसे खेलों के साथ ही हास्य व्यंग्य के माहौल के बीच रंगो में सराबोर हो होली की शुभकामनाएं प्रेषित की। बच्चों ने भी इस अवसर पर विभिन्न खेलों, स्वादिष्ट व्यंजनों और ठंडाई का भरपूर आनंद लेते हुए होली खेली।

पांच दिवसीय योग साधना शिविर सम्पन्न

बिजनेस रेमेडीज़/उदयपुर। योग सेवा समिति उदयपुर द्वारा डॉ.सुन्दरलाल दक के आठवीं पुण्यतिथि पर समिति परिसर में पांच दिवसीय निःशुल्क योग साधना शिविर आयोजित किया गया।

समिति की संस्थापक-संचालक प्रेम दक ने बताया कि इस शिविर में योगाचार्या डॉ पलक जैन, अनिता पालीवाल, साधना दक, योगाचार्य प्रीतम सिंह चुण्डावत, गोपाल डांगी, देवाराम राजपुरोहित, सुरेश पालीवाल, विजय बहादुर यादव आप सब ने योगासन, प्राणायाम, ध्यान, मुद्रा, बन्ध व पंचकोश का अभ्यास करवाया। शिविर में बच्चें, युवा, महिला-पुरुष बुजुर्गों ने काफी संख्या में शिविर का लाभ ले कर इसे सफल बनाया। शिविर के अंतिम दिन डॉ.शांतिलाल मेहता द्वारा निःशुल्क शुगर और ब्लडप्रेशर की जाँच की गई।

हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा जावर माइंस में बुक फॉर फ्रेंड्स कार्यक्रम आयोजित

बिजनेस रेमेडीज़/उदयपुर। शिक्षा संबल कार्यक्रम के तहत जावर माइन्स में बुक फॉर फ्रेंड्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें तीन स्कूलों जीएसएसएस नेवतलाई, जीएसएसएस सिंघटवाड़ा और जीजीएसएसएस रामनगर के सौ से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम में छात्रों में न केवल किताबें पढ़ने बल्कि अपने दोस्तों के साथ किताबें साझा करने और एक साथ सीखने के लिए प्रोत्साहित करके उनमें पढ़ने की आदत डालने के उद्देश्य से गतिविधियां शामिल थीं।

कार्यक्रम में आईबीयू सीईओ जावर माइन्स राम मुरारी, डीईओ सलूंबर कमलेश पटेल, और सीबीईओ, झल्लारा परितोष शर्मा उपस्थित थे। राम मुरारी ने व्यक्तिगत और व्यावसायिक मोर्चों पर सफल होने के लिए अच्छे संचार कौशल के महत्व के बारे में जानकारी दी एवं कौशल विकास में पढ़ने की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस पहल के प्रति छात्रों का उत्साह शिक्षा संबल और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में हिन्दुस्तान ज़िंक के निरंतर प्रयासों का प्रतिबिंब है। कमलेश पटेल ने जावर माइंस क्षेत्र के आसपास के समुदाय के लिए शिक्षा संसाधनों में सुधार की दिशा में हिन्दुस्तान ज़िंक के प्रयासों की सराहना की, साथ ही बच्चों के शैक्षणिक और सामान्य विकास में सक्रिय पढ़ने के महत्व पर जोर दिया।

मुराद

है भगवन् मेरा सम्यक् ज्ञान वर्धमान हो मेरा मनोबल वर्धमान हो मेरी ईच्छा अच्छा समर्पण वर्धमान हो। मेरी कर्मनिर्णय वर्धमान हो मेरा गुणानुराग वर्धमान हो मेरा त्याग तप वर्धमान हो मेरा अनाश्क्त योग वर्धमान हो मेरा निस्पृह भाव वर्धमान हो मेरा क्षमाभाव वर्धमान हो मेरी अनुकंपा भाव वर्धमान हो मेरी करूणा दया वर्धमान हो मेरा वितराग भाव वर्धमान हो मेरा धर्मानुराग वर्धमान हो मेरा वितराग भाव वर्धमान हो मेरा धर्मानुराग वर्धमान हो कर्म विजय के क्षेत्र में मेरी हिम्मत हौसला वर्धमान हो आत्मा के हर क्षेत्र प्रदेश और शरीर के कण कण में नूर वर्धमान हो पलकें ऊपर उठे तो महसूस हो इन्हीं मंगलभावों के तानों-बानों से बना मजबूत मेरा प्यारा देश हिन्दुस्तान हो।

चिंतनशीला वसुमति जी मा.सा।

वर्ल्ड किडनी डे पर ऐश्वर्या कॉलेज में जागरूकता सत्र का आयोजन

बिजनेस रेमेडीज़/उदयपुर। ऐश्वर्या कॉलेज में वर्ल्ड किडनी डे के अवसर पर एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सनी मदार मौजूद थे।

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मदार आर्ट ऑफ लिविंग फैकल्टी सदस्य, बेटर इंडिया और ड्रग-फ्री इंडिया के सक्रिय स्वयंसेवक भी हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किडनी से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व को समझाया।

इस अवसर पर डॉ. मदार ने बताया कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, असंतुलित आहार और पानी की कमी जैसी समस्याएं किडनी रोगों का प्रमुख कारण बनती हैं। उन्होंने नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, भरपूर पानी पीने और तनाव प्रबंधन पर जोर देते हुए किडनी को स्वस्थ रखने के उपाय साझा किए। कार्यक्रम में एक प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। डॉ. मदार ने योग, ध्यान और मानसिक शांति को भी किडनी स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया और ड्रग-फ्री इंडिया अभियान के तहत युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

इस जागरूकता सत्र में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया और किडनी स्वास्थ्य को लेकर सरकारी योजनाओं और उपलब्ध संसाधनों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में, प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे न केवल अपनी बल्कि अपने परिवार और समाज की भी किडनी सेहत का ध्यान रखेंगे और इस विषय पर जागरूकता फैलाएंगे। इस सफल आयोजन ने किडनी स्वास्थ्य को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल समापन पर ऐश्वर्या कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रितु पालीवाल ने डॉ. सनी मदार को सम्मानित करते हुए उन्हें मोमेंटो भेंट किया और उनके बहुमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

आवश्यकता

बिजनेस रेमेडीज दैनिक समाचार पत्र को कोटा, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, पाली में खबरों एवं विज्ञापन कार्य हेतु प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें

बिजनेस रेमेडीज

217, सैंकड, फ्लोर, ओके प्लस टावर, मध्यम मार्ग, मानसरोवर, जयपुर- 302020

मोबाइल नंबर 9929106227

E-Mail remediesbusiness@gmail.com

businessremedies@yahoo.com

marketing@businessremedies.com

भारत में डील गतिविधि फरवरी में 14 प्रतिशत बढ़कर 3 वर्ष के उच्चतम स्तर पर रही

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली (आईएएनएस)।

भारत में आर्थिक गतिविधियों में तेजी देखने को मिल रही है। डील गतिविधियों की वॉल्यूम फरवरी में 14 प्रतिशत बढ़कर 3 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। ग्रांट थॉर्नटन भारत द्वारा एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, इस महीने में 7.2 बिलियन डॉलर की 226 विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) और निजी इक्विटी (पीई) डील हुई हैं, जो फरवरी 2024 की तुलना में वॉल्यूम में 67 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि और मूल्य में 5.4 गुना वृद्धि को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के डील लैंडस्केप में फरवरी में

मजबूत वृद्धि देखी गई, जिसमें आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) और योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) सहित 9.1 बिलियन डॉलर मूल्य की कुल 233 डील हुई हैं। भारतीय सार्वजनिक बाजारों में घटते विदेशी निवेश और बढ़ते व्यापार शुल्क सहित वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत में डील गतिविधियां मजबूत घरेलू मांग के कारण बेहतर रही हैं।

ग्रांट थॉर्नटन भारत में ग्रोथ पार्टनर, शांति विजेता ने कहा, 'जनवरी से फरवरी तक भारत में डील गतिविधियां मजबूत रही हैं और पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक मासिक डील वॉल्यूम दर्ज किए गए।' भारत में विलय एवं अधिग्रहण सेगमेंट में 85 डील हुई हैं, जो जनवरी से 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। घरेलू डील की संख्या अधिक रही जो 68 प्रतिशत वॉल्यूम और 78 प्रतिशत वैल्यू के लिए जिम्मेदार थे। इस महीने का शीर्ष सौदा ओएनजीसी एनटीपीसी ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अयाना रिन्यूएबल पावर प्राइवेट लिमिटेड में 2.3 बिलियन डॉलर में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण था। प्राइवेट इक्विटी लैंडस्केप में फरवरी में मजबूत वृद्धि देखी गई है और वॉल्यूम 9 प्रतिशत बढ़कर 141 डील पर पहुंच गई, जो कि जनवरी में 129 थी। वैल्यू 16 प्रतिशत बढ़कर 2.4 बिलियन डॉलर पर रही, जो कि पिछले महीने के आंकड़े 2.1 बिलियन डॉलर से अधिक है।

क्रांति इंडस्ट्रीज को कनाडा आधारित सीजीएल मैन्युफैक्चरिंग इंक से नए औद्योगिक मशीनरी पार्ट्स की आपूर्ति के लिए मिला निर्यात ऑर्डर

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। पूना आधारित आटोमोटिव कॉम्पोनेंट बनाने वाली कंपनी क्रांति इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी को नए औद्योगिक मशीनरी पार्ट्स (अल्टरनेटर हाउसिंग) के विकास और आपूर्ति के लिए कनाडा से नए ग्राहक सीजीएल मैन्युफैक्चरिंग इंक (एरो मशीन एंड फैब्रिकेशन ग्रुप) से क्रय आदेश संख्या P170692 के साथ नया निर्यात ऑर्डर प्राप्त हुआ है। ऑर्डर की कुल राशि 49718.00 डॉलर है। कंपनी को ऑर्डर के तहत 30 जून 2025 तक डिलीवरी करनी है।

कारोबारी गतिविधियां: विविध उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ, क्रांति इंडस्ट्रीज लिमिटेड अत्याधुनिक तकनीक पर काम करती है। कंपनी का अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा एक डिजिटल स्मार्ट फैक्ट्री में बदल रहा है।

यह उत्कृष्टता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कंपनी प्रबंधन को एक एंड-टू-एंड समाधान प्रदाता होने पर गर्व है, जो ऑटोमोटिव कॉम्पोनेंट्स की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए सटीक मशीनी कॉम्पोनेंट्स में विशेषज्ञता रखते हैं, जिसमें ऑटोमोटिव और इंजीनियरिंग दोनों उद्योगों के लिए ट्रांसमिशन, एक्सल, चेसिस, इंजन और अन्य शामिल हैं। कंपनी ट्रैक्टर, निर्माण उपकरण, ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए समाधान प्रदान करती है। कंपनी ने विश्व प्रसिद्ध मशीनिंग केंद्रों में निवेश किया है, जिसमें मल्टी-एक्सिस मशीनिंग सेंटर, सीएनसी टर्निंग, वर्टिकल बुर्ज लेथ, हॉरिजॉन्टल मशीनिंग सेंटर और वर्टिकल मशीनिंग सेंटर शामिल हैं। सटीक मशीनिंग में 40 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, क्रांति इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने परिचालन को समूह कंपनियों सहित 5 संयंत्रों तक विस्तारित किया है। कंपनी के पास 10,000 वर्ग मीटर से अधिक विनिर्माण इकाई है जो 80 उत्पादन मशीनों और 3 पूरी तरह सुसज्जित निरीक्षण सुविधाओं से सुसज्जित है।

ओमफर्न इंडिया लिमिटेड ने पीवीसी प्रोफाइल रैपिंग पेपर के उपयोग के साथ एक और डोर फ्रेम श्रेणी की घोषणा की और इसके लिए पहला ऑर्डर प्राप्त किया

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली। ओमफर्न इंडिया लिमिटेड ने पीवीसी प्रोफाइल रैपिंग पेपर के उपयोग के साथ एक और डोर फ्रेम श्रेणी की घोषणा की और इसके लिए पहला ऑर्डर प्राप्त किया। ओमफर्न इंडिया लिमिटेड ('ओमफर्न') भारत में प्री-फिनिश्ड वुडन डोर और मॉड्यूलर फर्नीचर के एक अग्रणी निर्माता और आपूर्तिकर्ता है। कंपनी ने उमरगांव में अपनी मौजूदा विनिर्माण सुविधा में पॉलिश या लेमिनेट के बजाय पीवीसी प्रोफाइल रैपिंग पेपर के उपयोग के साथ एक और डोर फ्रेम श्रेणी की घोषणा की है। प्रोफाइल रैपिंग पेपर का इस्तेमाल फ़र्नीचर, इंटीरियर डेकोर और निर्माण उद्योगों में सतह की वृद्धि और सुरक्षा के लिए व्यापक रूप से किया जाता है। इस नई उत्पादन लाइन के साथ, ओमफ़र्न का लक्ष्य दरवाज़े और दरवाज़े के फ्रेम उद्योग की ज़रूरतों के अनुरूप प्रीमियम, टिकाऊ और अनुकूलन योग्य समाधान पेश करना है। ओमफ़र्न को फैक्ट्री फिनिश प्री हंग इंजीनियरिंग वुड कम्पलीट डोर सेट के साथ मैचिंग डोर फ़्रेम की आपूर्ति का भी ऑर्डर मिला है। उक्त ऑर्डर को 24 जून, 2025 तक पूरा किया जाना है। ऑर्डर का मूल्य 1.98 करोड़ रुपये है। ओमफर्न इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि 'पीवीसी प्रोफाइल रैपिंग पेपर उत्पादन के साथ डोर फ्रेम की एक और श्रेणी का शुभारंभ हमारी कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जैसा कि हम अपने उत्पाद पोर्टफोलियो में विविधता लाना जारी रखते हैं, यह विस्तार हमें बाजार में एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करता है, जबकि हमारी पेशकश में श्रेष्ठता सुनिश्चित करता है। यह नई उत्पादन क्षमता विनिर्माण दक्षता को बढ़ाने, अपनी बाजार उपस्थिति को व्यापक बनाने और ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के कंपनी के दृष्टिकोण के अनुरूप है।'

वोलेर कार लिमिटेड ने टेलीपरफॉर्मेंस ग्लोबल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया नया सेवा अनुबंध

बिजनेस रेमेडीज। नई दिल्ली। कोलकाता आधारित वोलेर कार **लिमिटेड** भारत भर में कर्मचारी परिवहन सेवाओं (ईटीएस) की प्रदाता कंपनी है।

कंपनी ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी ने टेलीपरफॉर्मेंस ग्लोबल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड (बैंगलोर क्षेत्र) के साथ नया सेवा अनुबंध किया है। अपनी विस्तार रणनीति के हिस्से के रूप में, वोलेर कार लिमिटेड ने बैंगलोर में टेलीपरफॉर्मेंस ग्लोबल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए एक नए सेवा अनुबंध के साथ पहली बार दक्षिणी क्षेत्र में प्रवेश किया है। यह कंपनी की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि कंपनी अपने कर्मचारी परिवहन समाधानों को नए भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तारित कर रही है और बड़े कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए अपने सेवा नेटवर्क को मजबूत कर रही है। ये विकास कंपनी की सर्वश्रेष्ठ परिवहन सेवाएँ प्रदान करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जबकि कंपनी स्थायी विस्तार को बढ़ावा देने के लिए एसेट-लाइट बिजनेस मॉडल का लाभ उठा रही है।

कारोबारी गतिविधियां: वोलेर कार लिमिटेड मुख्य रूप से भारत के विभिन्न प्रमुख शहरों में मौजूद बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों और कॉर्पोरेट ग्राहकों को कर्मचारी परिवहन सेवाएं (ईटीएस) प्रदान करने में लगी हुई है। कंपनी के ईटीएस समाधान व्यापक घर-से-कार्यालय-से-घर परिवहन को कवर करते हैं, जो 24/7 ग्राहक सेवा, समर्पित स्थान टीमों और सत्यापित वाहनों और चालक-चालकों के बेड़े द्वारा समर्थित है।

कंपनी छोटी कारों, सेडान, एसयूवी, इलेक्ट्रिक वाहनों, बसों और टेम्पो ट्रैवलर्स सहित 2,500 से अधिक वाहनों के एक एकत्रित बेड़े का प्रबंधन करती है। कंपनी बड़े पैमाने पर एसेट-लाइट मॉडल पर काम करती है, जहां अधिकांश वाहन स्वामित्व के बजाय विक्रेताओं से प्राप्त होते हैं। यह रणनीति कंपनी को सीट के उपयोग को अनुकूलित करके और समग्र कर्मचारी गतिशीलता को बढ़ाकर राजस्व को अधिकतम करने की अनुमति देती है।

जीआर इंफ्राप्रोजेक्ट्स ने एनएचएआई से 4262.78 करोड़ रुपए का आगरा-ग्वालियर ग्रीनफील्ड रोड़ प्रोजेक्ट हासिल किया

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। देश की प्रमुख सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी जीआर इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी ने एनएचएआई से 4262.78 करोड़ रुपए का आगरा-ग्वालियर ग्रीनफील्ड रोड़ प्रोजेक्ट हासिल किया है। कंपनी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय) (भारत सरकार) द्वारा आमंत्रित निम्नलिखित निविदा के लिए 13 मार्च 2025 को वित्तीय बोली में चयनित बोलीदाता के रूप में उभरी है।

आगरा-ग्वालियर ग्रीनफील्ड रोड के निर्माण में

क) खंड-1: उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों में किमी 0+000 (आगरा जिले में देवरी गांव के पास) से शुरू होकर डिजाइन किमी 88+400 (ग्वालियर जिले में सुसेरा गांव के पास) तक 6 लेन के प्रवेश नियंत्रित आगरा-ग्वालियर ग्रीनफील्ड राजमार्ग का विकास।

ख) खंड-2: एनएच (ओ) योजना के तहत बीओटी (टोल) मोड से डीबीएफओटी पैटर्न पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों में एनएच-44 के मौजूदा आगरा-ग्वालियर खंड पर 1058.00 से 1148.00 (डिजाइन चेनेज 13.00 से 103.00) तक ओवरले/सुदृढ़ीकरण, अन्य सड़क सुरक्षा और बीओटी (टोल) सुधार कार्य शामिल हैं। ऑर्डर की अवधि नियत तिथि से 910 दिन है। ऑर्डर की राशि 4262.78 करोड़ रुपए है।

ओएमसी ने राजपूताना बायोडीजल को पूर्व में जारी निविदा रद्द की, नई निविदा में भाग लेगी कंपनी

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। जयपुर आधारित बायोडीजल निर्माण करने वाली कंपनी राजपूताना बायोडीजल लिमिटेड ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी को निविदा आवंटन के बावजूद, ओएमसी ने आज तक आवंटित मात्रा के विरुद्ध बायोडीजल की आपूर्ति के लिए खरीद आदेश (पीओ) जारी नहीं किया है। कंपनी को 13 मार्च, 2025 को ओएमसी से ईमेल के माध्यम से एक संचार प्राप्त हुआ है, जिसमें हमें सूचित किया गया है कि संदर्भ संख्या ओएमसी/ईओआई/ एनयूसीओ/बीडी/ ओसीटी24 (चक्र1), निविदा आईडी 2024_ एमकेटीएचओ_ 181149_1, दिनांक 17 अक्टूबर, 2024 के अंतर्गत संपूर्ण निविदा ओएमसी के आंतरिक प्रशासनिक कारणों से तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई है।

इसके अलावा ओएमसी ने बायो डीजल की आपूर्ति के लिए संदर्भ संख्या ओएमसी/ईओआई/ एनयूसीओ/बीडी/ मार्च25 (चक्र1) निविदा आईडी -2025_ एमकेटीएचओ_184206_1 के तहत दिनांक 13 मार्च 2025, अप्रैल 2025 से जुलाई 2025 की अवधि के लिए एक नई निविदा प्रकाशित की है। कंपनी प्रबंधन के अनुसार बोली लगाने की अंतिम तिथि 20 मार्च, 2025 है और कंपनी और सहायक कंपनी यानी निर्वाणराज एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड इस नई निविदा में भाग लेने का इरादा रखती है।

अग्नि ग्रीन पावर लिमिटेड को ज़ोरम ऊर्जा विकास एजेंसी, मिज़ोरम से 1.52 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिला

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। पश्चिम बंगाल आधारित अग्नि ग्रीन पावर लिमिटेड ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी को ज़ोरम ऊर्जा विकास एजेंसी (ZEDA), मिज़ोरम ने मिज़ोरम के विभिन्न भागों में सरकारी भवनों में मौजूदा ऑफ-ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्रों को 887 kWp की कुल क्षमता के साथ ऑन-ग्रिड सिस्टम में बदलने के लिए कार्य आदेश दिया है। अनुबंध के तहत काम के पूरे दायरे के लिए कुल अनुबंध मूल्य 152,29,009.00/- रुपये (एक करोड़ बावन लाख उनतीस हज़ार नौ रुपये) होगा। इस अनुबंध मूल्य में सभी कर और शुल्क शामिल हैं।

GLOBE INTERNATIONAL CARRIERS LTD.
Formerly known as Globe International Carriers Pvt. Ltd.

Regd. Office: 301-306, Prakash Deep complex, near Mayank Trade Centre, Station Road, jaipur- 302006
Tel: 0141-2361794, 2368794, 4083700 (10 lines)
Email: info@gicl.com | Website: www.gicl.co
CIN: L60232RJ2010PLC031380

CORRIGENDUM TO THE NOTICE OF THE EXTRAORDINARY GENERAL MEETING

An Extra Ordinary General Meeting("EGM") of the Shareholders of Globe International Carriers Limited ("The Company") is scheduled to be held on Wednesday, March 19, 2025, at 03:00 PM (IST) through Video Conferencing ("VC") / Other Audio Visual Means ("OAVM"). The Notice of the EGM (EGM Notice) dated February 19, 2025 was dispatched to the shareholders of the Company on February 25, 2025 in due compliance with the provisions of the Companies Act, 2013, and rules made thereunder, read with circulars issued by Ministry of Corporate Affairs and Securities Exchange Board of India.
This Corrigendum shall form an integral part of the EGM Notice and the same is circulated to the shareholders of the Company. Accordingly, all concerned shareholders, Stock Exchanges, Depositories, Registrar and Share Transfer Agent, agencies appointed for e-voting, other Authorities, regulators, and all other concerned persons are requested to take note of the above changes. All other content of EGM Notice and explanatory statement annexed thereto, save and except as mentioned in this corrigendum shall remain unchanged. On and from the date hereof, the Notice of the EGM shall always be read in conjunction with this Corrigendum.
The following information/amendment in the EGM Notice is hereby notified through this Corrigendum to all the shareholders of the Company
1. Para 1 and 2 of Resolution No. 2 of ACQUISITION OF 40,00,000 EQUITY SHARES OF M/S. GOVIND KRIPA INFRATECH PRIVATE LIMITED ("GKIT") shall be substituted and read as follows:

"RESOLVED THAT pursuant to the provisions of Sections 179(3) (j), 186 and other applicable provisions, if any, of the Companies Act, 2013 (the "Act") and rules made thereunder and in accordance with the provisions of the Memorandum and Articles of Association of the Company, and subject to such other approvals, sanctions, consents, and permissions as may be required from any statutory, regulatory, or governmental authority,, the consent of the Members of the Company be and is hereby accorded for the acquisition of 40,00,000 equity shares, representing 50% of the equity shareholding in M/s. Govind Kripa Infratech Private Limited ("GKIT") for a total purchase consideration of Rs. 27,22,40,047.30/- (Rupees Twenty-Seven Crore Twenty-Two Lakh and Forty Thousand Forty Seven and Thirty Paisa Only) at a price of Rs. 68.06/- (Rupees Sixty-Eight and Six Paise Only) per equity share.
RESOLVED FURTHER THAT in consideration of the above acquisition, the consent of the Company be and is hereby accorded for the issuance and allotment of up to 24,67,507 (Twenty-Four Lakh Sixty- Seven Thousand Five Hundred and Seven) fully paid-up equity shares of the Company having a face value of Rs.10/- (Rupees Ten Only) each at a price of Rs. 110.33 (Rupees One Hundred and Ten and thirty-Three Paise Only) per equity share, including a premium of Rs. 100.33/- per share, to the shareholders of GKIT by way of share swap, thereby discharging the entire purchase consideration for the acquisition of GKIT.
2. Changes in issue size and issue price of equity shares, of the Company on preferential basis for consideration other than cash (share swap)

As the Issue Price has been revised from Rs. 109.83 per Equity Share to Rs. 110.33 per Equity Share, therefore there is subsequent reduction in number of shares issued to Proposed Allottee from 24,78,740 Equity Shares to 24,67,507 Equity Shares.
In the Special Resolution' mentioned at item no. 3 of the Notice, the issue size has been reduced to 24,67,507 (Twenty-Four Lakh Sixty Seven Thousand Five Hundred and Seven) fully paid-up equity shares (hereinafter referred to as "Equity Shares")of the Company having face value of Rs. 10/- (Rupee Ten Only) each at a price of Rs. 110.33 (Rupees One Hundred Ten and Thirty -Three Paise Only) per equity share,(including a premium of Rs. 100.33/- per share), as determined in accordance with Chapter V of the SEBI ICDR Regulations, aggregating to Rs. 27,22,40,047.30/- (Rupees Twenty-Seven Crore Twenty-Two Lakh and Forty Thousand Forty Seven and Thirty Paisa Only) ("Purchase Consideration"),
3. Para 1 of Explanatory Statement of Item No. 2 in EGM Notice shall be substituted and read as follows

The Company proposes to acquire 40,00,000 equity shares of M/s Govind Kripa Infratech Private Limited ("GKIT"), representing 50% of its equity shareholding. The total purchase consideration for this acquisition is 27,22,40,047.30/- (Rupees Twenty-Seven Crore Twenty-Two Lakh and Forty Thousand Forty Seven and Thirty Paisa Only) at a price of Rs. 68.06/- (Rupees Sixty-Eight and Six Paise Only) per equity share. In consideration of this acquisition, the Company intends to issue and allot up to 24,67,507 (Twenty-Four Lakh Sixty Seven Thousand Five Hundred and Seven) fully paid-up equity shares of the Company, having a face value of Rs. 10/- (Rupees Ten Only) each at a price of Rs. 110.33/- (Rupees One Hundred Ten and Thirty-Three Paise Only) per equity share (including a premium of Rs. 100.33/- per share) per share, to the shareholders of GKIT by way of share swap. This issuance will discharge the entire purchase consideration for the acquisition of GKIT. Upon completion of this acquisition, GKIT will become an associate company of GICL.
4. Changes/Revision in Explanatory Statement of Item No. 03 (Pursuant to Provisions of Section 102 of the Companies Act, 2013 and SEBI Regulations:
1. The para 1 shall be substituted and read as :
The Board pursuant to its resolution dated February 19, 2025 had approved the acquisition of 40,00,000 Equity Shares representing 50.00% shareholding of the M/s Govind Kripa Infratech Private Limited ("GKIT"), against 24,67,507 fully paid-up equity shares of the Company. The Board of Directors of the Company shall allot 24,67,507 Equity shares to Surekha Agarwal (shareholder of Govind Kripa Infratech Private Limited ("GKIT") against the acquisition of 40,00,000 equity shares (i.e. 50.00% equity shares) of the said Company. By virtue of this, your Company will hold 40,00,000 Equity shares i.e., 50.00% shareholding of GKIT. As purchase consideration for the said acquisition, the Company has proposed to allot its equity shares to the shareholders of GKIT, being the payment towards the swap shares. For acquisition of the equity shares of target company, it is proposed to issue and allot equity shares of the Company on a preferential basis for consideration other than cash at a price of Rs. 110.33 (Rupees One Hundred Ten and Thirty-Three Paise Only) per equity share (including a premium of Rs. 100.33/- per share) to the Proposed Allottee for a consideration other than cash, which is not less than the floor price prescribed under Chapter V of the SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018 ("SEBI ICDR Regulations") on a preferential basis.
2. POINT NO. 2: "Particulars of the offer including the maximum number of specified securities to be issued" shall be read as

The Board, pursuant to its resolution dated February 19, 2025, has approved the proposed preferential issue of upto 24,67,507 Equity Shares at a price of Rs. 110.33/- (Rupees One Hundred Ten and Thirty-Three Paise Only) per equity share (including a premium of Rs. 100.33/- per share), for consideration other than cash, which is not less than the floor price prescribed under Chapter V of the SEBI ICDR Regulations, on a preferential basis.
3. POINT NO. 04: "Basis on which the price has been arrived at and justification for the price (including premium, if any)"

The Para 2, 3, 4, 5 and last para of the Point 4 shall be substituted and read as:
Further, the Articles of Association (AoA) of the Company states that the process on further issue of securities shall be determined by valuation report from a registered valuer. Further, the Proposed Preferential Issue is not expected to result in change in control, however, there s allotment of more than five per cent of the post issue fully diluted share capital of the issuer, to an allottee or to allottees acting in concert.
Further, as per regulation 163(3) of SEBI ICDR Regulations, 2018, specified securities may be issued on a preferential basis for consideration other than cash: Provided that consideration other than cash shall comprise only swap of shares pursuant to a valuation report by an independent registered valuer, which shall be submitted to the Stock Exchanges where the equity shares of the issuer are listed.
Considering that the proposed allotment is more than 5% of the post issue fully diluted Shares capital of the Company, to the allottees and allottees acting in concert, regulation 163(3) and as per AoA, it shall require a valuation report from an independent registered valuer and consider the same for determining the price. as per provisions of the Regulation 166A(1) of the SEBI ICDR Regulations, 2018. Further, there will be no change in control due to this preferential issue.
Accordingly, the company has obtained Valuation Report dated February 17, 2025 issued by Ms. Binal B. Darji, Independent Registered Valuer (IBBI/RV/02/2021/14321) having office at B/17, Kailash Nagar, Shankar Lane, Kandivali (West), Mumbai- 400067 in accordance with Regulation 165 & 166A of SEBI (Issue of Capital and Disclosures Requirement) Regulations 2018. The Valuation Report shall be available for inspection by the members and the same may be accessed on the Company's website at www.gicl.co/noticeoutcome.aspx.
Pursuant to the above, the minimum issue price determined in accordance with regulations 165, read with Regulation 166A of Chapter V of SEBI ICDR Regulations is Rs. 110.33/-.
4. POINT NO. 06: "Intent of the Promoters, Directors, Key Management Personnel or Senior Management of the Company to subscribe to the Preferential Offer" shall be read as

The following Promoters intend to participate and subscribe to the preferential offer:

Name of the Proposed Allottee	Category (Promoter/ Non - Promoter)	No. of securities to be allotted
Surekha Agrawal	Promoter and Whole Time Director	24,67,507

Except for the above, none of the directors, promoters, Key Managerial Personnel or senior Management intend to subscribe to the preferential issue.
5. POINT NO. 8: "Name of the proposed allottees of equity shares along with their PAN Number, class and percentage of post Preferential Issue capital that may be held by them" shall be read as
The details are as follows:

Sr. No	Name of the Proposed Allottee of Equity Shares	PAN card of allottees	Class (Promoter /Non- Promoter)	Pre-Issue Shareholding		Issue of Equity shares (Present Issue) (No.)	Post Issue Shareholding	
				No. of Shares	% of Share holding		No. of Shares	% of Share holding
1.	Surekha Agrawal	AARPA4904A	Promoter	15,00,000	6.02%	24,67,507	39,67,507	14.49%

6. POINT NO. 9: "The Shareholding pattern of the Company before and after the Preferential Issue" shall be read as under
The shareholding pattern of the Company before and after considering the preferential issues under this Notice is as under.

(Shareholding pattern of the Company before and after the Preferential Issue)

Sr No	Category	Pre-Issue Shareholding as on February 22, 2025)		Shareholding Post Preferential Issue of equity shares	
		No. of Equity Shares held	% to total share capital	No. of Shares held	% to total share capital
A	Promoter Group				
	Promoter and Promoter Group Holding				
1	Indian				
	Individual/HUF	13484000	54.11	15951507	58.24
	Body Corporate	1138500	4.57	1138500	4.16
	Sub-Total	14622500	58.68	17090007	62.40
2	Foreign Promoters				
	NRI	0	0	0	0
	Sub-Total - A (A1+A2)	14622500	58.68	17090007	62.40
B.	NON-PROMOTER HOLDING				
	1 Institutional Investors				
	Mutual Funds/ FPI/ AIF	0	0	0	0
	Financial Institutions / Banks	0	0	0	0
	Insurance Companies	0	0	0	0
	Central Government	00	0	0	0
	Sub-Total - B1	0	0	0	0
2	Non-Institutional Investors				
	Individuals	7122920	28.58	7122920	26.01
	Body Corporate	2805000	11.26	2805000	10.24
	Others	369080	1.48	369080	1.35
	Sub-Total - B2	10297000	41.32	10297000	37.60
	Total (B=B1+B2)	10297000	41.32	10297000	37.60
	GRAND TOTAL (A+B1+B2)	24919500	100	27387007	100

7. POINT NO. 11: "Change in control, if any, in the Company that would occur consequent to the preferential offer" shall be read as

There shall be no change in the management or control of the Company pursuant to the aforesaid issue and allotment of shares of the Company.
8. POINT NO. 16: "Justification for the allotment proposed to be made for consideration other than cash together with valuation report of the registered valuer" shall be read as

This acquisition, executed is a well-thought-out step toward diversifying Globe International's business operations beyond logistics and into the high-potential infrastructure and real estate sector.
By entering the real estate space, Globe International aims to leverage synergies between transportation and construction-two industries that go hand in hand. The company's expertise in logistics and supply chain management can add value to large-scale construction projects by ensuring efficient material movement and cost optimization. At the same time, real estate offers long-term stability and asset appreciation, strengthening the company's financial position and enhancing shareholder value.
This partnership also aligns with the company's long-term vision of sustainable growth, allowing it to tap into new revenue streams and mitigate risks associated with a single-sector focus.
The value of the Shares of GKIT and price of the Equity Shares of the Company have been determined taking into account Valuation Report dated February 17, 2025 issued by Ms. CA. Binal B. Darji, Independent Registered Valuer (IBBI/RV/02/2021/14321) having office at B/17, Kailash Nagar, Shankar Lane, Kandivali (West), Mumbai- 400067 in accordance with Regulation 165 & 166A of SEBI (Issue of Capital and Disclosures Requirement) Regulations 2018. The Company has considered the fair equity share swap ratio set out in the Valuation Report obtained from CA Binal B. Darji, for the purpose of determination of the number of equity shares to be issued to the Proposed Allottees, for consideration other than cash. The Valuation Report shall be available for inspection by the members and the same may be accessed on the Company's website at www.gicl.co/noticeoutcome.aspx.
Price determined as per provisions of the Regulation 164(1) of the SEBI ICDR Regulations (in case of frequently traded shares). - Rs.110.33/-
Price determined as per 90 trading days VWAP - Rs.78.12/-
Price determined as per 10- trading days VWAP - Rs.110.33/-
Price determined as per provisions of the Regulation 166A(1) of the SEBI ICDR Regulations: Rs.110.33/-
Price determined as per provisions of the Regulation 163(3) of the SEBI ICDR Regulations: Rs.110.33/-
Accordingly, the Equity Shares shall be issued at an issue price of Rs. 110.33/- (Rupees One Hundred Ten and Thirty-Three Paise Only) per equity share of the face value of Rs.10/- (Rupees Ten only) each (including a premium of Rs. 100.33/- per share), which is higher than the issue price as determined as per the SEBI ICDR Regulations.
9. The weblink for certificate from M/s. Mihen Halani & Associates, Practicing Company Secretary in Point No. 18 is www.gicl.co/noticeoutcome.aspx.
This Corrigendum to the EGM Notice shall form an integral part of the EGM Notice, which has already been circulated to the Shareholders of the Company and on and from the date hereof, the EGM Notice shall always be read in conjunction with this Corrigendum. This Corrigendum will be made available on website of the stock exchange i.e. NSE and on the website of the Company. All other contents of the EGM Notice, save and except as modified or supplemented by this Corrigendum, shall remain unchanged.

For Globe International Carriers Limited
Sd/-
Annu Sharma
Company Secretary
Membership No.: A52860

बिज़नेस रेमेडीज
वर्ष : 12 । अंक : 62

सम्पादकीय

बूटस्ट्रैपिंग बनाम वेंचर कैपिटलः कौन-सा बेहतर है?

हर उद्यमी को व्यवसाय शुरू करते समय एक महत्वपूर्ण निर्णय लेना होता है कि क्या वे अपने स्टार्टअप को खुद फंड करें या बाहरी निवेश प्राप्त करें? दोनों रास्तों के अपने फायदे और चुनौतियां होती हैं और सही विकल्प व्यवसाय के प्रकार, विकास की महत्वाकांक्षा और जोखिम उठाने की क्षमता पर निर्भर करता है।

बूटस्ट्रैपिंग, जिसमें व्यक्तिगत बचत या राजस्व से व्यवसाय को फंड किया जाता है, संस्थापकों को पूरा नियंत्रण बनाए रखने की अनुमति देता है। निवेशकों के दबाव के बिना, निर्णय दीर्घकालिक स्थिरता पर केंद्रित होते हैं, न कि तेजी से विस्तार पर। कई सफल कंपनियां,जैसे Mailchimp और Zoho, बाहरी फंडिंग के बिना फली-फूली हैं। हालांकि, बूटस्ट्रैपिंग के लिए वित्तीय अनुशासन की आवश्यकता होती है और यह पूंजी-गहन उद्योगों में विस्तार को सीमित कर सकता है।

वेंचर कैपिटल, दूसरी ओर स्टार्टअप्स को महत्वपूर्ण फंडिंग प्रदान करता है, जिससे तेजी से विस्तार, उत्पाद विकास और बाजार में पकड़ बनाने में मदद मिलती है। Uber और Airbnb जैसी कंपनियां वेंचर कैपिटल की बदौलत ही तेजी से आगे बढ़ीं। पर इस फंडिंग की एक कीमत होती है–स्वामित्व में कमी, निवेशकों की अपेक्षाएं और तेजी से बढ़ने का दबाव, जो कभी-कभी लाभप्रदता की कीमत पर होता है। टेक या बायोटेक जैसे उद्योगों में, जहां तेजी से बढ़ना जरूरी होता है, वेंचर कैपिटल आदर्श हो सकता है। वहीं, सेवाओं या विशिष्ट बाजारों में, बूटस्ट्रैपिंग स्थायी वृद्धि को बढ़ावा दे सकता है। आखिरकार, सबसे अच्छा तरीका संस्थापक की दृष्टि पर निर्भर करता है कि बाहरी निवेश के साथ तेजी से बढ़ना या पूर्ण नियंत्रण बनाए रखते हुए स्थिर गति से आगे बढ़ना। यह निर्णय सिर्फ पैसों का नहीं, बल्कि रणनीति, जोखिम सहनशीलता और दीर्घकालिक लक्ष्यों का भी होता है।

BR
सूचना

इस पृष्ठ पर प्रकाशित सभी विशेष लेख व्यक्तिगत सोच के आधार पर है।
-संपादक

हेडफोन-गेमिंग से बच्चों के बहरे होने का खतरा

ललित गर्ग

टेक्नोलॉजी विकास एवं उससे जुड़े नये-नये उपकरण आधुनिक जीवनशैली को भले ही बहुत आसान कर दिया हो लेकिन इसके अनियंत्रित उपयोग से भारी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्सर देखा जाता है कि जॉब करने वाले माता-पिता अपना टाइम बचाने एवं सुविधा के लिए बच्चों को छोटी उम्र में ही फोन और हेडफोन का उपयोग करने के लिए देते हैं। लेकिन ये उपकरण उनके बच्चों के लिए कितने नुकसानदायक एवं खतरनाक हैं इसका खुलासा नये-नये अध्ययनों से सामने आ रहा है, जो चिन्ताजनक एवं डरावना है। ऐसे ही एक अध्ययन में यह आशंका जतायी गयी है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है और वे बधिरता से ग्रस्त होते जा रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पिछले कई महीनों में बच्चों के कानों में दर्द, सुनने में परेशानी, बधिरता और संक्रमण की शिकायतें बहुत ज्यादा आ रही हैं। वहीं डॉक्टर्स का कहना है कि इन उपकरणों के उपयोग से कानों पर काफी ज्यादा जोर पड़ता है और घंटों तक तेज आवाज सुनने से सुनने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को सर्तक किया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों एवं युवाओं में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे एवं युवा जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं। पहले कम सुनने की समस्या दिखायी देती है और कालांतर में यह समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव ब? गया है कि बच्चे एवं युवा अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक विश्वव्यापी आसन्न गंभीर संकट को ही दर्शाता है, इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो बहरों की दुनिया बनने से रोकना मुश्किल हो जायेगा।

विज्ञान के अनुसार, हमारे कानों के सुनने की क्षमता निर्धारित है। हमारे कानों के लिए 40 से 60 डेसिबल सुनने की क्षमता निर्धारित की है जो सही है, लेकिन इससे ऊपर यानी 85 से 100 डेसिबल साउंड कानों के लिए खतरनाक है। यूं तो बहरापन उम्र के साथ आता है लेकिन पिछले कुछ दशकों में कम सुनाई देने यानी बहरेपन की समस्या तेजी से युवाओं और बच्चों को अपना शिकार बना रही है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जाहिर की है। युवाओं एवं बच्चों में बढ़ते मोबाइल एवं ईयरफोन के प्रचलन एवं तेज आवाज में गाने एवं संगीत सुनने की लत से पिछले कुछ सालों में बहरेपन का संकट बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों की बात करें तो पिछले दशकों में दुनिया में 3.4 करोड़ से अधिक बच्चों में कम सुनाई देने की क्षमता के केस सामने आए हैं। यह दुनिया की एक भयावह एवं चुनौतीपूर्ण समस्या की ओर बढ़ने का संकेत है, एक पूरी पीढ़ी के बहरे होने की चुनौती को खड़ा कर रहा है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में नित-नये आ रहे बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील ने बच्चों को मोबाइल-लेपटॉप-ईयरफोन का आदी बना दिया है। तेज आवाज का संगीत व तरह-तरह के कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय-समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए।

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि सामान्य तौर पर 60 साल के बाद लोगों में सुनने की क्षमता कम होने लगती है। लेकिन जिस तरह की जीवनशैली आज के युवा एवं बच्चे अपना रहे हैं, उससे कम उम्र में ही ये क्षमता कमजोर हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह ईयरफोन और हैडफोन को बताया जा रहा है। नए जमाने में हैडफोन और ईयरफोन भले ही काफी उपयोगी हों लेकिन इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से युवा एवं बच्चें बहरेपन के रिस्क में आ रहे हैं। माना जा रहा है कि जितने ज्यादा डेसिमल में हेडफोन यूज किया जाएगा, उतना ही ज्यादा कानों को नुकसान होगा। जिस तरह से आजकल के युवा एवं बच्चे हैडफोन और ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे उनके कान तेज आवाज के संपर्क में लगातार रहते हैं और इससे कान की नाजुक मांसपेशियों को नुकसान पहुंच रहा है एवं बेहरेपन की समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन, लेपटोप, हैडफोन और ईयरफोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां-बाप एवं शिक्षकों की नसीहतों एवं हिदायतों पर ध्यान कम ही देती है। ऐसे में स्कूल-कॉलेजों में शिक्षकों व सामाजिक अभियानों से जुड़े लोगों को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। सरकार भी इसके लिये जागरूक करें। विभिन्न सूचना माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को जागरूक करने के लिये मुहिम चलाने का कुछ लाभ जरूर मिल सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि हरदम कानों पर मोबाइल व ईयरफोन तथा बड्स आदि लगाना स्टेटस सिंबल बन गया। व्यक्ति खुद व्यस्त होने का दिखावा करता रहता है। वैसे भी महानगरों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके खतरों को लेकर समाज में जागरूकता के प्रचार-प्रसार की सख्त जरूरत होती है। बच्चों को लेकर अभिभावकों व शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनके लंबे जीवन पर बहरेपन का संकट मंडराने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। आधुनिक सुनने के उपकरणों एवं तेज आवाज से कान की नसों और हियरिंग सेल्स को नुकसान हो सकता है, जिससे बहरापन भी हो सकता है। एक समय था जब कम सुनाई देने की शिकायत बुजुर्ग किया करते थे, लेकिन बदलती जीवनशैली के कारण कम उम्र में भी लोगों में यह समस्या होने लगी है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से सुनने की क्षमता को बेहतर बनाया जा सकता है

मानव जीवन में सुनने की क्षमता का अक्षुण्ण रहना जीवन की परिपूर्णता का परिचायक है। इस सचाई को नहीं नकारा जा सकता कि श्रवण यानी सुनने की क्षमता जीवन को नया आकार देने, मानसिक दरिद्रता का निवारण करने तथा ऊंचे ध्येय की पूर्ति हेतु आगे बढ़ने की सही चाबी है। जैसे दवा रोग नाशक होती है, पर गलत दवा के सेवन से रोग घटने की अपेक्षा अधिक ब? जाता है, वैसे ही गलत जीवनशैली, गलत तरीको से जीने, गलत तरीके से सुनने की क्षमता का उपयोग करने, अनियंत्रित शोर-शराबे को सुनने से जीवन में विकृतियां एवं परेशानियां घुस जाती है और अनेक तरह के श्रवण रोगों का हमला होने लगता है। इसलिये सुनने की क्षमता का सम्यक् उपयोग जरूरी है। देखना और सुनना- ये दोनों ही जीवन-विकास एवं ज्ञान-वृद्धि के माध्यम है। पर सुनना अधिक शक्ति शाली साधन है, क्योंकि आंखों में जो दृश्य प्रतिबिम्बित होते हैं, वे तात्कालिक होते हैं। श्रवण-पथ से ही हम ज्ञान के साथ-साथ दीर्घकालिक अनुभवों को आत्मसात कर सकते हैं। इसलिये श्रवण-पथ या सुनने की क्षमता पर हो रहे हमलों को हम गंभीरता से ले अन्यथा सुनने की पंगुता हमारे जीवन का अभिशाप बन सकती है।

प्रोपर्टी

गुरुग्राम में घरों की रिकॉर्ड बिक्री, 1 लाख करोड़ के पार पहुंचा रियल्टी मार्केट

बिजनेस रेमेडीज़/नई दिल्ली। लक्जरी घरों की मांग में तेजी आने से वर्ष 2024 के दौरान देश के नौ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 6.73 लाख करोड़ रुपये हो गई।

रियल एस्टेट क्षेत्र की डेटा विश्लेषक फर्म प्रॉपइक्विटी की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में ग्रुरुग्राम में प्रॉपर्टी की रिकॉर्ड बिक्री हुई। एनसीआर के बड़े रियल्टी मार्केट गुरुग्राम में घरों की बिक्री एक साल पहले के 64,314 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 1,06,739 करोड़ रुपये हो गई।

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में कुल मिलाकर आवासीय संपत्तियों की बिक्री 63 प्रतिशत बढ़कर 1,53,000 करोड़ रुपये हो गई, जबकि 2023 में यह 94,143 करोड़ रुपये थी। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक और सीईओ समीर जसूजा ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में आवास का एवरेज सेलिंग प्राइस 12,469 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गया है। प्रॉपइक्विटी के आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में घरों की बिक्री पिछले साल 13 प्रतिशत बढ़कर 1.38 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो कैलेंडर वर्ष 2023 में 1.22 लाख करोड़ रुपये थी। ठाणे में बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 56,000 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 53,000 करोड़ रुपये थी। वहीं पुणे में आवास बिक्री 77,000 करोड़ रुपये से एक प्रतिशत गिरकर 76,000 करोड़ रुपये रह गई।

पिछले साल हैदराबाद में बिक्री 1.28 लाख करोड़ रुपये से 18 प्रतिशत घटकर 1.05 लाख करोड़ रुपये रह गई। बेंगलुरु में बिक्री 75,000 करोड़ रुपये से 13 प्रतिशत बढ़कर 85,000 करोड़ रुपये जबकि चेन्नई में 19,000 करोड़ रुपये से पांच प्रतिशत की वृद्धि के साथ 20,000 करोड़ रुपये हो गई। कोलकाता में आवास बिक्री वर्ष 2024 के दौरान 15 प्रतिशत बढ़कर 15,000 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 13,000 करोड़ रुपये थी।

रियल एस्टेट कंपनी अंतरिक्ष इंडिया के सीएमडी राकेश यादव ने बताया कि गुरुग्राम भारत का एक बड़ा कॉर्पोरेट हब बन चुका है। यहां गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल जैसी बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों के ऑफिस हैं। इसकी वजह से रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी की मांग काफी ज्यादा है। गुरुग्राम मेट्रो, हाइवे (NH-48), एयरपोर्ट से वेल कनेक्टेड है। द्वारका एक्सप्रेसवे और सोहना रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाते हैं। गुरुग्राम में वर्ल्ड-क्लास मॉल्स, इंटरनेशनल स्कूल, हॉस्पिटल, और रेस्टोरेंट्स हैं। वहीं, पॉपर्टी की कीमत लगातार बढ़ रही है। साथ ही रेंटल इनकम का अच्छा स्कोप है, खासकर आईटी प्रोफेशनल्सके लिए। इसलिए गुरुग्राम प्रॉपर्टी निवेशकों का पसंदीदा लोकेशन बन गया है।

ट्रिनिटी इंफ्राटेक के मैनेजिंग डायरेक्टर आदिल अल्ताफ ने कहा कि प्रॉपइक्विटी के अनुसार, गुरुग्राम हाउसिंग मार्केट में बिक्री में 66% की वृद्धि के साथ मजबूत मांग देखी जा रही है। शहर के रियल एस्टेट बाजार में 2024 में बड़ा उछाल आया है, जिसमें लग्जरी होम्स की बिक्री 66% बढ़कर लगभग 1.07 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यह वृद्धि शहर के रणनीतिक स्थान और द्वारका एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे जैसे चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास से प्रेरित है।

सदस्यता कूपन

(केवल डाक या ई-मेल से प्राप्त करने के लिए)

अवधि	अंक	सदस्यता शुल्क
1 वर्ष	358	1050

E-mail
remediesbusiness@gmail.com

नामः ....
पताः ....
..............................पिनकोड..............
फोनः.................. मो. ....
ड्राफ्ट/चैक का विवरणः ....
ई-मेलः ....

बिजनेस रेमेडीज प्राप्त करने के लिए सदस्यता शुल्क बैंक अकाउंट में जमा कराये या सदस्यता फार्म भरकर चैक/डीडी के साथ कार्यालय पर भिजवायें।
Bank Account:- Business Remedies
A/c No. 61233949765 **Bank Name: SBI**

पताः- 63/118, हीरा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020
फोनः- 9166611333, 9929106227

#साधारण डाक द्वारा बिजनेस रेमेडीज की डिलीवरी में अनियमितता होने पर बिजनेस रेमेडीज प्रबंधन जिम्मेदार नहीं होगा।

कोरियर सुविधा
कोरियर के द्वारा बिजनेस रेमेडीज मंगवाने पर अतिरिक्त शुल्क लगेगा।

राइजिंग राजस्थान एमओयू होल्डर्स को प्रत्यक्ष ही मिलेंगे रीको औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक भूखण्ड

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024' के संदर्भ में राज्य सरकार के साथ एमओयू निष्पादित करने वाले निवेशकों के लिए रीको द्वारा चिन्हित औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर औद्योगिक भूखंडों के प्रत्यक्ष आवंटन योजना जारी कर दी गई है। ऐसे उद्यमी जिन्होंने इस पॉलिसी के लागू होने की तिथि तक राज्य सरकार के साथ निवेश हेतु मैमोरेण्डम ऑफ अंडरस्टेडिंग (एमओयू) निष्पादित किया हो, वे इस योजना में आवेदन कर सकते हैं तथा ऑनलाइन आवेदन वाली दिनांक को, जिनकी राजस्थान के राजनिवेश पोर्टल पर भूमि आवंटन से संबंधित प्रार्थना (Request) लम्बित है।

योग्य आवेदक रीको की वेबसाईट www.riico.co.in, www.riico.rajasthan.gov.in या https://sso.rajasthan.gov.in या riicogis.rajasthan.gov.in/riic-ogiscitizen के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस योजना में 98 औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग 6936 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च, 2025 है तथा ई-लॉटरी दिनांक 3 अप्रैल, 2025 को प्रस्तावित है। इस योजना में 98 औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग 6936 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च, 2025 है तथा ई-लॉटरी दिनांक 3 अप्रैल, 2025 को प्रस्तावित है। राज्य सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 का आयोजन 9-11 दिसंबर 2024 को किया गया था। समिट में करीब 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू निष्पादित किए गए। समिट में 32 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए जिनमें डेनमार्क, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, मलेशिया, स्पेन, क्यूबा, वेनेजुएला, मोरक्को , अर्जेंटीना, ब्राजील, कोस्टा रिका, नेपाल, ओमान, पोलैंड और थाईलैंड शामिल रहे।

वर्ली प्रॉपर्टी मार्केट में हुई 4,862 करोड़ रुपये की अल्ट्रा-लग्जरी डील्स, कीमतें 30 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई/आईएएनएस। मुंबई के सबसे महंगे रियल एस्टेट हब में से एक वर्ली के प्रॉपर्टी मार्केट में लेनदेन और कीमतों में बीते दो वर्षों में मजबूत वृद्धि देखने को मिली। यह जानकारी गुरुवार को जारी की गई एक रिपोर्ट में दी गई।

एनारॉक की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो वर्षों में इस क्षेत्र में 4,862 करोड़ रुपये के अल्ट्रा-लग्जरी घरों के सौदे हुए हैं, जो एचएनआई (हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल) और निवेशकों के बीच इस क्षेत्र की बढ़ती मांग को दर्शाता है। वर्ली के रियल एस्टेट बाजार में

2022 और 2024 के बीच प्रॉपर्टी की कीमतें 30 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। इस इलाके में प्रति वर्ग फुट औसत कीमत अब 75,000 रुपये तक पहुंच गई है। वर्ली में लग्जरी घरों का प्राइस बैंड 6 करोड़ रुपये से 12 करोड़ रुपये के बीच है, जो उपलब्ध इन्वेंट्री का आधे से अधिक हिस्सा है। अल्ट्रा-लग्जरी घरों की मांग में वृद्धि जारी है और पिछले दो वर्षों में 40 करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले 30 मकानों के सौदे दर्ज किए गए हैं। 2024 में इस क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के घरों के लिए 10 लेनदेन हुए थे। 2023 में यह आंकड़ा 4 था। वर्ली का बढ़ता आकर्षण इसकी प्रमुख लोकेशन और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी), लोअर परेल और नरीमन पॉइंट जैसे प्रमुख बिजनेस हब से मजबूत कनेक्टिविटी है। बांद्रा-वर्ली सी लिंक, मुंबई कोस्टल रोड और आगामी मेट्रो लाइन-3 जैसे प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट इस क्षेत्र की पहुंच और बढ़ा रहे हैं, जिससे यह क्षेत्र निवेशकों और घर खरीदने वालों के लिए और भी अधिक आकर्षक बन रहा है।

वर्ली का कमर्शियल रियल एस्टेट मार्केट भी तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें 2025 और 2026 के बीच 2.98 मिलियन वर्ग फुट नया ऑफिस स्पेस जुड़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया कि इस क्षेत्र में किराया 170 रुपये से लेकर 280 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह तक है।

चांदी, क्रूड ऑयल, नैचुरल गैस, मेटल्स के वायदाओं में नरमी का माहौलः सोना वायदा में रु.189 की वृद्धि

मेंथा तेल में सुधारः कमोडिटी वायदाओं में रु.10485.59 करोड़ और कमोडिटी ऑप्शंस में रु.83753.81 करोड़ का टर्नओवरः सोना-चांदी के वायदाओं में रु. 6999.23 करोड़ का कारोबारः बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स फ्यूचर्स 20758 पॉइंट के स्तर पर

बिज़नेस रेमेडीज/मुंबई

देश के अग्रणी कमोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज एमसीएक्स पर कमोडिटी वायदा, ऑप्शंस और इंडेक्स फ्यूचर्स में रु.94240.49 करोड़ का टर्नओवर दर्ज हुआ। कमोडिटी वायदाओं में रु.10485.59 करोड़ का कारोबार हुआ, जबकि कमोडिटी ऑप्शंस में रु.83753.81 करोड़ का नॉशनल टर्नओवर हुआ। बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स मार्च वायदा 20758 पॉइंट के स्तर पर कारोबार हो रहा था। कमोडिटी ऑप्शंस में कुल प्रीमियम टर्नओवर रु.985.77 करोड़ का हुआ।

कीमती धातुओं में सोना-चांदी के वायदाओं में रु. 6999.23 करोड़ की खरीद बेच की गई। एमसीएक्स सोना अप्रैल वायदा सत्र के आरंभ में रु. 86816 के भाव पर खूलकर, रु.86896 के दिन के उच्च और रु.86521 के नीचले स्तर को छूकर, रु. 86686 के पिछ्ले बंद के सामने रु.189 या 0.22 फीसदी की तेजी के संग रु. 86875 प्रति 10 ग्राम हुआ। इनके अलावा गोल्ड-गिनी मार्च वायदा रु.208 या 0.3 फीसदी की बढ़त के साथ रु.70376 प्रति 8 ग्राम के भाव पर पहुंचा। जबकि गोल्ड-पेटल मार्च वायदा रु. 51 या 0.58 फीसदी की बढ़त के साथ रु.8824 प्रति 1 ग्राम के भाव से कारोबार हो रहा था। सोना-मिनी अप्रैल वायदा रु. 86746 पर खूलकर, रु. 86861 के दिन के उच्च और रु. 86530 के नीचले स्तर को छूकर, रु.171 या 0.2 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट रु.86832 प्रति 10 ग्राम पर आ गया। चांदी के वायदाओं में चांदी मई वायदा रु.99481 पर खूलकर, रु.99481 के दिन के उच्च और रु.98686 के नीचले स्तर को छूकर, रु. 99476 के पिछ्ले बंद के सामने रु.121 या 0.12 फीसदी औंधकर रु.99355 प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था। इनके अलावा चांदी-मिनी अप्रैल वायदा रु.125 या 0.13 फीसदी गिरकर रु. 99230 प्रति किलो बोला गया। जबकि चांदी-माइक्रो अप्रैल वायदा रु.113 या 0.11 फीसदी लुढ़ककर रु.99230 प्रति किलो हुआ।

मेटल वर्ग में रु. 1495.05 करोड़ के ट्रेड दर्ज हुए। तांबा मार्च वायदा रु.3.1 या 0.35 फीसदी गिरकर रु.895.4 प्रति किलो के भाव पर पहुंचा। जबकि जस्ता मार्च वायदा 90 पैसे या 0.32 फीसदी की नरमी के साथ रु.276.95 प्रति किलो के भाव से कारोबार हो रहा था। इसके सामने एल्यूमीनियम मार्च वायदा रु.2.15 या 0.81 फीसदी गिरकर रु.264.45 प्रति किलो हुआ। जबकि सीसा मार्च वायदा 10 पैसे या 0.05 फीसदी की नरमी के साथ रु. 183.45 प्रति किलो बोला गया। इन जिंसों के अलावा कारोबारियों ने एनर्जी सेगमेंट में रु. 2146.64 करोड़ के सौदे किए। एमसीएक्स क्रूड ऑयल मार्च वायदा सत्र के आरंभ में रु.5898 के भाव पर खूलकर, रु.5917 के दिन के उच्च और रु.5847 के नीचले स्तर को छूकर, रु.36 या 0.61 फीसदी गिरकर रु.5871 प्रति बैरल हुआ। जबकि क्रूड ऑयल-मिनी मार्च वायदा रु.36 या 0.61 फीसदी गिरकर रु.5870 प्रति बैरल के भाव पर पहुंचा। इनके अलावा नैचुरल गैस मार्च वायदा रु.354.9 पर खूलकर, रु. 359.9 के दिन के उच्च और रु.350.1 के नीचले स्तर को छूकर, रु.362.3 के पिछ्ले बंद के सामने रु.11.5 या 3.17 फीसदी लुढ़ककर रु. 350.8 प्रति एमएमबीटीयू पर आ गया। जबकि नैचुरल गैस-मिनी मार्च वायदा रु.11.5 या 3.17 फीसदी की गिरावट के साथ रु.350.8 प्रति एमएमबीटीयू के भाव पर पहुंचा। कृषि जिंसों में मेंथा ऑयल मार्च वायदा रु.952 पर खूलकर, 30 पैसे या 0.03 फीसदी के सुधार के साथ रु. 958 प्रति किलो पर आ गया।

कारोबार की दृष्टि से एमसीएक्स पर सोना के विभिन्न अनुबंधों में रु. 4642.89 करोड़ और चांदी के विभिन्न अनुबंधों में रु. 2356.34 करोड़ की खरीद बेच की गई। इसके अलावा तांबा के वायदाओं में रु. 930.25 करोड़, एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम-मिनी के वायदाओं में रु. 189.75 करोड़, सीसा और सीसा-मिनी के वायदाओं में रु. 19.20 करोड़, जस्ता और जस्ता-मिनी के वायदाओं में रु. 355.85 करोड़ का कारोबार हुआ। इन जिंसों के अलावा क्रूड ऑयल और क्रूड ऑयल-मिनी के वायदाओं में रु. 470.65 करोड़ के ट्रेड दर्ज हुए। जबकि नैचुरल गैस और नैचुरल गैस-मिनी के वायदाओं में रु. 1676.00 करोड़ का कारोबार हुआ। मेंथा ऑयल के वायदा में रु. 4.54 करोड़ की खरीद बेच की गई।

ओपन इंटरेस्ट सोना के वायदाओं में 19862 लोट, सोना-मिनी के वायदाओं में 28257 लोट, गोल्ड-गिनी के वायदाओं में 7706 लोट और गोल्ड-पेटल के वायदाओं में 109108 लोट के स्तर पर था। जबकि चांदी के वायदाओं में 23414 लोट, चांदी-मिनी के वायदाओं में 33281 लोट और चांदी-माइक्रो वायदाओं में 116174 लोट के स्तर पर था। क्रूड ऑयल के वायदाओं में 10346 लोट और नैचुरल गैस के वायदाओं में 18685 लोट के स्तर पर था। इंडेक्स फ्यूचर्स में बुलडेक्स मार्च वायदा 20705 पॉइंट पर खूलकर, 20766 के उच्च और 20705 के नीचले स्तर को छूकर, 53 पॉइंट बढ़कर 20758 पॉइंट के स्तर पर कारोबार हो रहा था।

कमोडिटी ऑप्शंस ऑन फ्यूचर्स में क्रूड ऑयल मार्च रु.5900 की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति बैरल रु. 26.6 की गिरावट के साथ रु. 47.7 हुआ। जबकि नैचुरल गैस मार्च रु.360 की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति एमएमबीटीयू रु.4.25 की गिरावट के साथ रु.12.4 हुआ।

सोना मार्च रु.88000 की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति 10 ग्राम रु.33.5 की बढ़त के साथ रु.463 हुआ। इसके सामने चांदी अप्रैल रु. 100000 की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो रु. 165 की गिरावट के साथ रु. 2864.5 हुआ। तांबा मार्च रु.900 की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो रु. 1.89 की गिरावट के साथ रु. 8.18 हुआ। जस्ता मार्च रु. 280 की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 27 पैसे की नरमी के साथ रु.1.7 हुआ। पुट ऑप्शंस में क्रूड ऑयल मार्च रु.5900 की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति बैरल रु.11.6 की बढ़त के साथ रु.82 हुआ।

गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन पर जल्द खुलेगा को-वर्किंग स्पेस 'मेट्रोडेस्क'

बिज़नेस रेमेडीज/ गाजियाबाद /आईएएनएस

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार नए कदम उठा रहा है। इसी क्रम में गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन पर एक अत्याधुनिक को-वर्किंग स्पेस 'मेट्रोडेस्क' खोलने की योजना बनाई गई है। यह अपनी तरह का पहला को-वर्किंग मॉडल होगा, जो शहरी ट्रांजिट स्पेस को व्यावसायिक हब में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन के कॉनकोर्स लेवल पर स्थित इस को-वर्किंग स्पेस में 42 ओपन वर्कस्टेशन, 11 निजी केबिन और 2 मीटिंग रूम होंगे, जिसमें एक समय में 42 व्यक्ति और 11 कंपनियां कार्य कर सकेंगी। यह हाई-स्पीड इंटरनेट, प्लग-एंड-प्ले वर्कस्टेशन और अत्याधुनिक तकनीकों से लैस होगा। बायोमेट्रिक एंट्री और डिजिटल की-कार्ड्स के माध्यम से स्मार्ट एक्सेस सुनिश्चित किया जाएगा।

गाजियाबाद-मेरठ मार्ग पर स्थित यह स्टेशन मेरठ तिराहा मोड़ और दिल्ली मेट्रो के शहीद स्थल नया बस अड्डा स्टेशन के पास होने के कारण भारी संख्या में यात्रियों को आकर्षित करता है। स्टेशन के अंदर स्थित होने से यह पेशेवरों के यात्रा समय को कम करेगा और उनकी उत्पादकता को बढ़ाएगा।

मेट्रोडेस्क में आरक्षण, मेंबरशिप प्रबंधन और कैशलेस लेनदेन के लिए एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म होगा। यह स्पेस इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) सेवाओं से लैस होगा, जिससे स्मार्ट लाइटिंग, जलवायु नियंत्रण और मीटिंग रूम की स्वचालित बुकिंग संभव होगी। इसके अलावा, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेटअप, वायरलेस स्क्रीन शेयरिंग और तकनीकी रूप से उन्नत विचार-विमर्श क्षेत्र भी उपलब्ध होंगे।

को-वर्किंग स्पेस पारंपरिक कार्यालयों की तुलना में किफायती और सुविधाजनक होते हैं। स्टार्टअप्स, छोटे व्यवसायों और रिमोट प्रोफेशनल्स के लिए यह एक उत्कृष्ट विकल्प साबित हो सकते हैं। कोविड महामारी के बाद को-वर्किंग स्पेस की मांग तेजी से बढ़ी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष देश के प्रमुख शहरों में 2.24 लाख को-वर्किंग सीटों की मांग देखी गई, जिनमें से 38,000 सीटें दिल्ली-एनसीआर में थीं। एनसीआरटीसी, यात्रियों की सुविधा के साथ-साथ गैर-किराया राजस्व बढ़ाने के लिए भी कार्य कर रहा है।

कॉन्टिनेंटल पेट्रोलियम्स के सीएमडी मदन लाल को सर्कुलर इकोनॉमी टास्क फोर्स में चुना गया

बिज़नेस रेमेडीज/जयपुर

कॉन्टिनेंटल पेट्रोलियम्स लिमिटेड ने बताया कि उनके सीएमडी मदन लाल खंडेलवाल को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (आरएसपीसीबी) द्वारा राजस्थान में सर्कुलर इकोनॉमी सुनिश्चित करने के लिए सुझाव देने हेतु गठित टास्क फोर्स के एक सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया है।

मदन लाल खंडेलवाल वर्तमान में पेट्रोलियम रिफाइनर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष भी हैं। कॉन्टिनेंटल पेट्रोलियम्स लिमिटेड देश में इंडस्ट्रियल लुब्रिकेंट्स और ग्रीस के अग्रणी निर्माताओं में से एक है। इस नियुक्ति पर मदन लाल खंडेलवाल ने कहा कि टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में हम राजस्थान में सर्कुलर इकोनॉमी को लागू करने से संबंधित प्रस्ताव रखेंगे और ऐक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉंसिबिलिटी (ईपीआर) ढांचे के तहत सर्कुलर इकोनॉमी सुनिश्चित करने के लिए अग्रगामी पहल करेंगे। आरएसपीसीबी द्वारा टास्क फोर्स का गठन देश में अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत ऐक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉंसिबिलिटी आधारित बाजार तंत्र के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। टास्क फोर्स को राज्य के लिए सर्कुलर इकोनॉमी हेतु समयसीमा के साथ रोडमैप पर विचार-विमर्श करना होगा और उसे 15 मई, 2025 तक राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष को प्रस्तुत करना होगा। टास्क फोर्स को राज्य में सर्कुलर इकोनॉमी व्यवस्था को सुविधाजनक बनाने के लिए कदम उठाने होंगे।

हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा संचालित जिंक कौशल केंद्रों ने 40 प्रतिशत महिलाओं सहित 7 हजार से अधिक ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण दिया

बिज़नेस रेमेडीज

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की प्रमुख कौशल विकास पहल जिंक कौशल केंद्र ने 40 प्रतिशत महिलाओं सहित 7 हजार से अधिक ग्रामीण युवाओं को बाजार-प्रासंगिक कौशल प्रदान कर प्रदेश और देश में सार्थक रोजगार प्राप्त करने में मदद की है। हाल के वर्षों में, यह पहल ग्रामीण समुदायों के युवाओं के जीवन को बदलने में उत्प्रेरक के रूप में उभरी है, जो ग्रामीण सशक्तिकरण और युवा विकास के लिए हिन्दुस्तान ज़िंक की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। यह पहल निहत्थे सुरक्षा सेवाओं, खुदरा बिक्री और विपणन, सहायक इलेक्ट्रिशियन, खाद्य और पेय सेवा, ग्राहक संबंध प्रबंधन और माइक्रोफाइनेंस सहित विभिन्न ट्रेडों में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करती है।

शहरी-ग्रामीण विभाजन को दूर कर, जिंक कौशल केंद्र स्थायी आजीविका के अवसर पैदा कर रहा है। इससे उम्मीदवारों को भीलवाड़ा, उदयपुर, अजमेर, साणंद, बैंगलोर, हैदराबाद और लोनावाला जैसे प्रमुख स्थानों पर रोजगार मिला है, जिसमें वेतन 14 हजार रुपये से 30 हजार रुपये प्रति माह है। दरीबा, आगुचा, कायड़, उदयपुर और जावर में हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा स्थापित जिंक कौशल केंद्र कौशल संवर्धन और रोजगार के लिए एक परिवर्तनकारी मंच के रूप में कार्य करता है। युवा बेरोजगारी के बढ़ते मुद्दे को

संबोधित करने के लिए डिजाइन किया गया कार्यक्रम आतिथ्य, माइक्रोफाइनेंस सेवाओं, व्यापार, पत्राचार, बिक्री और ग्राहक संबंध प्रबंधन और स्व-उद्यमिता में अल्पकालिक, गहन पाठ्यक्रम प्रदान करता है। वित्तीय संस्थानों और सरकारी निकायों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देकर प्रभावी रूप से पहल शिक्षा और रोजगार के बीच की दूरी को कम करता है। कार्यक्रम के लाभार्थियों में से एक ने पहल के प्रभाव को दर्शाते हुए कहा कि जिंक कौशल केंद्र में प्रशिक्षण ने न केवल मुझे तकनीकी कौशल से परिपूर्ण किया बल्कि मेरा आत्मविश्वास भी बढ़ाया। आज उदयपुर में इंदिरा आईवीएफ केंद्र में ग्राहक संबंध प्रबंधक के रूप में मुझे आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने और अपने परिवार की भलाई में योगदान करने पर गर्व है। कौशल विकास में अपने योगदान के लिए पहचाने जाने वाले हिन्दुस्तान ज़िंक के कौशल केंद्रों ने सरकारी अधिकारियों और उद्योग के अग्रणी प्रतिनिधियों से समान रूप से सराहना प्राप्त की है। नाबार्ड, यस फाउंडेशन, एएवीएएस फाइनेंसर्स और उदयपुर सीमेंट वर्क्स के साथ पहल के सहयोग ने इसकी पहुंच को मजबूत किया है, जिससे प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण की गुणवत्ता में वृद्धि हुई है। हिन्दुस्तान जिंज कुशल कार्यबल के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता जारी रखता हैं। यह कार्यक्र म आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त ग्रामीण भारत को बढ़ावा देने के कंपनी के दृष्टिकोण का प्रमाण है। कौशल विकास के साथ ही हिन्दुस्तान ज़िंक सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने, ग्रामीण महिलाओं और किसानों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर, स्वास्थ्य सेवा पहुंच, जल संरक्षण और स्वच्छता, युवा फुटबॉल प्रतिभाओं के बुनियादी स्तर के विकास एवं कला और संस्कृति, को बढ़ावा देने में अग्रणी है, जो लगभग 4 हजार गांवों में 20 लाख से अधिक लोगों को लाभान्वित कर रही है। भारत की शीर्ष 10 सीएसआर कंपनियों में शुमार, हिंदुस्तान जिंक की पहल, आत्मनिर्भर राजस्थान बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो समावेशिता, नवाचार और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देती है।

एसईए और सॉलिडरिडाड का भारत में सरसों और रेपसीड उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास लगातार जारी

बिज़नेस रेमेडीज/जयपुर

भारत को खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) और सॉलिडरिडाड ने भारत में सरसों और रेपसीड उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रयासों को जारी रखा है।

इस पहल का उद्देश्य किसानों के बीच फसल उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीक और अच्छे कृषि अभ्यासों को बढ़ावा देकर देश की खाद्य तेल की मांग और सप्लाई के अंतर को कम करना है। इस प्रयास के तहत, वर्तमान रबी सीजन में आईसीएआर-रेपसीड-सरसों अनुसंधान निदेशालय (आईसीएआर-डीआरएमआर) के तकनीकी सहयोग से इस वर्ष मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 2,000 सरसों मॉडल फार्म (एमएमएफ) स्थापित किए गए हैं। इस वर्ष, सरसों मॉडल फार्म का उद्देश्य आईसीएआर-डीआरएमआर द्वारा विकसित डीआरएमआर 1165-40 और आरएच 725 जैसे उच्च उपज वाली सरसों की किस्मों (एचवाईवी) के बीजों को बढ़ावा देना साथ ही कीट एवं रोग प्रबंधन में सुधार करना, जलवायु के अनुसार उत्पादन विधियों को बढ़ावा देना और फार्मर फील्ड स्कूलों (एफएफएस) के माध्यम से सहकर्मी शिक्षण विकसित करना है। वर्ष 2020-21 में शुरू किए गए सरसों मॉडल फार्म ने किसानों में उन्नत कृषि पद्धतियों और उत्पादकता दोनों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नतीजतन, भारत के सरसों उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो वर्ष 2020-21 में 86 लाख टन से ब?कर वर्ष 2023-24 में 120.9 लाख टन हो गई है। इस वर्ष, मध्य प्रदेश में 750, उत्तर प्रदेश में 350 और राजस्थान में 900 मॉडल फार्म विकसित किए गए है। यह मॉडल फार्मस नॉलेज हब्स के रूप में कार्य करते हुए अन्य किसानों को व्यापक कृषि ज्ञान देंगे। सरसों मॉडल फार्मों ने उपज में उल्लेखनीय सुधार प्रदर्शित किया है, किसानों की

पारंपरिक प्रथाओं और उन्नत प्रथाओं के बीच तुलना से 20 प्रतिशत से 25 प्रतिशत की औसत वृद्धि दिखाई देती है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024-25 में उपज में लगभग 24 प्रतिशत सुधार दर्ज किया गया है।

एसईए के अध्यक्ष संजीव के. अस्थाना ने परियोजना की सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह सरसों मॉडल फार्म परियोजना का 5वां वर्ष है और इस प्रयास ने सरसों उत्पादन को बढ़ाने एवं खाद्य तेलों के आयात पर भारत की निर्भरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में आवश्यक है। भारत के कुल खाद्य तेल उत्पादन में सरसों का योगदान 45 प्रतिशत है, इसलिए सरसों मॉडल फार्म परियोजना न केवल किसानों की क्षमता को ब?ाती है, बल्कि कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करती है, जिससे एक टिकाऊ, उच्च उपज वाला और जलवायु- अनूकूल सरसों की उपज सुनिश्चित होती है।

एसईए-रेप मस्टर्ड प्रमोशन काउंसिल के अध्यक्ष विजय डाटा ने कहा कि 'भारत का सरसों उत्पादन 2020-21 में 86.0 लाख टन से बढ़कर 2023-24 में 120.9 लाख टन हो गया है, सरसों मॉडल फार्म पहल ने इस वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य खेती के क्षेत्रों का विस्तार करना, सरसों के बीजों में तेल की मात्रा को 38 से 42 प्रतिशत तक बढ़ाना, तथा जैव उर्वरकों, कीटनाशकों के कम उपयोग और जलवायु अनुकूल कृषि जैसी स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना है। हम सरसों के मॉडल फार्म के लिए भारत सरकार के रेपसीड निदेशालय सरसों अनुसंधान केंद्र भरतपुर द्वारा प्रदान की गई तकनीकी ज्ञान एवं सहायता की सराहना करते हैं और हम संस्थान से निरंतर सहयोग और समर्थन की आशा करते हैं। हम इस तरह की पहल के बड़े पैमाने पर विस्तार के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डॉ. सुरेश मोटवानी, महाप्रबंधक एवं प्रमुख वेजिटेबल ऑयल, सॉलिडरिडाड ने बताया, कि सरसों मॉडल फार्म का किसानों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है, जिसमें डीआरएमआर 1165-40 और आरएच 725 जैसे उच्च उपज वाले सरसों के बीजों को अपनाना शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप अनुकूलित बीज दर और न्यूटरेंट एप्लीकेशन्स के माध्यम से पौधों की वृद्धि में सुधार हुआ है। लक्षित कीट प्रबंधन तकनीक के कारण कीटों के प्रकोप में कमी आई है, जबकि बेहतर एग्रोनॉमिक तकनीकों ने उच्च पैदावार और लाभप्रदता में योगदान दिया है। इस कार्यक्रम ने टिकाऊ सरसों की खेती में महिला किसानों की सक्रिय भागीदारी को भी बढ़ावा दिया है। इसके अतिरिक्त, कृषि चौपाल, सलाह और टोल-फ्री किसान हेल्पलाइन जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कृषि ज्ञान को बढ़ाया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि महत्वपूर्ण कृषि संबंधी जानकारी व्यापक कृषक समुदाय तक पहुँचे। एसईए के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. बी.वी. मेहता ने प्रोजेक्ट के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत की आयात पर निर्भरता कम करने के लिए रेपसीड और सरसों सबसे आशाजनक तिलहन फसलों में से हैं। बेहतर खेती तकनीकों पर विस्तार सेवाओं और किसान जागरूकता को मजबूत करना खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता हासिल करने और माननीय प्रधानमंत्री मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है।

उत्तर प्रदेश के हर ग्राम पंचायत में बन रहे आंगनबाड़ी केंद्र, अब तक 19 हजार तैयार

बिज़नेस रेमेडीज/ लखनऊ/आईएएनएस

उत्तर प्रदेश में मनरेगा योजना के तहत बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग और पंचायती राज विभाग के प्रयासों से राज्य के गांवों में आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण तेजी से हो रहा है। यह पहल राज्य में कुपोषण को दूर करने, महिला एवं बाल विकास को सशक्त बनाने और ग्रामीण स्तर पर मूलभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रदेश सरकार के आठ वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश के बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण से न केवल बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और पोषण की व्यवस्था सुनिश्चित हो रही है, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दे रहा है। गांवों में गुणवत्तापूर्ण आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कर बच्चों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। ग्राम्य विकास विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018-19 से अब तक मनरेगा योजना के तहत 19,000 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण पूरा हो चुका है। सरकार की प्रतिबद्धता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वित्त वर्ष 2024-25 में अब तक 3,020 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 9,448 केंद्र निर्माणाधीन हैं।

केंद्र सरकार की इस पहल से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के पोषण और शिक्षा को बढ़ावा मिला है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। निर्माण कार्यों में श्रमिकों को मनरेगा के तहत रोजगार दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति मिल रही है। आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण में सरकार ने गुणवत्ता और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। यह सुनिश्चित किया गया है कि कोई भी आंगनबाड़ी केंद्र नेशनल हाईवे के किनारे न बने, जिससे बच्चों की सुरक्षा बनी रहे। केंद्रों के निर्माण में पर्यावरणीय और संरचनात्मक मानकों का पालन किया जा रहा है, जिससे ये सुविधाएं लंबे समय तक उपयोगी बनी रहें। इसके अलावा, केंद्रों में बच्चों के खेलने की सुविधाएं, शौचालय और स्वच्छ पेयजल जैसी जरूरतों का भी समुचित ध्यान रखा जा रहा है।

भारत ने जिनेवा में आईएलओ बैठक में श्रम कल्याण और गुणवत्तापूर्ण नौकरियों को बढ़ावा देने पर रखी बात

बिज़नेस रमेडीज/ जिनेवा/आईएएनएस

भारत ने 10 से 20 मार्च तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की बैठक में दुनिया भर में श्रम कल्याण, गुणवत्तापूर्ण रोजगार और सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने के पक्ष में अपनी बात रखी। भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख मुद्दों पर श्रम कल्याण, सामाजिक न्याय और गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और साझा एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए भारत की उपलब्धियों, सीखों और दृष्टिकोणों को प्रदर्शित किया। सामाजिक सुरक्षा, जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण, जीवन-यापन योग्य वेतन, एआई और काम का भविष्य, और निष्पक्ष वैश्विक प्रवास भारत-आईएलओ सहयोग के प्रमुख क्षेत्र बनकर उभरे। आईएलओ की 353वीं गवर्निंग बॉडी मीटिंग में सरकारों, श्रमिकों और नियोक्ताओं के प्रतिनिधि वर्ल्ड ऑफ वर्क और आईएलओ के शासन से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए।

भारत ने इस वर्ष के अंत में कतर के दोहा में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में सामाजिक विकास के लिए द्वितीय विश्व शिखर सम्मेलन के आयोजन पर आईएलओ को अपना समर्थन दिया। बैठक में सामाजिक न्याय और विकास को बढ़ावा देने में भारत की प्रेरक प्रगति पर प्रकाश डाला गया। भारत ने अपने

सामाजिक सुरक्षा कवरेज को दोगुना कर 48.8 प्रतिशत कर दिया है, जिससे औसत वैश्विक सामाजिक सुरक्षा कवरेज में 5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इस संदर्भ में भारत के प्रमुख संस्थानों और योजनाओं जैसे ईपीएफओ (7.37 करोड़ योगदानकर्ता सदस्य), ईएसआईसी (14.4 करोड़ लाभार्थी), ई-श्रम पोर्टल (30.6 करोड़ रजिस्टर्ड असंगठित सदस्य), पीएम जन आरोग्य योजना (60 करोड़ लाभार्थी) और लक्षित पीडीएस (81.35 करोड़ लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा) के योगदान को स्वीकार किया गया।प्रवासी श्रमिकों के सबसे बड़े मूल देशों में से एक और सबसे अधिक धन प्रेषण प्राप्त करने वाले देश के रूप में भारत ने अच्छी तरह से प्रबंधित, कौशल-आधारित प्रवास मार्गों को बढ़ावा देने में वैश्विक सहयोग के लिए अपने समर्थन को दोहराया।आईएलओ से द्विपक्षीय श्रम प्रवास और सामाजिक सुरक्षा समझौतों के माध्यम से प्रवासी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए वैश्विक गति पैदा करने की दिशा में प्रयासों को बढ़ाने का आग्रह किया गया। भारत ने केमिकल्स और कचरे से होने वाले नुकसान से पृथ्वी को मुक्त रखने, श्रमिकों, समुदायों और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में लीडिंग रोल निभाने के अपने कमिटमेंट की भी पुष्टि की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने आईएलओ के महानिदेशक और वरिष्ठ विशेषज्ञों और भारत के लिए गहरी रुचि वाले श्रम और रोजगार मामलों पर अन्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय चर्चाएं भी कीं। सुमिता डावरा ने आईएलओ के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. होंगबो से मुलाकात की और उन्हें उनकी प्रमुख पहल ग्लोबल कोलिशन फॉर सोशल जस्टिस के लिए बधाई दी, जो सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक सहयोग के लिए एक मजबूत मंच के रूप में उभरा है। डीजी-आईएलओ ने गठबंधन के प्रमुख हस्तक्षेप 'स्थायी और समावेशी समाजों के लिए जिम्मेदार व्यवसाय' को आगे बढ़ाकर और पिछले महीने नई दिल्ली में पहली बार सामाजिक न्याय पर क्षेत्रीय संवाद का सफलतापूर्वक आयोजन कर वैश्विक गठबंधन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए भारत की सराहना की।

पेइचिंग में चीन, रूस और ईरान की बैठक में तीनों पक्षों ने अवैध एकतरफा प्रतिबंधों को समाप्त करने की अपील की

बिज़नेस रमेडीज/ बीजिंग/आईएएनएस

चीन ने ईरानी परमाणु मुद्दे पर चीन की राजधानी पेइचिंग में 14 मार्च की सुबह चीन-रूस-ईरान बैठक का आयोजन किया।

इस बैठक के बाद चीन के उप विदेश मंत्री मा जाओशू ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चीन-रूस-ईरान तीनों पक्षों ने सभी अवैध एकतरफा प्रतिबंधों को समाप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। संबंधित पक्षों को मौजूदा स्थिति के मूल कारणों को समाप्त करने के लिए प्रयास करना चाहिए। साथ ही उन्हें प्रतिबंध व दबाव डालने और बल प्रयोग की धमकी देने को छोड़ना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2231 और इसकी समय-सीमा के महत्व पर बल दिया। उन्होंने संबंधित पक्षों से स्थिति को तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाइयों से बचने और कूटनीतिक प्रयासों के लिए अनुकूल माहौल व परिस्थितियां बनाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

आयातित स्टील और एल्यूमीनियम पर अमेरिका के 25 प्रतिशत टैरिफ को चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने बताया एकतरफा कार्रवाई

बिज़नेस रमेडीज/ बीजिंग/आईएएनएस

अमेरिका द्वारा आयातित स्टील और एल्यूमीनियम पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की हालिया नीति के प्रभावी होने पर चीनी वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता हे योंगछ्यैन ने 13 मार्च को जवाब दिया कि चीन हमेशा से मानता रहा है कि अमेरिका की धारा 232 'राष्ट्रीय सुरक्षा' के नाम पर लागू की गई एकतरफा और संरक्षणवादी कार्रवाई है।

चीन कई अन्य देशों के साथ मिलकर इस कार्रवाई का कड़ा विरोध व्यक्त करता और अमेरिका से स्टील और एल्युमीनियम पर धारा 232 को जल्द से जल्द रद्द करने का आग्रह करता है। उसी दिन वाणिज्य मंत्रालय द्वारा आयोजित नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में, हे योंगछ्यैन ने कहा कि डब्ल्यूटीओ विवाद निपटान निकाय ने फैसला सुनाया है कि 301 टैरिफ और 232 टैरिफ दोनों बहुपक्षीय व्यापार नियमों का उल्लंघन करते हैं। इन टैरिफों से न तो तथाकथित ÷राष्ट्रीय सुरक्षा÷ को मदद मिलेगी और न ही अमेरिका के घरेलू उद्योगों को बचाया जा सकेगा। यह केवल अमेरिकी उपायों की एकतरफावाद, संरक्षणवाद और धौंस को उजागर करेगा।हे योंगछ्यैन ने कहा कि चीन अमेरिका के संबंधित विभाग के साथ संपर्क में है। चीन हमेशा इस बात की वकालत करता है कि चीन और अमेरिका को आर्थिक और व्यापारिक क्षेत्रों में मतभेदों और विवादों के प्रति सक्रिय सहयोग का रवैया अपनाना चाहिए, और समानतापूर्ण वार्ता से दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य समाधान तलाशना चाहिए।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन आज से भारत के दौरे पर

बिज़नेस रमेडीज/ ऑकलैंड/आईएएनएस

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन इस वीकेंड बतौर पीएम अपनी पहली भारत यात्रा पर वेलिंगटन से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। ऐसा माना जा रहा है कि उनके दौरे से भारत-न्यूजीलैंड के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती मिलेगी।

लक्सन 16-20 मार्च तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। उनके साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा, जिसमें मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, व्यवसायी, मीडिया और न्यूजीलैंड में भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य शामिल होंगे। ऑकलैंड में भारत के पूर्व मानद वाणिज्यदूत भव ढिल्लों ने दिए साक्षात्कार में कहा, कि यह लंबे समय के बाद न्यूजीलैंड के किसी प्रधानमंत्री की पहली भारत यात्रा है। नए प्रधानमंत्री ने चुनाव के दौरान पदभार संभालने से पहले ही कहा था कि वह भारत को पहली प्राथमिकता देंगे और पदभार संभालने के बाद वह भारत का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की भारत के साथ जुड़ने की बहुत इच्छा है, और यह सही भी है, क्योंकि भारत, अर्थव्यवस्था और भूराजनीति दोनों ही मामलों में एक वैश्विक शक्ति है। इसलिए, वर्तमान प्रधानमंत्री वास्तव में भारत के साथ सभी स्तरों पर जुड़ना चाहते हैं। सिर्फ व्यापार ही नहीं, बल्कि सभी स्तरों पर। ढिल्लों ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक यात्रा होगी, दोनों नेताओं के बीच एक बैठक होगी और इसके परिणामस्वरूप कुछ 'ऐतिहासिक परिणाम' सामने आएंगे। वह खुद भी भारतीय प्रवासी समुदाय के कई अन्य सदस्यों के साथ न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री के साथ होंगे। ढिल्लों ने कहा कि भारत आज वैश्विक मंच पर खड़ा है। भारत को किसी भी तरह से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। न्यूजीलैंड भी भारत के साथ जुड़ रहा है और भारत को उसका उचित सम्मान और ध्यान दे रहा है। इसलिए शिक्षा, खेल, रक्षा और कई अन्य चीज़ों के बारे में कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। जब हम वहां होंगे तो न्यूजीलैंड नौसेना का एक जहाज भी मुंबई में डॉक किया जाएगा।÷ न्यूजीलैंड, जो डेयरी फार्मिंग में दुनिया में अग्रणी बना हुआ है, भारत के साथ अपनी कृषि और बागवानी तकनीक में प्रगति को साझा करने के लिए भी उत्सुक है। प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार विजेता ढिल्लों ने कहा, ÷भारत में अच्छी कृषि और बागवानी तकनीक की बहुत मांग है। न्यूजीलैंड भारत के साथ सहयोग करने और भारत में बड़ी, कृषि-आधारित आबादी की मदद करने के लिए तैयार है। यह प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप भी है, जो वास्तव में देश में किसानों को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड की मौजूदा सरकार न केवल भारतीय बाजार में सामान लाना और बेचना चाहती है, बल्कि कई क्षेत्रों में नई दिल्ली के साथ जुड़ना चाहती है।

टाटा एआईए ने अपनी यूलिप ऑफरिंग में बेंचमार्क से बेहतर फंड प्रदर्शन दिया

बिज़नेस रेमेडीज/नई दिल्ली

टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स ने अपने यूनिट लिंक्ड इन्शुरन्स प्लान (यूलिप) के जरिए फंड प्रदर्शन में बेंचमार्क स्थापित करना जारी रखा है। कंपनी के फंड ने बाजार बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे पॉलिसीधारकों को दीर्घकालिक विकास और जीवन बीमा सुरक्षा का आदर्श मिलाप मिलता है।

फंड बेंचमार्क : मल्टी कैप फंड, इंडिया कंजम्पशन फंड, टॉप 200 फंडः एसएंडपी बीएसई 200।

फंड शुरू होने की तारीखें : टॉप 200 फंडः 12 जनवरी 2009, मल्टी कैप फंड : 5 अक्टूबर 2015, इंडिया कंजम्पशन फंड : 5 अक्टूबर 2015।

टाटा एआईए ने निवेश-लिंक्ड योजनाओं में अपनी क्षमता स्थापित की है, और बेंचमार्क से बेहतर फंड प्रदर्शन लगातार किया है। विश्व स्तर पर प्रसिद्ध रेटिंग एजेंसी मॉर्निंगस्टार ने कंपनी के 99.93 प्रतिशत फंड एयूएम को 4 या 5 स्टार (5-वर्ष के आधार पर) रेटिंग दिया है। उद्योग औसत से यह बहुत अधिक है, जिसमें 30त्न से कम फंड एयूएम को 4 या 5 स्टार रेटिंग दिया गया है।

टाटा एआईए की ऑफरिंग पॉलिसीधारकों को बेहतरीन वृद्धि देने वाले इक्विटी अवसरों तक पहुंच प्रदान करती है, जिनमें जीवन और स्वास्थ्य बीमा के बहुत अच्छे लाभ मिलते हैं। फंड बढ़िया प्रदर्शन वाले शेयरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो सभी मार्केट कैप में जोखिम और रिटर्न का संतुलन प्रदान करते हैं।टाटा एआईए के ईवीपी और सीआईओ हर्षद पाटील ने कहा कि टाटा एआईए लाइफ के निवेश उद्देश्य के अनुरूप, हम बेहतर, सुसंगत और जोखिम-समायोजित दीर्घकालिक रिटर्न देने का प्रयास करते हैं। एक स्थापित शोध प्रक्रिया के आधार पर, हम स्टॉक चुनने के लिए बॉटम-अप दृष्टिकोण का पालन करते हैं। ऐसा करके, हम अपने पोर्टफोलियो में उत्कृष्ट फंड प्रदर्शन देने में सक्षम हैं।

पॉलिसीधारकों के लाभों पर लगातार ध्यान केंद्रित करते हुए, टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स बेंचमार्कसे बेहतर रिटर्न लगातार देकर और अपने एकीकृत यूलिप ऑफ़रिंग के जरिए जीवन बीमा को फिर से परिभाषित करके अग्रणी बना हुआ है।

28 फरवरी 2025 तक, टाटा एआईए ने अपने एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) को लक्षणीय मात्रा में बढ़ाकर 114,905 करोड़ रुपये कर दिया है, जो कि सालाना आधार पर 19.70 प्रतिशत की वृद्धि है। मजबूत इंडीविज्युअल न्यू बिजनेस प्रीमियम आय और असाधारण निवेश प्रदर्शन के कारण संभव हुआ है।

इंडसइंड बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है और जमाकर्ताओं के लिए चिंता की कोई बात नहीं : आरबीआई

बिज़नेस रेमेडीज/मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इंडसइंड बैंक को लेकर पिछले कुछ दिनों से जारी अनिश्चितताओं के बीच बैंक के ग्राहकों को उसकी वित्तीय स्थिति के बारे में आश्वस्त किया है। केंद्रीय बैंक ने पुष्टि की कि इंडसइंड बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है और जमाकर्ताओं के लिए चिंता की कोई बात नहीं है।

केंद्रीय बैंक ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा, कि इस समय जमाकर्ताओं को अटकलों पर प्रतिक्रिया करने की कोई जरूरत नहीं है। उसने कहा कि बैंक की वित्तीय स्थिति स्थिर बनी हुई है और रिजर्व बैंक इस पर कड़ी निगरानी रख रहा है।

आरबीआई के अनुसार, 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही में इंडसइंड बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.46 प्रतिशत और प्रोविजन कवरेज अनुपात (पीएआर) 70.20 प्रतिशत दर्ज किया गया।

बैंक ने 9 मार्च 2025 तक 113 प्रतिशत का तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर) भी बनाए रखा, जो 100 प्रतिशत की नियामक जरूरत से काफी ऊपर है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि ये आंकड़े संकेत देते हैं कि बैंक अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए वित्तीय रूप से मजबूत है। आरबीआई ने आगे कहा कि इंडसइंड बैंक ने अपने सिस्टम की समीक्षा करने और हाल के घटनाक्रमों के प्रभावों का आकलन करने के लिए एक बाहरी ऑडिट टीम को नियुक्त किया है। बैंक के बोर्ड और प्रबंधन को चालू तिमाही (वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही) के भीतर सुधार से जुड़े सभी कार्यों को पूरा करने और हितधारकों को उचित खुलासे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। आरबीआई ने अपने बयान में इस बात पर जोर दिया कि जमाकर्ताओं को काल्पनिक रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए, क्योंकि बैंक की वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है और इसकी कड़ी निगरानी की जा रही है। केंद्रीय बैंक ने वित्तीय अनिश्चितताओं के दौरान जमाकर्ताओं की सुरक्षा में अपने मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड पर भी प्रकाश डाला। इंडसइंड बैंक की मौजूदा स्थिति कोई बड़ा संकट नहीं बल्कि एक अकाउंटिंग विसंगति है। इस सप्ताह की शुरुआत में, बैंक ने खुलासा किया था कि उसने अपने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में विसंगतियों की पहचान की है।

सेबी कर्मचारी मूल्यांकन से डिजिटल परफोर्मेंस ट्रैकिंग को हटाएगा

बिज़नेस रेमेडीज/ नई दिल्ली/आईएएनएस

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कर्मचारी मूल्यांकन (अप्रेजल) से अपने डिजिटल मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम के लिंकेज को हटाने का फैसला किया है। एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के अनुसार, नियामक अब अधिक संतुलित दृष्टिकोण लाने के लिए अपने परफॉर्मेंस रिव्यू के तरीकों का दोबारा मूल्यांकन कर रहा है।

इन बदलावों को लेकर एक इंटरनल सर्कुलर जारी किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सेबी अपने रिव्यू प्रोसेस को संशोधित करने पर काम कर रहा है, लेकिन यह पुराने तरीकों को पूरी तरह से खत्म नहीं करेगा, बल्कि सुधार के लिए उनका दोबारा मूल्यांकन करेगा।

'की रिस्पॉन्सिबिलिटी एरिया' (केआरए) का कॉन्सेप्ट 20 से अधिक वर्षों से बीएसईबी के सिस्टम का हिस्सा रहा है। हालांकि नियामक अब परफॉर्मेंस आकलन को पहले से अधिक प्रभावी बनाने पर विचार कर रहा है। पहले, सेबी कर्मचारियों के प्रदर्शन मूल्यांकन डिजिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एमआईएस) से काफी प्रभावित थे। इस सिस्टम ने प्राप्त लक्ष्यों और सक्सेस रेट को ट्रैक किया, जिसने करियर की प्रगति को लेकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि, इस अप्रोच ने चिंता पैदा की क्योंकि कुछ विभागों को लगा कि उनके काम को न्यूमेरिक टारगेट के जरिए सही ढंग से नहीं दर्शाया गया था। अब, नए सेबी अध्यक्ष तुहिन कांता पांडे की लीडरशिप में इस अप्रोच में बदलाव आया है। रिपोर्ट के अनुसार, कठोर परफॉर्मेंस माप पर कम जोर देने के साथ, ध्यान अब क्वांटिटी की जगह क्वालिटी की ओर चला गया है। रिपोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि अध्यक्ष पांडे अपनी चिंताओं को दूर करने के लिए विभागों के कर्मचारियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहे हैं। इस बीच, बाजार ने राइट्स इश्यू को पूरा करने की समयसीमा को 126 दिनों से घटाकर सिर्फ 23 दिन कर दिया है। नए नियम 7 अप्रैल से लागू होंगे, जिससे कंपनियां तेजी से पूंजी जुटा सकेंगी। 12 मार्च को एक सर्कुलर में सेबी ने राइट्स इश्यू में स्पेसिफिक इन्वेस्टर्स को शेयर अलोट करने में फ्लेक्सिबिलिटी की सुविधा दी है। संशोधित ढांचे के तहत, राइट्स इश्यू को अब कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा मंजूरी देने की तारीख से 23 कार्य दिवसों के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। बाजार नियामक के अनुसार, कंपनियों को राइट्स इश्यू को कम से कम सात दिन और अधिकतम 30 दिन तक खुला रखना होगा।

आरबीआई ने जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड पर जुर्माना लगाया

बिज़नेस रेमेडीज/ नई दिल्ली/आईएएनएस

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड पर गैर-अनुपालन के लिए 3.10 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना केंद्रीय बैंक द्वारा जारी 'मास्टर डायरेक्शन - नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी - सिस्टेमैटिकली इम्पोर्टेंट नॉन-डिपॉजिट टेकिंग कंपनी एंड डिपॉजिट टेकिंग कंपनी (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2016' के कुछ प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने के लिए लगाया गया है।

आरबीआई ने 31 मार्च, 2023 तक कंपनी की वित्तीय स्थिति को लेकर कंपनी का वैधानिक निरीक्षण किया।

आरबीआई ने कहा, कि आरबीआई के निर्देशों का अनुपालन न करने और इस संबंध में पर्यवेक्षी निष्कर्षों के आधार पर, कंपनी को एक नोटिस जारी किया गया था, जिसमें कंपनी को कारण बताने की सलाह दी गई थी कि निर्देशों का अनुपालन न करने के लिए कंपनी पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। नोटिस पर कंपनी के जवाब, अतिरिक्त सबमिशन और व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत सबमिशन पर विचार करने के बाद, केंद्रीय बैंक ने पाया कि कंपनी के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप सही साबित हुए, जिसके लिए मौद्रिक दंड लगाया जाना उचित है।

बैंक ने कहा कि यह कार्रवाई विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य कंपनी द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर निर्णय लेना नहीं है। इसके अलावा, इस मौद्रिक दंड को लागू करना आरबीआई द्वारा कंपनी के खिलाफ शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना है। इस बीच, आरबीआई ने क्रेडट इंफॉर्मेशन कंपनीज (रेगुलेशन) एक्ट, 2005 सीआईसी (आर) एक्ट और क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनीज रूल्स, 2006 [सीआईसी रूल्स के कुछ प्रावधानों का अनुपालन न करने के लिए एक्सपेरियन क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनी ऑफ इंडिया पर 2 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया। नोटिस पर कंपनी के जवाब और व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान कंपनी द्वारा दिए गए मौखिक सबमिशन पर विचार करने के बाद, आरबीआई ने पाया कि कंपनी ने अनुरोध प्राप्त होने की तारीख से सातवें दिन तक क्रेडिट संस्थानों को क्रेडिट जानकारी के संबंध में विसंगति के बारे में सूचना नहीं भेजी।

आरबीआई के अनुसार, कंपनी ने न तो क्रेडिट जानकारी को अपडेट/संशोधित किया और न ही उधारकर्ताओं को अपडेट/संशोधन के लिए अनुरोध प्राप्त होने की निर्धारित 30 दिनों की अवधि के भीतर ऐसा करने में अपनी असमर्थता के बारे में सूचित किया।

श्रीनगर भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक

श्रीनगर एक ओर जहां डल झील के लिए प्रसिद्ध है तो दूसरी ओर विभिन्न मंदिरों के लिए भी प्रसिद्ध है। 1700 मीटर ऊंचाई पर बसा यह नगर विशेष रूप से झीलों और हाऊसबोट के लिए जाना जाता है

बिज़नेस रेमेडीज/श्रीनगर

श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर की राजधानी तो है ही, भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से भी एक है। श्रीनगर एक ओर जहां डल झील के लिए प्रसिद्ध है तो दूसरी ओर विभिन्न मंदिरों के लिए भी प्रसिद्ध है। 1700 मीटर ऊंचाई पर बसा यह नगर विशेष रूप से झीलों और हाऊसबोट के लिए जाना जाता है।

जानकारी के अनुसार श्रीनगर में ही हज़रत बल मस्जिद है जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां हजरत मुहम्मद की दाढ़ी का एक बाल रखा है। यहीं शंकराचार्य पर्वत है जहां विख्यात हिन्दू धर्मसुधारक और अद्वैत वेदान्त के प्रतिपादक आदि शंकराचार्य सर्वज्ञानपीठ के आसन पर विराजमान हुए थे।

गुलमर्ग : गुलमर्ग भी जम्मू और कश्मीर का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है और देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। फूलों के प्रदेश के नाम से मशहूर गुलमर्ग रामूला जिले में स्थित है। यहां के हरे भरे ढलान लोगों को खासा आकर्षित करते हैं। यह स्थान समुद्र तल से करीब 2730 मी. की ऊँचाई पर बसा है।

सोनमर्ग : सोनमर्ग या सोनामर्ग जम्मू व कश्मीर राज्य के गान्दरबल जिले में 3000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह सिन्द नाले नाम की एक नदी की घाटी में बना है। सोनमर्ग के आगे ऊंचे पर्वत और कई प्रसिद्ध हिमानियां जिन्हें ग्लेशियर कहते हैं मौजूद हैं। यहां से पूर्व लद्दाख़ जाने का रास्ता भी निकलता है।

पहलगांम : कश्मीर का पहलगाम पवित्र अमरनाथ यात्रा का बेस कैंप होने के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। साथ ही ये कश्मीर घाटी के सबसे खूबसूरत प्राकृतिक स्थलों में से एक है। नेचर से प्यार करने वालों के लिए यहां पर तेज बहती पहाड़ी नदी, बर्फ से ढके पहाड़, शुद्ध और प्रदुषण मुक्त वातावरण, शानदार नदी घाटी, सुन्दर बगीचे, घने जंगल, और रोमांचक ट्रैकिंग रूट सब मौजूद है।

एरु वैली : एरु वैली जम्मू और कश्मीर, भारत के अनंतनाग जिले में एक फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। यह पहलगाम से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। लिडर नदी से 11 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित इस घाटी के सुंदर घास के मैदान, झीलें और पहाड़ लोगों को अपनी ओर खीचते ही हैं, इसके साथ ही ये प्रसिद्ध कोल्हियो ग्लेशियर और तारार झील के पास ट्रेकिंग के लिए बना बेस शिविर भी है।

द्रास : द्रास जम्मू व कश्मीर राज्य के करगिल जिले में स्थित एक बस्ती है। 3,230 मीटर यानि 10,990 फुट ऊंचाई पर बसा हुआ यह स्थान 16,000 से 21,000 फुट के पहाड़ों से घिरा हुआ है। द्रास वादी ज़ोजिला दर्रे के नीचे है और कश्मीर से लद्दाख़ जाने के लिये यहां से गुज़रना पड़ता है। इसीलिए इसे लद्दाख़ का द्वार भी कहा जाता है।

चंद्रा ट्रैक : चंद्रताल, या चंद्र ताल, हिमालय पर लगभग 4,300 मीटर यानि 14,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित एक झील है जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए काफी प्रसिद्ध है। उत्तर भारतीय राज्य हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में, लाहौल व स्पीति घाटियों की सीमा पर कुंजम पास के निकट स्थित चंद्र ताल से चंद्र नदी निकलती है जो आगे चलकर भागा नदी से मिलकर चंद्रभागा और जम्मू-कश्मीर में जाकर चेनाब कहलाने लगती है।

लेह : लेह जम्मू कश्मीर राज्य का के लद्दाख जिले का प्रमुख नगर है। यह समुद्र तल से 11,500 फुट की ऊंचाई पर, श्रीनगर से 160 मील पूर्व तथा यारकंद से लगभग 300 मील दक्षिण में लद्दाख पर्वत श्रेणी के बीच ऊपरी सिंध के दाहिने तट से 4 मील दूर स्थित है। यहां एशिया की सबसे ऊंची मौसमी वेधशाला बनी है। ये तिब्बत, सिकीयांग और भारत के बीच का महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र भी है। लेह में, 19वीं एवं 20वीं शताब्दी के डोगरावंशी राजाओं का एक प्राचीन महल भी है।

नुब्रा वैली : नुब्रा घाटी एक तीन शाखाओं वाली घाटी है जो लद्दाख घाटी के उत्तर-पूर्व में स्थित है। यह श्योक और नुब्रा नदियों के संगम पर बनी है। श्योक नदी उत्तर पश्चिम की ओर बहती है और नुब्रा नदी इसमें उत्तर पश्चिम से आ कर मिलती है। श्योक नदी आगे जाकर सिन्धु नदी में मिलती है। नुब्रा की केन्द्रीय बस्ती दिस्कित की दूरी लेह से 150 किमी है। इस घाटी की औसत ऊंचाई 3,038 मी यानी 10,000 फीट है। इसका प्राचीन नाम डुमरा था जिसका मतलब फूलों की घाटी होता है।

क्लब महिंद्रा जंजैहली में हिमाचल की अछूती खूबसूरती का आनंद लें

बिज़नेस रेमेडीज/चेन्नई

हिमाचल प्रदेश की शांतिपूर्ण जंजैहली घाटी में बसा क्लब महिंद्रा जंजैहली रिज़ॉर्ट, मंडी में आपको मिलता है सुकून, रोमांच और सांस्कृतिक आकर्षण का एक ऐसा अनूठा मेल, जो बरसों-बरस याद रहता है। बर्फ से ढके पहाड़ों, हरे-भरे सेब के बागों और सुंदर दृश्यों से घिरा यह स्थान प्रकृति प्रेमियों और शांति की तलाश करने वालों के लिए एक आदर्श स्थान है।

यह रिज़ॉर्ट सड़क मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है और शिमला, मंडी, मनाली और चंडीगढ़ से यहाँ आसानी से पहुँचा जा सकता है। निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ में है। सबसे छोटा मार्ग चंडीगढ़-मनाली हाईवे के माध्यम से है, जहाँ से ददौर चौक पर सड़क जंजैहली की ओर मुड़ती है। क्लब महिंद्रा जंजैहली 1.7 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें 24 सुंदर कमरे हैं, जिनमें स्टूडियो रूम, एक एक-बेडरूम यूनिट, एक दो-बेडरूम यूनिट और तीन कॉटेज ब्लॉक शामिल हैं। लकड़ी की पारंपरिक वास्तुकला से बनाए गए ये कमरे प्राकृतिक इन्सुलेशन प्रदान करते हैं, जो सर्दियों में गर्मी और गर्मियों में ठंडक बनाए रखते हैं।

मेहमान सुबह उठते ही पहाड़ों और रिज़ॉर्ट के भीतर बहती छोटी नदी की मनमोहक दृश्यावली का आनंद लेते हैं। रिज़ॉर्ट तक पहुँचने के लिए एक पुल को पार करना पड़ता है, जो दृश्य अनुभव को और भी सुंदर बनाता है। कमरों की बालकनी से शानदार दृश्य दिखाई देते हैं और यहाँ आगमन पर मेहमानों का आरती, तिलक और गरम सेब पेय के साथ स्वागत किया जाता है। आध्यात्मिकता की ओर झुकाव रखने वालों के लिए यहाँ प्रसिद्ध शिकारी माता मंदिर है। इस मंदिर की यात्रा अवश्य करें। यहाँ से हिमाचल के अद्भुत परिदृश्य के व्यापक दृश्य दिखाई देते हैं, जो यात्रा को दिव्य और मंत्रमुग्ध कर देते हैं। क्लब महिंद्रा के विभिन्न हिमाचली स्थलों की यात्रा करते हुए, चंडीगढ़ हवाई अड्डे से कंडाघाट, नालदेहरा, जंजैहली और अंत में मनाली की सुंदर यात्रा का आनंद लिया जा सकता है। हर स्थान अपनी अनूठी खूबसूरती और विशिष्टता प्रदान करता है। दिसंबर से मार्च के बीच, जंजैहली बर्फीले परिदृश्य में बदल जाता है, जहाँ मेहमान बर्फीली गतिविधियों, ट्रेकिंग और डे-कैंपिंग का आनंद ले सकते हैं। रिज़ॉर्ट के मल्टी-कुजिन रेस्टोरेंट में 44 मेहमानों के लिए इनडोर और आउटडोर भोजन की सुविधा है। मेनू में पारंपरिक हिमाचली व्यंजनों का एक शानदार चयन है, जिसमें सिद्दू, बबरू - काले चने के पेस्ट से भरी और पूरी तरह से तली हुई कचौरी का हिमाचली संस्करण - चना मदरा, सेपू बड़ी, बूंदी का मीठा, कद्दू का खट्टा, माह की दाल, मदरा, कढ़ी, खट्टे चन्ने और झोल कुल्लू ट्राउट, एक ताजा ट्राउट जिसे स्थानीय मसालों के साथ मैरीनेट किया गया है और पूरी तरह से ग्रिल किया गया है।

इसके अलावा, मेहमान प्रसिद्ध मंडियाली धाम का आनंद ले सकते हैं, जो विशेष अवसरों पर परोसा जाने वाला पारंपरिक भोज है। मेहमान अलाव क्षेत्र के पास लाइव बारबेक्यू सेशन का भी आनंद ले सकते हैं, जो खाने के शानदार अनुभव को और भी बढ़ा देता है। इसके अलावा, पुल पर हाई टी भी परोसी जाती है, जो मेहमानों के लिए एक शानदार नज़ारा पेश करती है, साथ ही पारंपरिक हिमाचली नाटी नृत्य और स्थानीय प्रदर्शन भी होते हैं। रिज़ॉर्ट में एक बैंक्वेट हॉल भी है, जिसमें 100 लोग समा सकते हैं, जो समारोहों के लिए आदर्श स्थान है।

हैप्पी हब गतिविधि केंद्र में स्नूकर, बोर्ड गेम्स, ड्राइंग क्लास और एयर हॉकी जैसे इनडोर खेल उपलब्ध हैं। बाहरी गतिविधियों में साइक्लिंग, एयर गन शूटिंग, तीरंदाजी, ट्रेकिंग, गाँव भ्रमण और पक्षी देखने का आनंद लिया जा सकता है। नजदीकी आकर्षणों में कामरूनाग मंदिर, पराशर और रिवालसर झील, जलोरी दर्रा और प्रसिद्ध भगवान शिव मंदिर (बुद्ध केदार) शामिल हैं। इसके अलावा, महाभारत युग से जुड़ी ऐतिहासिक पांडव शिला भी दर्शनीय है। गाँव भ्रमण स्थानीय जीवनशैली का प्रामाणिक अनुभव प्रदान करता है, जिसमें गाँववासियों के साथ संवाद, पशुपालन की जानकारी और मौसमी रूप से सामान के भंडारण के तरीके देखने का अवसर मिलता है। रोमांच प्रेमियों के लिए, रिज़ॉर्ट पूर्ण-दिवसीय ट्रेक्स के साथ टेंट में रहने का अनुभव प्रदान करता है, जो प्रियजनों के साथ रोमांचक छुट्टी के लिए एक आदर्श विकल्प है। अन्य ट्रेकिंग विकल्पों में बुद्ध केदार, तुंगासी किला और शत्ताधार हिल मंदिर शामिल हैं। सस्टेनेबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, क्लब महिंद्रा जंजैहली पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं का पालन करता है। रिज़ॉर्ट एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग नहीं करता है और ऊर्जा दक्ष समाधानों को अपनाता है, जिसमें ऊर्जा संरक्षण के लिए पराबैंगनी प्रकाश आधारित थर्मोडायनामिक तकनीक शामिल है। आकर्षक परिदृश्य, रोचक गतिविधियाँ और जिम्मेदार पर्यटन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, क्लब महिंद्रा जंजैहली हिमाचल प्रदेश के हृदय में छुट्टियाँ बिताने का एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करता है।

मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर के नए एकेडमिक ब्लॉक का उद्घाटन

बिज़नेस रेमेडीज/जयपुर

मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर के नए तथा तीसरे एकेडमिक ब्लॉक का उद्घाटन समारोह बडे हर्षोल्लास के साथ किया गया। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इस ब्लॉक का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बसंती. आर. पाई सभागार में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने कानून के विद्यार्थियों को संबोधन के दौरान न्याय में धर्म के महत्व पर कहा कि, न्याय का धर्म संगत होना बेहद जरूरी है। इसके लिए आदि शंकराचार्य और मंडल मिश्र के साथ शास्त्रार्थ का उदाहरण प्रस्तुत किया।

राजस्थान उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति अनिल कुमार उपमन, जयपुर की सांसद मंजू शर्मा और बगरू के विधायक कैलाश वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल हुए। एमईएमजी के सलाहकार अभय जैन, एमयूजे के प्रो-प्रेसिडेंट प्रो. करुणाकर ए कोटेगार, एमयूजे की प्रोवोस्ट प्रो. नीतू भटनागर इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

वहीं एमयूजे की प्रोवोस्ट प्रो. नीतू भटनागर ने अतिथियों का स्वागत किया। एमयूजे के प्रो-प्रेसिडेंट प्रो. करुणाकर ए कोटेगार ने अपने संबोधन में मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर का परिचय दिया। एमईएमजी के सलाहकार अभय जैन ने मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर की लगभग डेढ़ दशक की यात्रा और समाज के विकास में इसके योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि अर्जुन मेघवाल ने मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर को अपने शैक्षणिक उत्कृष्टता और उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने इंजीनियरिंग, विज्ञान, वास्तुकला, प्रबंधन, मानविकी और कानूनी अध्ययन सहित विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में एमयूजे के निरंतर प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने आदि शंकराचार्य और पंडित मंडन मिश्र के बौद्धिक वाद-विवाद के कुछ उदाहरण दिए।

न्यायमूर्ति अनिल कुमार उपमन ने कानूनी शिक्षा तथा कानून और न्याय को बनाए रखने में नैतिक मूल्यों के पालन पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे की भूरी भूरी प्रशंसा की। जयपुर की सांसद मंजू शर्मा ने छात्रों को जीवन में उपलब्धियों के लिए नैतिक मार्ग चुनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है। स्थानीय विधायक, बगरू, डॉ. कैलाश चंद वर्मा ने मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर की सराहना की, और उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में इस तरह के विश्व स्तरीय संस्थान होने पर गर्व महसूस किया। शैक्षणिक ब्लॉक के औपचारिक उद्घाटन से पहले, अतिथियों ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। इस के साथ अनुभव थिएटर, मणिपाल विश्वविद्यालय के अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का अवलोकन किया। आज उद्घाटित नवनिर्मित शैक्षणिक ब्लॉक सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। यह ब्लॉक विधि संकाय को समर्पित है। इस विधि भवन में पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक तकनीकें शामिल है। इसमें मूट कोर्ट, विशेष रूप से डिज़ाइन की गई लॉ लाइब्रेरी, पूरी तरह से वातानुकूलित कक्षाएँ, कंप्यूटर लैब, व्याख्यान थिएटर, सेमिनार हॉल, सम्मेलन कक्ष और बैठक कक्ष शामिल हैं। समारोह के आखिर में विधि संकाय की डीन प्रो. भारती ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई और राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डीन, निदेशक, संकाय सदस्य, छात्र और कर्मचारीगण शामिल हुए।

'किडनी स्वास्थ्य के प्रति रहें सचेत, बरते सावधानी'

बिज़नेस रेमेडीज/उदयपुर

विश्व किडनी दिवस के अवसर पर भारत में कि डनी बीमारी की बढ़ती समस्या को पहचानना और समय रहते इसका पता लगाना तथा देखभाल के प्रति जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी हो जाता है। क्रोनिक किडनी रोग (CKD) भारतीय आबादी के लगभग 10 प्रतिशत लोगों को प्रभावित करता है, हर साल किडनी फेल होने के एक लाख से ज्यादा केस सामने आते हैं। दुख की बात है कि गंभीर किडनी रोग से पीड़ित 90 प्रतिशत लोग इसलिए मर जाते हैं क्योंकि वे इलाज का खर्च नहीं उठा पाते हैं। इसके अलावा किडनी रोग से हृदय संबंधी समस्याओं के होने का भी खतरा बढ़ जाता है। हालाँकि बहुत से लोग अभी भी किडनी के स्वास्थ्य के बारे में नहीं जानते हैं, जिसके कारण अक्सर डायग्नोसिस में देरी होती है और इलाज़ सफल नहीं हो पाता है।

पारस हेल्थ उदयपुर में नेफ्रोलॉजी कंसल्टेंट डॉ. आशुतोष सोनी

किडनी की बीमारी का जल्दी पता लगाना और स्वस्थ लाइफस्टाइल में बदलाव करना कि डनी की समस्याओं के खतरे को कम करने के लिए बहुत जरूरी है।

पारस हेल्थ उदयपुर में नेफ्रोलॉजी कंसल्टेंट डॉ. आशुतोष सोनी ने कहा, कि किडनी की बीमारी अक्सर अपने शुरुआती स्टेज में नहीं पता चलती है, इस वजह से नियमित जांच कराते रहना जरूरी हो जाता है। बहुत से लोग तब तक अपनी बीमारी से अनजान रहते हैं जब तक कि उन्हें काफी नुकसान नहीं हो जाता है। किडनी के स्वास्थ्य के बारे में शिक्षा को बढ़ावा देकर और नियमित जांच को प्रोत्साहित करके हम जटिलताओं को रोक सकते हैं और मरीज के इलाज के परिणामों में सुधार कर सकते हैं। इस विश्व किडनी दिवस पर हम सभी से किडनी की देखभाल के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह करते हैं, क्योंकि रोकथाम हमेशा इलाज से बेहतर होती है। किफायती और गुणवत्तापूर्ण किडनी देखभाल तक पहुँच एक चुनौती बनी हुई है, खास तौर पर आर्थिक रूप से कमज़ोर समुदाय अभी भी किडनी का इलाज कराने से जूझते हैं। हेल्थकेयर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, शीघ्र डायग्नोसिस में सुधार करना और किडनी के स्वास्थ्य के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना प्रमुख प्राथमिकताएँ होनी चाहिए।

एसआरएम आईएसटी विषयवार क्यूएस यूनिवर्सिटी वर्ल्ड रैंकिंग में आगे बढ़ा

बिज़नेस रेमेडीज/चेन्नई

एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी) ने विषयवार प्रतिष्ठित क्यूएस यूनिवर्सिटी वर्ल्ड रैंकिंग में अपनी महत्वपूर्ण वृद्धि की घोषणा की है, जिससे उच्च शिक्षा में वैश्विक नेता के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है।

एसआरएमआईएसटी के कुलपति प्रो. सी. मुथामिझचेलवन ने टिप्पणी की, 'यह मान्यता हमारे छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के अटूट समर्पण का प्रमाण है। यह हमें अपने शिक्षण, शोध और सीखने की पद्धतियों को लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है, यह सुनिश्चित करता है कि हमारे शैक्षणिक कार्यक्रम वैश्विक मानकों के अनुरूप हों और समाज पर सार्थक प्रभाव डालें।'

इस वर्ष, एसआरएम-आईएसटी ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में 88 पायदान चढ़कर 280वां स्थान हासिल किया है। विश्वविद्यालय को 11 विषयों में भी स्थान दिया गया है - जो इसके इतिहास में विषयों की सबसे अधिक मान्यता है। विशेष रूप से, गणित को पहली बार शामिल किया गया है, जिससे एसआरएमआईएसटी को 451-500 रैंक बैंड में रखा गया है, जो इसकी बढ़ती शैक्षणिक गहराई और उत्कृष्टता को रेखांकित करता है।

वंडर सीमेंट लि. द्वारा संचालित निःशुल्क कोचिंग कक्षाओं के विधार्थियों को प्रोत्साहित किया

बिज़नेस रेमेडीज

वंडर सीमेंट लि. के सीएसआर नीव इनिशिएटिव के तहत संचालित निःशुल्क कोचिंग में अध्ययनरत CET (Graduation एवं 12जी लेवल में चयन होने वाले 5 टॉपर विधार्थियों को वंडर सीमेंट लि. के यूनिट हेड नितिन जैन द्वारा प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान जैन ने बताया की वंडर सीमेंट लि द्वारा परियोजना के आरम्भ से ही क्षेत्र में शैक्षणिक उन्नयन हेतु निरंतर कार्य किये जा रहे है एवं वर्तमान में भी जारी है।

वंडर सीमेंट रुरल डवलपमेंट सेन्टर में CET योग्यता प्राप्त विद्यार्थियों हेतु पटवार, ग्राम विकास अधिकारी, राजस्थान पुलिस तथा प्रवेश परीक्षाएं जैसे BSTC, PTET, CUET एवं अकादमिक कक्षाओं में RBSE बोर्ड परीक्षा, नवोदय, NMMS, NTSE जैसी विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी निःशुल्क एवं नियमित तौर पर शैक्षणिक गुणवत्तायुक्त संचालित है। जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण यहां संचालित कोचिंग कक्षाओं के छात्रों का विभिन्न परीक्षाओं में चयन होना हैं। वंडर सीमेंट रूरल डवलपमेंट सेंटर में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरुप एज्युकेशन किट उपलब्ध करवाया गया। जिसमें जी.के. गाईड बुक, नोट बुक सहित शैक्षणिक सामग्री, किट बेग शामिल हैं। साथ ही आगामी अप्रेल माह में वंडर सीमेंट रूरल डवलपमेंट सेंटर में प्रथम बार 12th उत्त्रीर्ण विद्यार्थियों के लिये अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में CUET की कक्षाएं आरम्भ होने जा रही है। CUET (कॉमन युनिवर्सिटी एन्ट्रेस टेस्ट) एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा हे, जो राष्ट्रीय परीक्षा एजेन्सी आयोजित करवाती है। यह परीक्षा 287 से अधिक विश्वविद्यालयों में ग्रेजुऐशन, पोस्ट ग्रेजुऐशन, पीएचडी जैसे पाठ्क्रमों में प्रवेश के लिये आयोजित की जाती है। इस परीक्षा को उत्त्रीर्ण करने का बाद छात्रों को भारत के बेहतरीन शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पाने का मोका मीलता है। इस परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग हेतु वंडर सीमेंट रूरल डवलपमेंट सेंटर में पंजीयन दिनांक 1 अप्रेल, से आरम्भ कर दिया जायेगा।

टाटा मोटर्स ने श्रीलंका के बाजारों में प्रवेश किया, पंच, नेक्सन सहित कई गाड़ियां लॉन्च की

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली (आईएएनएस)। टाटा मोटर्स ने वैश्विक विस्तार करते हुए अपना ऑल-न्यू पैसेंजर और इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पोर्टफोलियो श्रीलंका में लॉन्च किया। भारत की अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी ने अपने साझेदार डीआईएमओ के साथ मिलकर पड़ोसी देश में यात्री वाहनों और ईवी की नई रेंज लॉन्च की। इस लॉन्च इवेंट में टाटा मोटर्स की एसयूवी की बड़ी रेंज पेश की गई, जिसमें टाटा पंच, टाटा नेक्सन और टाटा कर्व शामिल थे। इसके अलावा, टाटा मोटर्स ने अपनी इलेक्ट्रिक हैचबैक टियागो.ईवी को लॉन्च किया। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के अंतरराष्ट्रीय कारोबार प्रमुख यश खंडेलवाल ने कहा, 'हम श्रीलंका में आकर बहुत उत्साहित हैं।

टाटा मोटर्स ने पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं और नए, गेम-चेंजिंग प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के साथ वापसी करने का इससे बेहतर तरीका और कोई नहीं हो सकता।' उन्होंने कहा, 'हमारी पेशकश न केवल श्रीलंकाई बाजार को लुभाने के लिए बल्कि नए मानक स्थापित करने के लिए डिजाइन की गई है, जिसमें बोल्ड डिजाइन, अत्याधुनिक सुविधाएं, शीर्ष-स्तरीय सुरक्षा और बेहतर आफ्टर सेल्स सर्विस शामिल हैं।' टियागो.ईवी ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को सुलभ और आकांक्षापूर्ण बनाकर भारत, नेपाल और भूटान में पहले ही हलचल मचा दी है। डीआईएमओ के कार्यकारी निदेशक राजीव पंडितागे के अनुसार, वह टाटा मोटर्स के साथ अपनी साझेदारी जारी रखने के लिए रोमांचित हैं क्योंकि बाजार के फिर से खुलने के बाद वह श्रीलंका में प्रवेश करने वाले पहले यात्री वाहन ब्रांड बन गए हैं। कंपनी ने कहा कि टाटा मोटर्स की सभी यात्री कारें तीन साल या 1,00,000 किलोमीटर की मैन्युफैक्चरर वारंटी के साथ आएंगी, जबकि इलेक्ट्रिक कारें तीन साल या 1,25,000 किलोमीटर की मैन्युफैक्चरर वारंटी के साथ आएंगी। इसके अलावा, ईवी में हाई-वोल्टेज बैटरी और मोटर को आठ साल या 1,65,000 किलोमीटर की वारंटी के साथ सुरक्षित किया गया है।

स्बर ने नया न्यूरल नेटवर्क गीगाचैट 2.0 पेश किया

बिजनेस रेमेडीज/मॉस्को(आईएएनएस)। रूस के लिए एमईआरए बेंचमार्क डेटा के अनुसार, अग्रणी वैश्विक वित्तीय संस्थान स्बर का गीगा चैट 2 मैक्स मॉडल एआई मॉडलों में पहले स्थान पर है। यह अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्क की तुलना में अपडेटेड उत्पाद लाइन कई मैट्रिक्स में जीपीटी-4ओ, डीपसीक-वी3, एलएलएएमए 70बी और क्वेन 2.5 से बेहतर प्रदर्शन करता है।

संपूर्ण गीगा चैट 2.0 उत्पाद लाइन में महत्वपूर्ण बदलाव कर अपग्रेड किया गया है, जिससे व्यावसायिक ग्राहक वर्तमान कार्यों को हल करने और बड़े पैमाने पर परियोजनाओं को तेजी से और बेहतर तरीके से लागू करने में सक्षम हुए हैं।

गीगा चैट 2 मैक्स और भी अधिक शक्ति शाली हो गया है और रूसी भाषा में निर्धारित कार्यों को हल करने में कई समान विदेशी मॉडलों से बेहतर प्रदर्शन करता है। गीगा चैट 2 प्रो पिछले मैक्स संस्करण के समान गुणवत्ता दिखाता है और ऐसे कार्यों को कर सकता है, जहां रचनात्मकता और सटीकता महत्वपूर्ण है। साथ ही, कंपनी ने बताया कि मॉडल के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता है। हल्के कार्यों के लिए मूल मॉडल, गीगा चैट 2 लाइट, अब पिछले प्रो संस्करण की गुणवत्ता के बराबर है और जटिल कार्यों को तेजी से और अधिक लागत प्रभावी ढंग से कर सकता है।

यूजर्स के पास अब भी पहली पीढ़ी के मॉडल तक पहुंच होगी और नई उत्पाद लाइन में अपग्रेड करने से पहले गीगा चैट 2.0 को आजमा सकते हैं। स्बरबैंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रौद्योगिकी विकास प्रमुख एंड्री बेलेवत्सेव ने कहा, 'आपको अपने व्यवसाय के लिए गीगा चैट और इसके संकेतों का सबसे अच्छा संस्करण खोजने के लिए प्रोग्रामिंग के बारे में बहुत कुछ जानने की आवश्यकता नहीं है। संपूर्ण सुइट एपीआई के माध्यम से क्लाउड में उद्यमों के लिए उपलब्ध है और इसे ऑन-प्रिमाइसेस भी तैनात किया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि गीगा चैट 2.0 में केवल मीट्रिक और तकनीकी सुविधाओं में वृद्धि नहीं की गई है, बल्कि रूसी-भाषा के लॉर्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। बेलेवत्सेव ने कहा, 'हमने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ समाधानों के स्तर पर एक मॉडल बनाया है, और रूसी-भाषा कार्यों में, मॉडल उनमें से अधिकांश से बेहतर प्रदर्शन करता है। रूस में काम करने वाली किसी भी कंपनी के लिए मजबूत रूसी न्यूरल नेटवर्क रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं।' बेलेवत्सेव ने कहा कि 15 हजार बाहरी ग्राहक पहले से ही गीगा चैट का उपयोग करते हैं, और हमारी उत्पाद लाइन में यह शक्तिशाली अपग्रेड और भी अधिक ग्राहकों को कार्यों की एक विस्तृत श्रृंखला को अधिक कुशलता से हल करने की अनुमति देगा। बेलेवत्सेव ने कहा, 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से प्रक्रियाओं में सुधार करके, कंपनियों के पास प्रतिस्पर्धा में आगे रहने, लाभ बढ़ाने और ग्राहक वफादारी में सुधार करने का एक अनूठा अवसर होगा।'

फरवरी में यात्री वाहनों की बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची: सियाम

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली(आईएएनएस)। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) द्वारा जारी आंकड़ों में बताया गया कि भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग ने इस वर्ष फरवरी में यात्री वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री की है, जिसमें कार और एसयूवी शामिल हैं। साथ ही तिपहिया वाहन सेगमेंट में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, फरवरी के दौरान दोपहिया वाहनों की बिक्री में गिरावट आई। दोपहिया वाहनों में मोटरसाइकिल सेगमेंट में गिरावट हुई है, जबकि स्कूटर सेगमेंट की बिक्री सपाट रही है। इस साल फरवरी में यात्री वाहनों की बिक्री 3,77,689 इकाई रही, जो फरवरी 2024 में 3,70,786 इकाइयों की तुलना में 1.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। यह फरवरी महीने के लिए दर्ज किया गया अब तक का सबसे बड़ा बिक्री का आंकड़ा है।

सियाम ने कहा कि इस आंकड़े में बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज-बेंज, जगुआर लैंड रोवर और वोल्वो ऑटो जैसी लक्जरी कार निर्माताओं के बिक्री आंकड़े शामिल नहीं हैं। सियाम के महानिदेशक, राजेश मेनन ने कहा, 'यात्री वाहन सेगमेंट सबसे मजबूत रहा है और फरवरी 2025 में इस सेगमेंट में अब तक की सबसे अधिक 3.78 लाख इकाई की बिक्री हुई है।'

चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में यात्री वाहनों की बिक्री 6,92,311 इकाइयों की रही है, जो 2023-24 की इसी अवधि के 6,09,505 के आंकड़े से 13.6 प्रतिशत अधिक है। फरवरी के दौरान तिपहिया वाहन सेगमेंट में सालाना आधार पर 4.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो बढ़कर 57,788 इकाई हो गई। पिछले साल समान अवधि में तिपहिया वाहन सेगमेंट में 55,175 इकाइयों की बिक्री हुई थी। दोपहिया वाहन सेगमेंट की बिक्री सालाना आधार पर 9 प्रतिशत गिरकर 13,84,605 इकाई रह गई है।

टेक फर्म 'नथिंग' फोन (3ए) सीरीज को लेकर उत्साहित, भारत में और ज्यादा कर्मचारियों को जोड़ेगी

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली(आईएएनएस)। लीडिंग कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड 'नथिंग' ने कहा कि वह भारत में और अधिक कर्मचारी जोड़ना जारी रखेगी। कंपनी का कहना है कि उसका हमेशा से मानना रहा है कि स्थानीय अर्थव्यवस्था के साथ मिलकर काम करना किसी भी कंपनी को आगे बढ़ने में मददगार साबित होता है। आने वाले वर्षों में भारत ग्लोबल स्मार्टफोन इंडस्ट्री में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और नथिंग अपनी 'मेक इन इंडिया' पहलों को तेज करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

नथिंग के सह-संस्थापक कार्ल पेई ने हाल ही में अमेरिका और भारत में कंपनी चलाने के लिए दो चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त करने की घोषणा की है। नथिंग के भारत में मार्केटिंग प्रमुख प्रणय राव ने कहा, 'कंपनी द्वारा किए जा रहे मौजूदा सारे काम भारत की प्रमुख स्थिति सुनिश्चित करने की हमारी बड़ी योजना के अनुरूप है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारे चेन्नई कारखाने में वर्तमान में 500 कर्मचारी हैं, जिनमें से 95 प्रतिशत महिलाएं हैं,

नोएडा कारखाने में 800 से अधिक कर्मचारी हैं और विभिन्न कार्यों में 80 से अधिक कर्मचारी ऑन-रोल हैं।' राव ने कहा, 'जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हम और अधिक कर्मचारियों को जोड़ना जारी रखेंगे।' लंदन स्थित कंपनी ने हाल ही में नथिंग फोन (3a) सीरीज लॉन्च की है, जिसकी कीमत भारतीय उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए रणनीतिक रूप से तय की गई है। राव ने कहा, '22,999 रुपये से शुरू होने वाले फोन (3a) को लेकर हमें उम्मीद है कि आम उपभोक्ताओं को पसंद आएगा। फोन ऐसे उपभोक्त ाओं को पसंद आएगा, जो बेस्ट-इन-क्लास कैमरा मॉड्यूल के साथ अच्छे ओवरऑल परफॉर्मेंस की तलाश में हैं।' उन्होंने कहा, 'दूसरी ओर, अगर मैं प्रो वर्जन की बात करूं तो हमें उम्मीद है कि फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले लोग इसे चुनेंगे, क्योंकि इसमें सोनी एलवाईटीआईए 600 सेंसर के साथ 50 मेगापिक्सल पेरिस्कोप लेंस दिया गया है, जो 6 गुना तक लॉसलेस इन-सेंसर जूमिंग प्रदान करता है।

विविध

Emerging Entrepreneur

एथर एनर्जी के संस्थापक तरुण मेहता मोबिलिटी के भविष्य को दे रहे है आकार

राजश्री उपाध्याय

आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र से लेकर एथर एनर्जी के पीछे की प्रेरणादायक शक्ति बनने तक, तरुण मेहता की यात्रा दूरदृष्टि, दृढ़ संकल्प और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के भविष्य में अटूट विश्वास का प्रमाण है। अपने सह-संस्थापक स्वप्निल जैन के साथ, उन्होंने 2013 में भारत के इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग को पुनर्परिभाषित करने का मिशन शुरू किया।

उनका उद्देश्य न केवल इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाना था, बल्कि स्मार्ट, हाई-परफॉर्मेंस मशीनों का निर्माण करना था जो शहरी परिवहन में क्रांति ला सकें। नवाचार और स्मार्ट टेक्नोलॉजी में उनकी आस्था ने एथर एनर्जी की नींव रखी, जो जल्द ही निवेशकों और उद्योग जगत के नेताओं का ध्यान आकर्षित करने में सफल रही। शुरुआती चुनौतियों के बावजूद, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड और आईआईटी मद्रास से रूपये 4.5 मिलियन का फंडिंग मिलने से उन्हें पहला बड़ा प्रोत्साहन मिला। दिसम्बर 2014 में फ्लिपकार्ट के संस्थापक सचिन बंसल और बिन्नी बंसल ने $1 मिलियन का निवेश किया, जिससे एथर को नए अनुसंधान और विकास चरण में प्रवेश करने का अवसर मिला। 2015 के मध्य तक, टाइगर ग्लोबल से $12 मिलियन का निवेश मिला, जिससे कंपनी को सख्त परीक्षण और अपने पहले उत्पाद की नींव रखने का अवसर मिला, जिसने जल्द ही भारत के इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार को पुनर्परिभाषित किया।

23 फरवरी 2016 को एथर एनर्जी ने बेंगलुरु में सर्ज टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस में S340 पेश किया, जो भारत का पहला स्मार्ट इलेक्ट्रिक स्कूटर था। पारंपरिक इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के विपरीत, S340 में डिजिटल टचस्क्रीन डैशबोर्ड, हल्का एल्युमीनियम चेसिस और फास्ट-चार्जिंग लिथियम-आयन बैटरी थी, जो एक घंटे से कम समय में 90% चार्ज हो सकती थी। 75 किमी/घंटा की टॉप स्पीड के साथ, यह एक सफल नवाचार साबित हुआ, जिसने एथर को EV उद्योग में एक गेम-चेंजर के रूप में स्थापित किया।

एथर की सफलता के साथ, बड़े निवेशक भी कंपनी के साथ जुड़ने लगे। 2016 में हीरो मोटोकॉर्प ने रणनीतिक निवेशक के रूप में कदम रखा और 2018 में रूपये 130 करोड़ का निवेश किया। 2019 तक, सचिन बंसल ने रूपये 32 मिलियन का अतिरिक्त निवेश किया, जिससे कंपनी को और विस्तार का अवसर मिला। दिसंबर 2019 में, तमिलनाडु सरकार के साथ रूपये 635 करोड़ के मेगा मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की स्थापना का समझौता हुआ, जिससे बड़े पैमाने पर उत्पादन और राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार का मार्ग प्रशस्त हुआ।

तरुण मेहता के नेतृत्व में, एथर एनर्जी लगातार नवाचार की सीमाओं को आगे बढ़ा रही है। जनवरी 2020 में कंपनी ने 450 प्लस लॉन्च किया, जिसमें बेहतर बैटरी तकनीक और एडवांस फीचर्स थे।

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की समस्या को हल करने के लिए, एथर ने Ather Grid की शुरुआत की, जो बड़े शहरों में फास्ट-चार्जिंग स्टेशनों का मजबूत नेटवर्क प्रदान करता है। यह पहल EV उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधा सुनिश्चित करती है और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के भविष्य को मजबूत करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बढ़ती मांग और निवेशकों के विश्वास के साथ, सितंबर 2024 में एथर एनर्जी ने SEBI के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) दाखिल किया, जिसमें रूपये 4,500 करोड़ के IPO की योजना बनाई गई, जिससे कंपनी का मूल्यांकन 2.5 बिलियन हो गया। वित्तीय वर्ष FY23 में कंपनी की राजस्व वृद्धि रूपये 1,806 करोड़ तक पहुंच गई, जिससे भारत में उसकी मजबूत बाजार स्थिति का संकेत मिला। अक्टूबर 2022 में कैलाडियम इन्वेस्टमेंट पीटीई लिमिटेड से 50 मिलियन का निवेश मिला और सितंबर 2023 में हीरो मोटोकॉर्प ने रूपये 1,000 करोड़ का निवेश किया, जिससे एथर एनर्जी को EV उद्योग में एक अग्रणी कंपनी के रूप में स्थापित किया गया।

संख्याओं और निवेश से परे, तरुण मेहता का प्रभाव उद्योग से भी आगे बढ़ता है। वह सतत (सस्टेनेबल) मोबिलिटी समाधानों के मुखर समर्थक रहे हैं और EV अपनाने को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों और प्रोत्साहनों की लगातार वकालत करते हैं। उनकी दृष्टि सिर्फ एथर की सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत में शहरी परिवहन के भविष्य को आकार देने के बारे में भी है।

हर नवाचार और उपलब्धि के साथ, तरुण मेहता स्थिरता की दिशा में बदलाव को प्रेरित कर रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि एथर एनर्जी EV क्रांति में सबसे आगे बनी रहे और अन्य कंपनियों के लिए एक मिसाल कायम करे।

आईएएस मुग्धा सिन्हा ने दिल्ली में आयोजित 'वुमेन इन डिजाइन' समिट में डिजाइन में समावेशिता की वकालत की

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की महानिदेशक आईएएस मुग्धा सिन्हा ने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन द्वारा आयोजित 'वुमेन इन डिजाइन' समिट के दौरान एक अंतर्दृष्टिपूर्ण संबोधन दिया। राजस्थान कैडर की आईएएस अधिकारी ने भारत और विश्व दोनों जगह डिजाइन क्षेत्र को आकार देने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रेखांकित की। अपनी यात्रा के अनुभव साझा करते हुए मुग्धा ने बताया कि कैसे वह राजस्थान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सचिव के तौर पर सेवा देते हुए डिजाइन नीति तैयार करने में शामिल हो गईं।

वर्ष 2019 में उन्होंने डिजाइन को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत करते हुए एक डिजाइन काउहोट की स्थापना की। राजस्थान में 13 डिजाइन स्कूल हैं जिनमें से ज्यादातर का नेतृत्व महिलाएं करती हैं और वे अकादमिक क्षेत्र को व्यवहारिक उपयोग से जोड़ने की पहल से लाभान्वित हुई हैं।

वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के कुलपति डाक्टर संजय गुप्ता ने कहा, 'डिजाइन के क्षेत्र में महिलाएं ना केवल सौंदर्य को आकार दे रही हैं, बल्कि वे दृष्टिकोण, उद्योगों और समाज को आकार दे रही हैं। नवप्रर्वतन के साथ सहानुभूति को मिलाने, रणनीति के साथ अंतर्ज्ञान और लचीलेपन के साथ रचनात्मकता को मिलाने की इनकी क्षमता इन्हें डिजाइन के भविष्य के लिए

अपरिहार्य बनाती है। वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन में हम उन महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं जो नियमों को चुनौती देती हैं, सीमाओं को नए सिरे से परिभाषित करती हैं और विजन के साथ नेतृत्व करती हैं। डिजाइन की दुनिया इनकी वजह से ही अधिक समृद्ध, अधिक समावेशी और अधिक प्रभावशाली है और यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि इनके पास मंच, अवसर और वह पहचान हो जिसकी ये हकदार हैं।' मुग्धा ने ज़ोर देकर कहा कि डिजाइन का कला, सांख्यिकी और टेक्नोलॉजी सहित विभिन्न क्षेत्रों के साथ गहरा संबंध है और यह नीति निर्माण में एक अहम भूमिका निभाती है। डिजाइन के क्षेत्र में लिंग असमानता को लेकर महानिदेशक, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार मुग्धा सिन्हा ने कहा, 'यद्यपि अधिक संख्या में महिलाएं डिजाइन के कोर्स में दाखिला लेती हैं, पेशेवर अभ्यास में उनका उतरना अब भी एक चुनौती है जहां उनका प्रतिनिधित्व 60 प्रतिशत से घटकर 45 प्रतिशत पर आ गया है। डिजाइन उद्योग में महिलाओं की भागीदारी पर आंकड़े एकत्रित कर इस अंतर को पाटने के लिए साक्ष्य आधारित नीति निर्माण आवश्यक है।' उन्होंने नीति निर्माताओं और संस्थानों से रोजगार के रुखों और डिजाइन के क्षेत्र में महिलाओं के समक्ष आ रही चुनौतियों का आकलन करने के लिए सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) से रिपोर्ट्स लेकर इस पर काम करने का भी आग्रह किया।

मुग्धा के मुताबिक, डिजाइन में महिलाओं के लिए प्रमुख प्राथमिकताएं विविधता, समानता और समावेशिता को बढ़ावा देने के इर्द गिर्द है। उन्होंने यूज़र के अनुभवों को समझने में एथनोग्राफिक रिसर्च का महत्व और एलजीबीटीक्यू के प्रतिनिधित्व सहित विविधता की हिस्सेदारी वाली समावेशी नीतियों की जरूरत रेखांकित की। उन्होंने डिजाइन में समानता को बढ़ावा देने के लिए लिंग विभाजित डेटा संग्रह को लेकर विश्व बैंक की पहल को एक मॉडल के तौर पर बताया। उन्होंने शिक्षा, स्वायत्तता और समान अवसरों के जरिए महिलाओं को सशक्त करने की वकालत की और इस बात पर बल दिया कि नीति और व्यवहार में डिजाइन का अधिकार हासिल करने से एक अधिक समावेशी और रचनात्मक भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा।

हाफले के कस्टमाइज्ड एप्लायंस कॉम्बो के साथ अपने सपनों का किचन बनाएं

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली। नई किचन बनाना या मौजूदा किचन को अपग्रेड करना एक रोमांचक लेकिन चुनौतीपूर्ण अनुभव हो सकता है। असंख्य अप्लायंस विकल्पों, विभिन्न फीचर्स और डिज़ाइन लैंग्वेज के बीच सही संयोजन चुनना एक कठिन काम लग सकता है। साथ ही, यह भी ज़रूरी है कि आपको समान गुणवत्ता, कार्यक्षमता और उपयोगिता मिले ताकि आपका कुकिंग अनुभव सुगम और आनंददायक हो। हाफले में, हम इन दुविधाओं को समझते हैं, यही वजह है कि हम अपने उपकरणों की रेंज पर कस्टमाइज़ करने योग्य कॉम्बो डील ऑफ़र करते हैं। आसानी से अपने खुद के कॉम्बो डिज़ाइन करें, और एक ऐसा किचन समाधान बनाएँ जो आपकी जीवनशैली के अनुकूल हो, साथ ही एक एकीकृत डिज़ाइन भाषा और अनुभव बनाए रखें। विभिन्न प्रकार के गैस और इंडक्शन हॉब्स, कुकरहुड, डिशवॉशर, वॉशिंग मशीन और ओवन और माइक्रोवेव के साथ, जो मैचिंग फ़िनिश में भी उपलब्ध हैं, ये कॉम्बो आपको अपने सपनों की रसोई बनाने के लिए एक व्यापक समाधान देते हैं।

प्रकाशक एवं मुद्रक पुनीत जैन द्वारा सिंघवी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए आकाशदीप प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स सेक्टर नं.11, अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर-302020 जयपुर से मुद्रित एवं 217, सैकंड फ्लोर, ओके प्लस स्क्वायर, सेक्टर 7, मानसरोवर, जयपुर से प्रकाशित। संपादक : पुनीत जैन मो. 9929106227, आर.एन.आई नं.: RAJHIN/2013/54166, पोस्टल रजि. नं. जयपुर सिटी/006/2024-26, E-Mail: remediesbusiness@gmail.com

pnb Housing Finance Limited — Ghar Ki Baat

APPENDIX -IV-A E-AUCTION SALE NOTICE OF IMMOVABLE PROPERTY (IES)

E-Auction-Sale Notice for Sale of Immoveable Assets Under the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 read with proviso to Rule 8(6) of the Security Interest (Enforcement) Rules, 2002)

Registered Office: - 9th Floor, Antriksh Bhawan, 22 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001, Ph:-011-23357171, 23357172, 23705414, Web:-www.pnbhousing.com

Kanpur Branch : PNB Housing Finance Ltd., 3rd Floor, 16/104 A, Shri Siddhivinayak Building, Civil Lines, Kanpur - 208001(U.P.)

Notice is hereby given to the public in general and in particular to the borrower(s) & guarantor(s) indicated in Column no-A that the below described immovable property (ies) described in Column no-D mortgaged/charged to the Secured Creditor, the constructive/Physical Possession of which has been taken (as described in Column no-C) by the authorized Officer of M/s PNB Housing Finance Limited/Secured Creditor, will be sold on **"AS IS WHERE IS, AS IS WHAT IS and WHATEVER THERE IS BASIS"** as per the details mentioned below. Notice is hereby given to borrower(s)/mortgagor(s)/Legal Heirs, Legal Representative, (whether Known or Unknown), executor(s), administrator(s), successor(s), assignee(s) of the respective borrowers/ mortgagor(s)(since deceased) as the case may be indicated in Column no-A under Rule-8(6) & 9 of the Security Interest Enforcement Rules, 2002 amended as on date.
For detailed terms and conditions of the sale, please refer to the link provided in M/s PNB Housing Finance Limited/secured creditor's website i.e. **www.pnbhousing.com.**

Loan No, Name of the Borrower/Co-Borrower/ Guarantor(s)/Legal heirs (A)	Demand Amount & Date (B)	Nature of Possession (C)	Description of the Properties Mortgaged (D)	Reserve Price (RP) (E)	EMD (10% of RP) (F)	Last Date of Submission of Bid (G)	Bid Incremental Rate (H)	Inspection Date & Time (I)	Date of Auction & Time (J)	Known Encumbrances/ Court Cases if any (K)
HOU/KNP/0519/694521, B.O.: Kanpur, Umesh Kumar / Mr. Umesh Kumar & Mrs Anjali Devi	Rs. 20,72,069.74 as on 17-08-2022	Physical Possession	All That Property Bearing Arazi No 1061, Chandan Nagar , Sanigwan Road , Ahirwan , Kanpur, Kanpur Nagar-208001 Measuring 55.183 Sq Mtr. Bounded As East : Juz Part of House, West: House of Munna Sharma, North: House of Parshuram Yadav, South: 25ft Wide Road	Rs. 2283000	Rs. 228300	17-04-2025	Rs. 10,000	03-04-2025 10.00 AM 5.30 PM	18-04-2025 02:00 PM 03:00PM	Not Known

*Together with the further interest @18% p.a. as applicable, incidental expenses, cost, charges etc. incurred up to the date of payment and/or realization thereof. ** To the best knowledge and information of the authorized Officer of PNB Housing Finance Limited, there are no other encumbrances/ claims in respect of above mentioned immovable/secured assets except what is disclosed in the column no-K. Further such encumbrances to be catered/paid by the successful purchaser/bidder at his/her end. The prospective purchaser(s)/bidders are requested to independently ascertain the veracity of the mentioned encumbrances.
1. As on date, there is no order restraining and/or court injunction PNBHFL/the authorized Officer of PNBHFL from selling, alienating and/or disposing of the above immovable properties/secured assets.**2.** The prospective purchaser/bidder and interested parties may independently take the inspection of the pleading in the proceedings/orders passed etc. if any, stated in column no-K. Including but not limited to the title of the documents of the title pertaining thereto available with the PNBHFL and satisfy themselves in all respects prior to submitting tender/bid application form or making Offer(s).The bidder(s) has to sign the terms and conditions of this auction along with the Bid Form.**3.** Please note that in terms of Rule 9(3) of the Security Interest (Enforcement) Rules, 2002, the bidder(s)/the purchaser is legally bound to deposit 25% of the amount of sale price, (inclusive of earnest money, if any, deposited) on the same day or not later than next working day. The sale may be confirmed in favour of (bidder(s) only after receipt of 25% of the sale price by the secured creditor in accordance with Rule 9(2) of the Security Interest (Enforcement) Rules, 2002. The remaining 75% of the s sale consideration amount has to be deposited by the purchaser within 15 days' from the date of acknowledgement of sale confirmation letter and in default of such deposit, the property/secured asset shall be resold.**4. C1 INDIA PRIVATE LIMITED** would be assisting the Authorised Officer in conducting sale through an e-Auction having its corporate office at Plot No.68, 3rd Floor, Sector 44, Gurgaon, Haryana 122003 Website-www.bankeauctions.com. For any assistance related to inspection of the property or obtaining the Bid Documents and for any other query or for registration, you have to co-ordinate with **Anupam Tripathi** Contact Number **1800 120 8800**, is authorised person of PNBHFL or refer to **www.pnbhousing.com**

Place : Kanpur, Dated: 16.03.2025 — **Authorized Officer, M/s PNB Housing Finance Limited**

Bank of India — Relationship beyond banking

Head Office, Star House 2, Risk Management Department, Information Security Cell, 7th Floor, C-5 - G Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai 400 051.
Email: security.information@bankofindia.co.in

Tender Notice

Bank of India invites open Request for Proposal (RFP) for "Empanelment of Insurance Broker for Cyber Insurance And Managing Cyber Insurance Cover and Claims"

Last date for submission of Request for Proposal: 02.04.2025 by 4.00 pm.

Full details are available on Bank's Corporate Website: **www.bankofindia.co.in** under "Tender" Section.

Amendments/Corrigendum, if any, will be kept on Bank's website only.

MIZORAM UNIVERSITY

Aizawl – 796004, Mizoram
A Central University Established by Parliament Act No.8 of 2000 (25.4.2000)
NAAC Accredited Grade 'A' University

EMPLOYMENT NOTICE

Online Application are invited for filling up the post of Finance Officer latest by 19/04/2025. Details may be seen from Mizoram University website www.mzu.edu.in. Subsequent addendum corrigendum issued if any shall be posted in the University website only.

Sd/-
Prof. Lalnundanga Registrar

केनरा बैंक Canara Bank

भारत सरकार का उपक्रम — A Government of India Undertaking
सिंडिकेट Syndicate

Regional office :- Etah

E-Auction Notice

E-AUCTION SALE NOTICE FOR SALE OF IMMOVABLE PROPERTY UNDER THE SECURITISATION AND RECONSTRUCTION OF FINANCIAL ASSETS AND ENFORCEMENT OF SECURITY INTEREST ACT, 2002 READ WITH PROVISO TO RULE 8(6) OF THE SECURITY INTEREST (ENFORCEMENT) RULES, 2002

Notice is hereby given to the public in general and in particular to the Borrower(s) and Guarantor(s) that the below described immovable Property mortgaged/charged to the Secured Creditor, the Symbolic Possession of which has been taken by the Authorised Officer of Canara Bank, Secured Creditor, will be sold on **"As is where is", As is what is", and "whatever there is"** for the recovery of dues to the Bank. As per Demand Notice under Section 13(2) & further interest thereon, charges and costs due to the Canara Bank, as detailed in the table below:

Name & Address of Borrower & Guarantors	Total Liabilities	Description of Properties	Reserve Price / Earnest Money 10%
Canara Bank, KASGANJ Branch (Ph. No.) 8272082343 e-mail id cb0241@canarabank.com			
Borrower/s: 1. M/s New Harshita Readymade Garments Prop-Jagmohan Kumar, Add. Main Market Mohanpura Kasganj UP-207123, 2. Jagmohan Kumar R/o Main Market Mohanpura Kasganj UP-207123	Rs. **1362966/-** + Intt. from 01.01.2025 & Others Charges thereon	Urem Of House Building Property Situated at Mauza Mohanpura, Pargana Bilram, Tehsil And Dist Kasganj, UP-207123 Admeasuring 85.93 Sqm. Owned By Jagmohan Kumar. **Bounded As:** East - House Of Jaipal, West - House of Kashmiri, North - Gali 10 Feet Wide, South - House of Bachhu Singh.	Rs. 1292850/- / Rs. 129285/-
Canara Bank, PATIYALI Branch (Ph. No.) 8272082363 e-mail id cb4298@canarabank.com			
Borrower/s: 1. M/s Raja And Company Prop- Altaf Hussain S/o Abad Hussain, 2. Altaf Hussain S/o Abad Hussain both add. Moh-chowk Patiyali Kasganj, 2. Guarantor/mortgagor : 1. Abad Hussain S/o Shabir Hussain R/o Khata No 127 Plot No 2226 Moh Mauza Patiyali Kasganj.	Rs. **1400629/-** + Intt. from 01.02.2025 & Others Charges thereon	Urem Of Vacant Land Property Situated at Khata No 127 Plot No 2226 Moh Mauza Patiyali Kasganj Admeasuring 425.60 Sqm. Owned By Abad Hussain S/o Shabir Hussain. **Bounded As:** East - Road, West - Plot of Jai Singh, North - Plot Of Vidhya Saran, South - Property of Ansar.	Rs. 3830400/- / Rs. 383040/-
Contact Canara Bank, Canara Bank, GANESHPUR Branch (Ph. No.) 8272082335 e-mail id cb4299@canarabank.com			
Borrower/s: M/s Yashu Battery Inverter House, Prop- Mrs. Nema W/o Mr. Lavkush, Mrs. Nema W/o Mr. Lavkush, Phone 9720096564, Mr. Lavkush S/o Bhaiya Lal, Phone: 9411057667, All R/o Mohalla Govindpuri, Ganjdundwara, Kasganj, Uttar Pradesh- 207242, **Guarantor/mortgagor :** Mr. Ram Chandra Khitoliya S/o Girdhari Lal Khitoliya, Phone: 9458628810 R/o Etah Road, Ganjdundwara, Patiyali, Kasganj, U.P-207242,	Rs. **546406/-** + Intt. from 01.01.2025 & Others Charges thereon	Urem Of Property Plot Out Of Bhumi No. 1708 Constructed As Residential House Vide Nagar Palika Parishad Ganjdundwara Situated At Mohalla Govindpuri Pargana Patiyali, Kasganj Admeasuring 41.85 Sq Mt. Owned By Mrs. Nema W/o Mr Lavkush. **Bounded As:** East - House Of Ashok Kumar Saxena, West - House Of Arjun Singh, North - Others Property, South - Rasta 15 Ft Wide.	Rs. 1208300/- / Rs. 120830/-
Borrower/s: 1. Anwar Khan S/o Sultan Khan R/o Village Ganeshpur, Ganjdundwara, Dist-Kasganj (U.P.)-207242, Mob-91-9897119428, **Guarantor/ mortgagor :** 1. Shere Afgan S/o Sultan Khan R/o Village Ganeshpur, Ganjdundwara, Dist-kasganj (U.P.)-207242 Mob-91-9997567647	Rs. **1757895/-** + Intt. from 01.01.2025 & Others Charges thereon	Urem of Property at Part 50/340 Out of Bhumi No-777/0.340, Now Awadi Recorded In Khasra, Situated at Ganeshpur, Ganjdundwara, Tehsil- Patiyali, Dist-Kasganj Admeasuring 500 Sq Mtr. Owned By Anwar Khan S/o Sultan Khan. **Bounded As:** East - Land Of Sabir, West - Land of Arif, North - Kaccha Rasta 15'wd, South - Other's Land.	Rs. 2493200/- / Rs. 249320/-
Contact Canara Bank, MAINPURI II Branch (Ph. No.) 8272082349 e-mail id cb18711@canarabank.com			
Borrower/s: M/s Arshi Construction Prop- Anwar Khan S/o Islam Khan, Add. Mahmood Nagar Agra Road Mainpuri UP-205001, Phone: 9457731786, Anwar Khan S/o Islam Khan, R/o Vill Bhatoha Post Ratibhanpur, Mainpuri U.P.-205001, Phone: 9045835015, **Guarantor/ mortgagor :** Anil Kumar S/o Subedar Singh R/o Shiv Nagar Zila Hospital, Back Side Mainpuri UP-205001, Phone: 8273320001	Rs. **1873034/-** + Intt. from 01.01.2025 & Others Charges thereon	Urem of Residential House on Part of Land No 1394, Ward No 25, Mahmood Nagar, Dariba , Mainpuri UP-205001 Admeasuring 96.25 Sqm. Owned By Anwar Khan S/o Islam Khan. **Bounded As:** East - Plot Mohd Saifi, West - Road 14' Wide, North - Plot of Ashiq Ali, South - Plot of Master Sahab Bewar Wale.	Rs. 3086100/- / Rs. 308610/-
Borrower/s: 1. Shiv Nath Pratap Singh R/o 170, New Basti Devpura Mainpuri (U.P.)-205001 Mobile:8864990090, **Guarantor/mortgagor :** 1. Siya Devi W/o Rambabu R/o 170, new Basti Devpura Mainpuri (U.P.)-205001 Mobile: 9411495443	Rs. **1905574/-** + Intt. from 01.01.2025 & Others Charges thereon	Urem of Emt of Nagar Palika Premises No. 270, Situated at Mauza Devpura Chimni Tehsil and Distt Mainpuri Admeasuring 71.91 Sqm. Owned By Siya Devi W/o Rambabu 170, new Basti Devpura Mainpuri, **Boundaries:** East - 6' Wide Road, West - 8' Wide Road, North-House of Shri Krishna, South - House of Vikram Kushwah	Rs. 1913220/- / Rs. 191322/-
Canara Bank, ETAH II Branch (Ph. No.) 8272082329 e-mail id cb18674@canarabank.com			
Borrower/s: 1. Neelam Tiwari W/o Sachin Tiwari R/o Vill Kailash Ganj Etah Uttar Pradesh 207001 Mobile-7017400186 2. Sachin Kumar Tiwari S/o Yogendra Tiwari, R/o H. No. 103 Kailash Ganj Etah Uttar Pradesh 207001, Mobile-8006666484 **Guarantor/mortgagor :** 1. Priti Rani W/o Dharmendra Singh R/o Gram Gaddanpur Bhadwas Etah Uttar Pradesh 207120, Mobile- 8445232009	Rs. **1861886/-** + Intt. from 01.01.2025 & Others Charges thereon	Urem of Residential Property Situated at Gata No. 405, Mauza-asrauli,pargana Etah Sakit, Etah UP-207001 Admeasuring 59.29 Sqm. Owned By Neelam Tiwari W/o Sachin Tiwari, **Boundaries:** East- House of Priti Rani, West - Plot No 8, North- House of Jayveer Singh, South - 20' Wide Rasta	Rs. 1638900/- / Rs. 163890/-
Borrower/s: 1.Shilendra Pratap S/o Sisapal, R/o H.No.58 Sanjay Nagar Etah UP-207001, Mob: 9837846810, **Guarantor/mortgagor :** 1. Shailendra Pratap Singh S/o Shishu Pal Singh, R/o H No 57 Sanjay Nagar Etah, UP-207001, Mob-9058079223	Rs. **1560924/-** + Intt. from 01.01.2025 & Others Charges thereon	Urem of Residential House Part of Gata No 867, Mauja Barther,pargana Etah Sakeet Etah (Sanjay Nagar), The and Distt Etah, Admeasuring 96.49 Sqm. Owned By Shilendra Pratap S/o Sh. Sisapal, **Boundaries:** East- Plot Brajesh Kumar, West - Road 20 feet, North - Rasta 23 Feet, South- Land of Mukir	Rs. 3658500/- / Rs. 365850/-
Borrower/s: 1. Rajkumar Pathak S/o Late Raghuveer Prasad Pathak, R/o H No 82/2 Sector 7, Moh Pulia Garvi, Etah, UP- 207001, Mob-9359650839, Guarantor/mortgagor : 1. Amit Jain S/o Ravi Kumar Jain, R/o 96, Nayi Basti, Shikohabad Road, Etah, U.P-207001, Mob-8449393978	Rs. **467738/-** + Intt. from 01.01.2025 & Others Charges thereon	Urem Of Residential House Situated At H No 82/2 Sector-7, Moh Pulia Garvi, Etah-207007 Admeasuring 37.43 Sqm. Owned By Rajkumar Pathak S/o Late Raghuveer Prasad Pathak. **Bounded As:** East - House Of Laxman Das, West - Gali 6' Wide, North - House Of Anand Swaroop, South - House Of Indra Kumar Pathak.	Rs. 714582/- / Rs. 71458/-
Borrower/S 1. Mrs.Guddi Devi Wo Ashok Kumar, 2. Ashok Kumar So Kunwar Pal Singh Both R/O 128 Sanjay Nagar Etah UP-207001, Mob: 9720547456 **Guarantor/Mortgagor:** Shilendra Pratap S/O Sh.Sisapal R/o H No.58 Sanjay Nagar Etah Up-207001, Mob: 9837846810	Rs. **1987905/-** + Intt. from 01.01.2025 & Others Charges thereon	Urem of Residential Plot Situated at Mauza Barthar, Pargana Etah Sakeet, Etah-207001, Admeasuring 74.40 Sqm. Owned By Guddi Devi W/o Ashok Kumar. **Bounded As:** East - Plot of Vavita, West - Jagah Mukir, North - Plot of Jagdish, South – 20' Wide Rasta	Rs. 1069200/- / Rs. 106920/-
Borrower/S: Mrs. Kiran Lata W/o Rajkumar R/o Kasiram Awas, Parag Dairy, Sheetalpur, Etah, UP-207001, Mob: 9536946587, **Guarantor/Mortgagor:** Vinay Kumar S/o Mahendra Singh, R/o 162 Shringar Nagar, Near Bank Colony, Etah, UP-207001, Mob: 7599220400	Rs. **1626990/-** + Intt. from 01.01.2025 & Others Charges thereon	Urem of Gata No 489,Chilasni Road, Village Chilasni, Pargana Etah Sakeet, Tehsil and Distt Etah, UP-207001 Admeasuring 188.79 Sqm.Owned By Kiran Lata W/O Raj Kumar **Bounded As:** East - Plot of Mukir, West - 30 Ft Wide Road North - 15 Ft Wide Road, South - Plot Of Arvind Saxena	Rs. 1206360/- / Rs. 120636/-
Contact Canara Bank, ETAH KUMS Branch (Ph. No.) 8272082332 e-mail id cb2977@canarabank.com			
Borrower/s: 1. Kerala SS Steel Work Prop Raish Ahmad S/o Navi Hasan, 2. Raish Ahmad S/o Navi Hasan both add. Aliganj Road Sheetal Pur Etah UP-207001 Mob:9995971826, 2. **Guarantor/ mortgagor :** 1. Nannhe Begam W/o Navi Hasan R/o H N 228/13 Shivsinghpur Kidabai Nagar Etah - 207001	Rs. **488065/-** + Intt. from 01.01.2025 & Others Charges thereon	Urem Of Residential Buiding Situated at H.No. 228/13, Kidabai Nagar, Etah, UP Admeasuring 35.15 Sqm. Owned By Nannhe Begam W/o Navi Hasan. **Bounded As:** East - Rasta, West - Property Of Asif, North - Property of Najreen South - Gali	Rs. 1176390/- / Rs. 117639/-
Mr. Punit Mishra S/o Karunesh Mishra, R/o Vikash Nagar, Etah, UP-207001, Mob: 9456004337	Rs. **630007.53** + Intt. from 07.03.2025 & Others Charges thereon	Sr. No. 1., Make /Type TATA, Vehicle No. UP82-AC-7199, Engine No. CR02GRYW28254, Chasis No. MAT629151JKG67420, Model TATA TIGOR XT	Rs. 133450/- / Rs. 13345/-

Last Date & Time for receipt tender document: 27.03.2025 up to 5.00 PM,
Date & Time of E-auction: 28.03.2025 from 11.30 AM to 12.30 PM
(With extension of 5 min. duration each till the conclusion of sale)

For details terms and conditions os the sale and participating in E-Auction, please go through the website https://ebkray.in/ or Canara Banks's Website or may contact Canara Bank OR service provider M/S PSB Alliance Ltd (ebkray) contact details 7046612345 , 6354910172, 8291220220, 9892219848, 8160205051

Date: 16.03.2025 — Authorized Officer, Canara Bank

Globe — GLOBE INTERNATIONAL CARRIERS LTD.
Formerly known as Globe International Carriers Pvt. Ltd.

Regd. Office: 301-306, Prakash Deep complex, near Mayank Trade Centre, Station Road, jaipur- 302006
Tel: 0141-2361794, 2368794, 4083700 (10 lines)
Email: info@gicl.com | Website: www.gicl.co
CIN: L60232RJ2010PLC031380

CORRIGENDUM TO THE NOTICE OF THE EXTRAORDINARY GENERAL MEETING

An Extra Ordinary General Meeting("EGM") of the Shareholders of Globe International Carriers Limited ("The Company") is scheduled to be held on Wednesday, March 19, 2025, at 03:00 PM (IST) through Video Conferencing ("VC") / Other Audio Visual Means ("OAVM"). The Notice of the EGM (EGM Notice) dated February 19, 2025 was dispatched to the shareholders of the Company on February 25, 2025 in due compliance with the provisions of the Companies Act, 2013, and rules made thereunder, read with circulars issued by Ministry of Corporate Affairs and Securities Exchange Board of India.

This Corrigendum shall form an integral part of the EGM Notice and the same is circulated to the shareholders of the Company. Accordingly, all concerned shareholders, Stock Exchanges, Depositories, Registrar and Share Transfer Agent, agencies appointed for e-voting, other Authorities, regulators, and all other concerned persons are requested to take note of the above changes. All other content of EGM Notice and explanatory statement annexed thereto, save and except as modified in this corrigendum shall remain unchanged. On and from the date hereof, the Notice of the EGM shall always be read in conjunction with this Corrigendum.

The following information/amendment in the EGM Notice is hereby notified through this Corrigendum to all the shareholders of the Company

1. Para 1 and 2 of Resolution No. 2 of ACQUISITION OF 40,00,000 EQUITY SHARES OF M/S. GOVIND KRIPA INFRATECH PRIVATE LIMITED ("GKIT") shall be substituted and read as follows:

"RESOLVED THAT pursuant to the provisions of Sections 179(3) (j), 186 and other applicable provisions, if any, of the Companies Act, 2013 (the "Act") and rules made thereunder and in accordance with the provisions of the Memorandum and Articles of Association of the Company, and subject to such other approvals, sanctions, consents, and permissions as may be required from anystatutory, regulatory, or governmental authority., the consent of the Members of the Company be and is hereby accorded for the acquisition of 40,00,000 equity shares, representing 50% of the equity shareholding in M/s. Govind Kripa Infratech Private Limited ("GKIT") for a total purchase consideration of Rs. 27,22,40,047.30/- (Rupees Twenty-Seven Crore Twenty-Two Lakh and Forty Thousand Forty Seven and Thirty Paisa Only) at a price of Rs. 68.06/- (Rupees Sixty-Eight and Six Paise Only) per equity share.

RESOLVED FURTHER THAT in consideration of the above acquisition, the consent of the Company be and is hereby accorded for the issuance and allotment of up to 24,67,507 (Twenty-Four Lakh Sixty- Seven Thousand Five Hundred and Seven) fully paid-up equity shares of the Company having a face value of Rs.10/- (Rupees Ten Only) each at a price of Rs. 110.33 (Rupees One Hundred Ten and Thirty-Three Paise Only) per equity share, including a premium of Rs. 100.33/- per share, to the shareholders of GKIT by way of share swap, thereby discharging the entire purchase consideration for the acquisition of GKIT.

2. Changes in issue size and issue price of equity shares, of the Company on preferential basis for consideration other than cash (share swap)

As the Issue Price has been revised from Rs. 109.83 per Equity Share to Rs. 110.33 per Equity Share, therefore there is subsequent reduction in number of shares issued to Proposed Allottee from 24,78,740 Equity Shares to 24,67,507 Equity Shares.
In the Special Resolution' mentioned at item no. 3 of the Notice, the issue size has been reduced to 24,67,507 (Twenty-Four Lakh Sixty Seven Thousand Five Hundred and Seven) fully paid-up equity shares (hereinafter referred to as "Equity Shares")of the Company having face value of Rs. 10/- (Rupee Ten Only) each at a price of Rs. 110.33 (Rupees One Hundred Ten and Thirty -Three Paise Only) per equity share,(including a premium of Rs. 100.33/- per share), as determined in accordance with Chapter V of the SEBI ICDR Regulations, aggregating to Rs. 27,22,40,047.30/- (Rupees Twenty-Seven Crore Twenty-Two Lakh and Forty Thousand Forty Seven and Thirty Paisa Only) ("Purchase Consideration"),

3. Para 1 of Explanatory Statement of Item No. 2 in EGM Notice shall be substituted and read as follows

The Company proposes to acquire 40,00,000 equity shares of M/s Govind Kripa Infratech Private Limited ("GKIT"), representing 50% of its equity shareholding. The total purchase consideration for this acquisition is 27,22,40,047.30/- (Rupees Twenty-Seven Crore Twenty-Two Lakh and Forty Thousand Forty Seven and Thirty Paisa Only) at a price of Rs. 68.06/- (Rupees Sixty-Eight and Six Paise Only) per equity share. In consideration of this acquisition, the Company intends to issue and allot up to 24,67,507 (Twenty-Four Lakh Sixty Seven Thousand Five Hundred and Seven) fully paid-up equity shares of the Company, having a face value of Rs. 10/- (Rupees Ten Only) each at a price of Rs. 110.33 (Rupees One Hundred Ten and Thirty-Three Paise Only) per equity share (including a premium of Rs. 100.33/- per share) to the shareholders of GKIT by way of share swap. This issuance will discharge the entire purchase consideration of Rs. 27,22,40,047.30/-. Upon completion of this acquisition, GKIT will become an associate company of GICL.

4. Changes/Revision in Explanatory Statement of Item No. 03 (Pursuant to Provisions of Section 102 of the Companies Act, 2013 and SEBI Regulations:

1. The para 1 shall be substituted and read as :

The Board pursuant to its resolution dated February 19, 2025 had approved the acquisition of 40,00,000 Equity Shares representing 50.00% shareholding of the M/s Govind Kripa Infratech Private Limited ("GKIT"), against 24,67,507 fully paid-up equity shares of the Company. The Board of Directors of the Company shall allot 24,67,507 Equity Shares to Surekha Agarwal (shareholder of Govind Kripa Infratech Private Limited ("GKIT") against the acquisition of 40,00,000 equity shares (i.e. 50.00% equity shares) of the said Company. By virtue of this, your Company will hold 40,00,000 Equity shares i.e., 50.00% shareholding of GKIT. As purchase consideration for the said acquisition, the Company has proposed to allot its equity shares to the shareholders of GKIT, being the payment towards the swap shares. For acquisition of the equity shares of target company, it is proposed to issue and allot up to equity shares of the Company on a preferential basis for consideration other than cash at a price of Rs. 110.33 (Rupees One Hundred Ten and Thirty-Three Paise Only) per equity share (including a premium of Rs. 100.33/- per share) to the Proposed Allottee for a consideration other than cash, which is not less than the floor price prescribed under Chapter V of the SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018 ("SEBI ICDR Regulations") on a preferential basis.

2. POINT NO. 2: "Particulars of the offer including the maximum number of specified securities to be issued" shall be read as

The Board, pursuant to its resolution dated February 19, 2025, has approved the preferential issue of upto 24,67,507 Equity Shares at a price of Rs. 110.33/- (Rupees One Hundred Ten and Thirty-Three Paise Only) per equity share (including a premium of Rs. 100.33/- per share), for consideration other than cash, which is not less than the floor price prescribed under Chapter V of the SEBI ICDR Regulations, on a preferential basis.

3. POINT NO. 04: "Basis on which the price has been arrived at and justification for the price (including premium, if any)"

The Para 2, 3, 4, 5 and last para of the Point 4 shall be substituted and read as:
Further, the Articles of Association (AoA) of the Company states that the process on further issue of securities shall be determined by valuation report from a registered valuer. Further, the Proposed Preferential Issue is not expected to result in change in control, however, there s allotment of more than five per cent of the post issue fully diluted share capital of the issuer, to an allottee or to allottees acting in concert.
Further, as per regulation 163(3) of SEBI ICDR Regulations, 2018, specified securities may be issued on a preferential basis for consideration other than cash: Provided that consideration other than cash shall comprise only swap of shares pursuant to a valuation report by an independent registered valuer, which shall be submitted to the Stock Exchanges where the equity shares of the issuer are listed.
Considering that the proposed allotment is more than 5% of the post issue fully diluted Share capital of the Company, to the allottees and allottees acting in concert, regulation 163(3) and as per AoA, it shall require a valuation report from an independent registered valuer and consider the same for determining the price. as per provisions of the Regulation 166A(1) of the SEBI ICDR Regulations, 2018. Further, there will be no change in control due to this preferential issue.
Accordingly, the company has obtained Valuation Report dated February 17, 2025 issued by Ms. Binal B. Darji, Independent Registered Valuer (IBBI/RV/02/2021/14321) having office at B/17, Kailash Nagar, Shankar Lane, Kandivali (West), Mumbai- 400067 in accordance with Regulation 165 & 166A of SEBI (Issue of Capital and Disclosures Requirement) Regulations 2018. The Valuation Report shall be available for inspection by the members and the same may be accessed on the Company's website at www.gicl.co/noticeoutcome.aspx.
Pursuant to the above, the minimum issue price determined in accordance with regulations 165, read with Regulation 166A of Chapter V of SEBI ICDR Regulations is Rs. 110.33/-.

4. POINT NO. 06: "Intent of the Promoters, Directors, Key Management Personnel or Senior Management of the Company to subscribe to the Preferential Offer" shall be read as

The following Promoters intend to participate and subscribe to the preferential offer:

Name of the Proposed Allottee	Category (Promoter/ Non - Promoter)	No. of securities to be allotted
Surekha Agrawal	Promoter and Whole Time Director	24,67,507

Except for the above, none of the directors, promoters, Key Managerial Personnel or senior Management intend to subscribe to the preferential issue.

5. POINT NO. 8: "Name of the proposed allottees of equity shares along with their PAN Number, class and percentage of post Preferential Issue capital that may be held by them" shall be read as
The details are as follows:

Sr. No	Name of the Proposed Allottee of Equity Shares	PAN card of allottees	Class (Promoter /Non- Promoter)	Pre-Issue Shareholding: No. of Shares	Pre-Issue Shareholding: % of Share holding	Issue of Equity shares (Present Issue) (No.)	Post Issue Shareholding: No. of Shares	Post Issue Shareholding: % of Share holding
1.	Surekha Agrawal	AARPA4904A	Promoter	15,00,000	6.02%	24,67,507	39,67,507	14.49%

6. POINT NO. 9: "The Shareholding pattern of the Company before and after the Preferential Issue" shall be read as under
The shareholding pattern of the Company before and after considering the preferential issues under this Notice is as under.

(Shareholding pattern of the Company before and after the Preferential Issue)

Sr No	Category	Pre-Issue Shareholding as on February 22, 2025)		Shareholding Post Preferential Issue of equity shares	
		No. of Equity Shares held	% to total share capital	No. of Shares held	% to total share capital
A	Promoter Group				
	Promoter and Promoter Group Holding				
1	Indian				
	Individual/HUF	13484000	54.11	15951507	58.24
	Body Corporate	1138500	4.57	1138500	4.16
	Sub-Total	14622500	58.68	17090007	62.40
2	Foreign Promoters				
	NRI	0	0	0	0
	Sub-Total - A (A1+A2)	14622500	58.68	17090007	62.40
B.	NON-PROMOTER HOLDING				
	1 Institutional Investors				
	Mutual Funds/ FPI/ AIF	0	0	0	0
	Financial Institutions / Banks	0	0	0	0
	Insurance Companies	0	0	0	0
	Central Government	00	0	0	0
	Sub-Total - B1	0	0	0	0
2	Non-Institutional Investors				
	Individuals	7122920	28.58	7122920	26.01
	Body Corporate	2805000	11.26	2805000	10.24
	Others	369080	1.48	369080	1.35
	Sub-Total - B2	10297000	41.32	10297000	37.60
	Total (B=B1+B2)	10297000	41.32	10297000	37.60
	GRAND TOTAL (A+B1+B2)	24919500	100	27387007	100

7. POINT NO. 11: "Change in control, if any, in the Company that would occur consequent to the preferential offer" shall be read as

There shall be no change in the management or control of the Company pursuant to the aforesaid issue and allotment of shares of the Company.

8. POINT NO. 16: "Justification for the allotment proposed to be made for consideration other than cash together with valuation report of the registered valuer" shall be read as

This acquisition, executed is a well-thought-out step toward diversifying Globe International's business operations beyond logistics and into the high-potential infrastructure and real estate sector.
By entering the real estate space, Globe International aims to leverage synergies between transportation and construction-two industries that go hand in hand. The company's expertise in logistics and supply chain management can add value to large-scale construction projects by ensuring efficient material movement and cost optimization. At the same time, real estate offers long-term stability and asset appreciation, strengthening the company's financial position and enhancing shareholder value.
This partnership also aligns with the company's long-term vision of sustainable growth, allowing it to tap into new revenue streams and mitigate risks associated with a single-sector focus.
The value of the Shares of GKIT and price of the Equity Shares of the Company have been determined taking into account Valuation Report dated February 17, 2025 issued by Ms. CA. Binal B. Darji, Independent Registered Valuer (IBBI/RV/02/2021/14321) having office at B/17, Kailash Nagar, Shankar Lane, Kandivali (West), Mumbai- 400067 in accordance with Regulation 165 & 166A of SEBI (Issue of Capital and Disclosures Requirement) Regulations 2018. The Company has considered the fair equity share swap ratio set out in the Valuation Report obtained from CA Binal B. Darji, for the purpose of determination of the number of equity shares to be issued to the Proposed Allottees, for consideration other than cash. The Valuation Report shall be available for inspection by the members and the same may be accessed on the Company's website at www.gicl.co/noticeoutcome.aspx.
Price determined as per provisions of the Regulation 164(1) of the SEBI ICDR Regulations (in case of frequently traded shares). - Rs.110.33/-
Price determined as per 90 trading days VWAP - Rs.78.12/-
Price determined as per 10- trading days VWAP - Rs.110.33/-
Price determined as per provisions of the Regulation 166A(1) of the SEBI ICDR Regulations: Rs.110.33/-
Price determined as per provisions of the Regulation 163(3) of the SEBI ICDR Regulations: Rs.110.33/-
Accordingly, the Equity Shares shall be issued at an issue price of Rs. 110.33/- (Rupees One Hundred Ten and Thirty-Three Paise Only) per equity share of the face value of Rs.10/- (Rupees Ten only) each (including a premium of Rs. 100.33/- per share), which is higher than the issue price as determined as per the SEBI ICDR Regulations.

9. The weblink for certificate from M/s. Mihen Halani & Associates, Practicing Company Secretary in Point No. 18 is www.gicl.co/noticeoutcome.aspx.

This Corrigendum to the EGM Notice shall form an integral part of the EGM Notice, which has already been circulated to the Shareholders of the Company and on and from the date hereof, the EGM Notice shall always be read in conjunction with this Corrigendum. This Corrigendum will be made available on website of the stock exchange i.e. NSE and on the website of the Company. All other contents of the EGM Notice, save and except as modified or supplemented by this Corrigendum, shall remain unchanged.

For Globe International Carriers Limited
Sd/-
Annu Sharma
Company Secretary
Membership No.: A52860

Classifieds

PERSONAL

It is for general information that I,MOHIT,S/o-Jaswant Singh,R/o,Khalilpur-(272) Gurgaon,Haryana-122502,declare that name of my-father has been wrongly-written as Jaswant in my 10th-class and 12th-class marksheet cum certificate educational documents,The actual name of my-father is Jaswant Singh,Which may be amended accordingly.
0040779772-8

I,Mohammad Tayyab Hanif,S/o Mohd Hanif,R/o H.No.E-37,E-Block,New Seelampur,Delhi-110053,have changed my name to Mohammad Tayyab.
0040779772-5

I,Meena Kumari,W/o Ashok Kumar,H.No.36A,UGF Block-D, Mohan Garden,Uttam-Nagar,New Delhi-110059,have changed my name to Meena Rani,permanently.
0040779772-4

I,Keswani Riya alias Riya Yogita KeswanI,D/o-Yogita Idnani,R/o-G223 DLF-Park Heights-City Phase-5,Golf Course-Road Sector-54,Sikanderpur Ghosi(68)Qe Gurgaon,Haryana-122002,changed my-name to Riya Keswani. 0040779814-3

I, SHAREEF Khan S/O Javed Akhtar R/O WZ-2A/1, Chaukhandi Village, Tilak Nagar, Delhi-110018 have changed name of my minor son Vihaan Khan aged 11 years to Azhaan Khan 0070956701-1

It is for general information that I,Katyayni Singh,D/o-Sushil kumar Raju,R/o,E-12 E.D.D.A-Flats Munirka J.N.U.South West,Delhi-110067,declare that name of my father has been wrongly-written as S.K Raju in my 10th-class marksheet and certificate and MBBS-Degree all-educational documents,and Driving-License no-DL1220120103818,The actual name of my-father is Sushil kumar Raju,Which may be amended accordingly.
0040779772-9

MISCELLANEOUS

PUBLIC NOTICE

Mr. Manish Sharma s/o Mr. Shanti Lal Sharma has applied for a purchase loan to our client ICICI HFC Ltd., Branch Faridabad, Haryana by mortgage of property i.e., North-East Part of Prop. MCF No. 2896-A, Plot No. 5, part of Kh. No. 275, Mus. No. 120, Killa Nos. 3, 7/2, 8, 13/2. Block-A, Badhkal, S.G.M. Nagar, Faridabad, Haryana, area 58 Sq. Yd., It has been informed that Mr. Chaman Lal Sharma & his wife Mrs. Neelam Sharma were passed away and after their demise, Mr. Deepak Sharma, Mr. Sanjeev & Mrs. Poonam Sharma are said to be only legal heirs and successors of deceased, as per Hindu Succession Act, 1956. If anyone has any objections then please contact with proof within 7 days, after that no objections will be accepted.
Kartik Kumar Gola, Advocate for LEGAL ASSOCIATES' O-3/A-1, Dilshad Garden, Delhi-95. Mob.: (+91 7011604304)

PUBLIC NOTICE

Notified that my client's **(1) YOGESH VATS S/o Uday Shankar Vats (2) RACHNA VATS W/o Yogesh Vats both R/o WZ-233, Gali No.12, Hastsal Road, Uttam Nagar, Delhi-110059,** has severed relations from their son **AAKASH VATS,** due to his cruel and harassing behavior towards my above named clients. Now they have no domestic relations with him and have disowned and disinherited him from all their movable & immovable properties. Any person dealing with him will do at their own cost & risk and my clients shall not be responsible for any kind of his acts.

SAURABH GUPTA
(Advocate)
Enrl.No.D/369/2011)

PUBLIC NOTICE

All concerned are hereby informed to this through this public notice that my clients Sh. SOM NATH S/O SH. BHAGAT RAM and SAWARAN LATA W/O SH. SOM NATH Both R/O A-09/9C KALKAJEE EXTN, DELHI-110019. My clients are owner of that property and have lost their original GPA, Possession Letter, Convyeance Deed, Sale Deed, Allotment Letter cum Demand note, Possession Certificate of property bearing no. A-09/9C KALKAJEE EXTN, DELHI-110019. If anyone misused thier above said documents it will be a punishable actas per law.
MUKESH (Advocate) Rohini Court, Enrl No. D/9577/2019 Ch. No. 1114

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.